RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 263
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, बुधवार, 17 जनवरी, 2024

द अचीवर टाइम्स

ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में सर्वे पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद के संबंध में एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मस्जिद का सर्वेक्षण करने के लिए आयुक्त (कोर्ट कमिश्नर) नियुक्त करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। हालांकि, कोर्ट ने कहा है कि अदालत मामले की सुनवाई जारी रखे। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी की तरफ से दायर की गई एक विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट के 14 दिसंबर के आदेश पर रोक लगा दी।

गौरतलब है कि अपने आदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक एडवोकेट कमिश्नर (कोर्ट कमिश्नर) नियुक्त करने का आदेश दिया था। इस एडवोकेट कमिश्नर को मस्जिद परिसर का सर्वे करना था। मस्जिद कमेटी की तरफ से वकील तसनीम अहमदी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुई।

वकील ने तर्क दिया कि जब पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत मथुरा मामले को खारिज करने की याचिका अभी तक लंबित है, ऐसे में हाईकोर्ट सर्वे का आदेश नहीं दे सकता। इस पर सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने तर्क को सही माना और हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू पक्ष को नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि इस मामले पर हाईकोर्ट में सुनवाई जारी रहेगी।

हिंदू पक्ष ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर शाही ईदगाह मस्जिद के सर्वे के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने की मांग की थी। इस याचिका पर 14 दिसंबर को सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने का आदेश दिया था। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया था कि याचिका में दावा किया गया था कि भगवान कृष्ण की जन्मस्थली उस मस्जिद के नीचे मौजूद है और ऐसे कई संकेत हैं, जो यह साबित करते हैं कि वह मस्जिद एक हिंदू मंदिर है। याचिका में दावा किया गया था कि वहां एक कमल के आकार का स्तंभ मौजूद है, जो हिंदू मंदिर की विशेषता है। साथ ही शेषनाग की छवि है। मस्जिद के स्तंभ पर हिंदू धार्मिक प्रतीक और नक्काशी मौजूद हैं। याचिका में कोर्ट कमिश्नर द्वारा पूरे सर्वेक्षण की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराने की भी मांग की थी। मस्जिद कमेटी ने इस याचिका का विरोध किया था, लेकिन हाईकोर्ट ने विरोध को दरकिनार कर कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने का आदेश दिया था। उल्लेखनीय है कि पूजा स्थल अधिनियम 1991, 15 अगस्त 1947 के बाद देश में सभी धार्मिक स्थलों की यथास्थिति बनाए रखने की बात कहता है। मंदिर, मस्जिद, चर्च और अन्य सभी पूजा स्थल इतिहास की परंपरा के मुताबिक वही रहेंगे, जो देश की आजादी के समय थे, उन्हें किसी भी अदालत या सरकार द्वारा बदला नहीं जा सकता। इस कानून को पीवी नरसिम्हा की सरकार में बनाया गया था। उस समय राम मंदिर आंदोलन चरम पर था और देश में इसे लेकर सांप्रदायिक माहौल बना हुआ था। इस पर सरकार ने पूजा स्थलों में बदलाव के खिलाफ यह कानून बनाया था। इसी कानून के प्रावधानों के तहत मस्जिद कमेटी ने मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले को खारिज करने की अपील की थी, जिस पर सुनवाई लंबित है। यह पूरा विवाद 13.37 एकड़ जमीन को लेकर है। हिंदू पक्ष का दावा है कि मथुरा के कटरा केशव देव इलाके में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। उस जगह पर मंदिर बना था। कई हिंदुओं का दावा है कि मुगल काल में औरंगजेब के शासन में मंदिर के एक हिस्से को तोड़कर उस पर मस्जिद बनाई गई, जिसे ईदगाह मस्जिद के नाम से जाना जाता है। हालांकि मुसलमान पक्ष मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाने की बात से इनकार करता है। साल 1968 में श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ और ट्रस्ट शाही ईदगाह मस्जिद के बीच एक समझौता हुआ, जिसके तहत जमीन को दो हिस्सों में बांट दिया गया था। जिसमें एक हिस्से पर मंदिर और दूसरे पर मस्जिद मौजूद है। हालांकि हिंदू पक्ष उस समझौते को अवैध बताकर खारिज कर रहा है और पूरी जमीन पर दावा कर रहा है।

जहां शिवलिंग का दावा, उस पानी की टंकी की होगी सफाई

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को काशी के ज्ञानवापी मामले में बड़ा फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद परिसर में मौजूद पानी की टंकी (वुजुखाना) की सफाई कराने की अनुमति दे दी है। गौरतलब है कि इसी वुजुखाने में हिंदू पक्ष ने शिवलिंग होने का दावा किया है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने हिंदू पक्ष की याचिका पर यह निर्देश दिया। दरअसल हिंदू पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मस्जिद परिसर में भगवान की पूजा करने की अनुमति मांगी थी। साथ ही पानी के टैंक की सफाई की मांग की गई थी क्योंकि उस टैंक में मछलियां मरी पड़ीं थी। हिंदू पक्ष की याचिका का मस्जिद मैनेजमेंट कमेटी द्वारा विरोध नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने पीठ ने अपने आदेश में कहा कि टैंक की सफाई वाराणसी के जिला कलेक्टर की देखरेख में कराई जाए। हिंदू पक्ष की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील माधवी दीवान पेश हुई। वहीं मस्जिद कमेटी की तरफ से वरिष्ठ वकील हुजैफा अहमदी पेश हुए। बता दें कि मई 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद के वुजुखाना में शिवलिंग पाए जाने के दावे के बाद वुजुखाने को सील करने का आदेश दिया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को नमाज जारी रखने की छूट दी। बीते साल सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू पक्ष की मांग पर पुरातत्व विभाग को मस्जिद परिसर का सर्वे करने की मंजूरी दी थी। इसी सर्वे में मस्जिद परिसर के वुजुखाने में शिवलिंग जैसी आकृति मिली थी। हिंदू पक्ष ने इसके शिवलिंग होने का दावा किया था।

कांग्रेस में आईं शर्मिला को मिली आंध्र की कमान

नई दिल्ली। लोकसभा और आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को हाल ही लगातार दो बड़े झटके लगे। पहले, कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा ने साथ छोड़ा। फिर, आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष पद से गिदुगु रुद्र राजू ने इस्तीफा दे दिया। ऐसे में अब कांग्रेस पार्टी ने आंध्र प्रदेश में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी ने वाई एस शर्मिला रेड्डी को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। बता दें, शर्मिला सीएम जगन मोहन रेड्डी की बहन हैं। गौरतलब है, वाईएस शर्मिला इस महीने की शुरुआत में कांग्रेस में शामिल हुई थीं। दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सांसद राहुल गांधी की मौजूदगी में उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा था। पार्टी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस बात की जानकारी दी। पार्टी ने बताया, कांग्रेस अध्यक्ष ने वाईएस शर्मिला रेड्डी को तत्काल प्रभाव से आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं, राजू को कांग्रेस कार्यसमिति का विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया गया है। पहले से ही ये कयास लगाए जा रहे थे कि कांग्रेस शर्मिला को आंध्र प्रदेश की कमान सौंप सकती है।

एक नज़र

राष्ट्रपति बना तो सुधार दूंगा इस्राइल-फलस्तीन के बीच की स्थिति: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की रेस में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 जनवरी को आयोवा प्रांत में पहली कॉकस में जीत दर्ज की है। इस जीत ने उन दावों को मजबूती दी है, जिसमें कहा जा रहा कि बाइडन और ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में आमने-सामने हो सकते हैं। पार्टी के भीतर अपनी पहली जीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने कहा कि दुनिया को फिर से ठीक करना होगा, अस्त-व्यस्त दुनिया को अच्छा बनाना होगा। इस दौरान ट्रंप ने राजनीतिक विचारधाराओं को एक साथ आने का आग्रह किया है। संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि बाइडन अमेरिकी इतिहास के अब तक के सबसे खराब राष्ट्रपति हैं। पूरी दुनिया अब अमेरिका पर हंसने लगी हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि हमारे देश के लोग एक साथ आएं। चाहे वो डेमोक्रेट हो या फिर रिपब्लिकन। दुनिया के लिए सबको एकजुट होना होगा। ट्रंप ने कहा कि बहुत अच्छा होगा कि अगर हर विचारधार के लोग एक साथ आएं। मुझे लगता है कि यह बहुत जल्द होने वाला है। इस्राइल-हमास युद्ध पर बोलते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर मैं वर्तमान में अमेरिका का राष्ट्रपति रहता तो इस्राइल पर हमले का सवाल नहीं उठता। उन्होंने कहा कि अगर वह चुनाव जीतकर फिर से आए तो वे बहुत जल्द इस समस्या का ही समाधान कर देंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर मैं राष्ट्रपति रहता तो रूस की यूक्रेन पर हमला करने की हिम्मत ही नहीं होती। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के हालत बहुत बुरे हैं। हम जल्द ही दुनिया में सब ठीक कर देंगे। अमेरिका में दो मुख्य पार्टियां डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन हैं। दोनों पार्टियां राष्ट्रपति चुनाव से पहले देश के हर राज्य में पार्टी के उम्मीदवार के चयन के लिए पार्टी के भीतर मतदान कराती हैं, जिसे कॉकस कहा जाता है। सभी राज्यों के मतदान के बाद दोनों पार्टियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में मतदान में विजयी उम्मीदवार को पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया जाता है।

प्राण प्रतिष्ठा नेताओं का काम नहीं: ममता बनर्जी

22 जनवरी को बंगाल में निकलेगी सद्भावना रैली

एजेंसी

कोलकाता। जहां एक तरफ पूर्व से पश्चिम तक कांग्रेस भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर रही है। वहीं दूसरी तरफ, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 22 जनवरी को कोलकाता में सद्भावना रैली करेंगी। गौरतलब है कि अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 22 जनवरी को ही आयोजित किया जा रहा है। उसी दिन, पश्चिम बंगाल में सद्भावना रैली की जाएगी। टीएमसी की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह कालीघाट मंदिर में देवी काली की पूजा करने के बाद दक्षिण कोलकाता के हाजरा क्रॉसिंग से सद्भाव रैली शुरू करेंगी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 22 जनवरी को मैं कालीघाट मंदिर जाऊंगी, वहां पूजा करूंगी। जिसके बाद सभी धर्मों के लोगों के साथ एक सद्भावना रैली में शामिल होऊंगी। राज्य सचिवालय ने कहा कि इस कार्यक्रम का किसी अन्य कार्यक्रमों से कोई लेना-देना नहीं हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पार्टी के कार्यकर्ताओं से राज्य के सभी जिलों में रैली आयोजित करने को कहा है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर बोलते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि यह पुजारियों का काम है, न कि राजनेताओं का। हमारा काम राज्य को आधारभूत सुविधाओं से सुदृढ़ करना है। वहीं राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज तीसरा दिन है। मंगलवार की सुबह यात्रा नगालैंड की राजधानी कोहिमा के विसवेमा इलाके से शुरू हुई। सुबह राहुल गांधी ने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और बाद में कोहिमा से अपनी यात्रा आगे बढ़ाई। राहुल गांधी ने एक अन्य कार्यक्रम में कहा %बीते साल हमने भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक की थी और देश के लोगों, विभिन्न संस्कृतियों, विभिन्न धर्मों और अलग-अलग भाषाई लोगों को साथ लाने की कोशिश की थी। तभी हमें पूर्व से पश्चिम की यात्रा करने का भी विचार आया था।

आदिवासी विधायकों ने गृह मंत्री निलंबित अधिकारियों को बहाल करने का किया अनुरोध

इंफाल। मणिपुर के दस आदिवासी विधायकों ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह को एक चिट्ठी लिखी। उन्होंने गृह मंत्री से उन अधिकारियों को सेवाओं में बहाल करने का अनुरोध किया, जिन्हें स्कूलों को सीबीएसई संबद्धता प्राप्त करने में मदद करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। इनमें चुराचांदपुर और कांगपोकपी जिलों के 26 स्कूल शामिल थे। अपनी चिट्ठी में आदिवासी विधायकों ने अमित शाह से राज्य सरकार को तीनों अधिकारियों के निलंबन को खारिज करने के निर्देश जारी करने की अपील की है। इन सभी विधायकों में सात भाजपा के हैं। उन्होंने दावा किया कि मणिपुर में जतीय हिंसा के बाद सीबीएसई संबद्धता प्राप्त करने के लिए 26 स्कूलों को अनापत्ति प्रमाण (एनओसी) पत्र जारी करने के लिए राज्य शिक्षा विभाग के कुकी-जोमी अधिकारियों को राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया था।

अयोध्या के श्रीराम मंदिर से पांच गुना बड़ा बनेगा चंपारन का रामायण मंदिर

एजेंसी

मोतिहारी। अयोध्या के श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने वाली है। इधर, उससे पांच गुना बड़े आकार का राम मंदिर बिहार के पूर्वी चंपारण में तैयार हो रहा है। इस मंदिर में 108 फीट ऊंचे पांच शिखर होंगे। कवर के अंदर तेजी से निर्माण चल रहा है। दुनिया का सबसे बड़ा राम मंदिर बिहार के चंपारण में बन रहा है। यह मंदिर अयोध्या में बन रहे श्रीराम मंदिर से पांच गुना बड़ा होगा। इसका नाम विराट रामायण मंदिर है। 2025 के आखिरी माह तक यह मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। इतना ही नहीं इसी विराट रामायण मंदिर में दुनिया के सबसे बड़े शिवलिंग का भी निर्माण हो रहा। मंदिर निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) के कैथवलिया में बनने वाले विराट रामायण मंदिर की शुरुआत वर्ष 2012 में हुई थी। यह पटना के महावीर मंदिर की महत्वाकांक्षी परियोजना है। जब भूमि पूजन की गई थी, उस वक्त के

भाजपा विधायक सचिंद्र सिंह ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था, लेकिन जब पॉलिटिकल प्रभाव के कारण मंदिर के कार्य में व्यवधान उत्पन्न होने लगा तो पूर्वी आईपीएस अधिकारी और महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव आचार्य किशोर कुणाल ने राजनीत से दूर रहते हुए कार्य की आगे बढ़ाया।

यह मंदिर सवा सौ एकड़ जमीन में फैला हुआ। मंदिर का क्षेत्रफल 3.67 लाख वर्गफुट होगा। सबसे ऊंचा शिखर 270 फीट का होगा। 198 फीट का एक शिखर होगा। जबकि 180 फीट के चार शिखर रहेंगे। 135 फीट का एक शिखर और 108 फीट ऊंचाई के 5 शिखर होंगे। विराट रामायण मंदिर की लंबाई 1080 फीट और चौड़ाई 540 फीट है। जब मंदिर पूरी तरह तैयार हो जाएगा तो अयोध्या से जनकपुर की ओर जाते वक्त इसका दृश्य दिखाई देगा।

दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग 2025 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसका निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इसकी खासियत है कि यह शिवलिंग सहस्त्र शिवलिंग होगा। इसमें हजार शिवलिंग की आकृति होगी। 1500 साल बाद ऐसे सहस्त्र शिवलिंग का निर्माण करवाया जा रहा है। इसके पहले 800 ई. में सहस्त्र शिवलिंग का निर्माण किया गया था। काले ग्रेनाइट से बनने वाले इस शिवलिंग पर तीन मंजिला मंदिर के ऊपर तल से जलाभिषेक होगा। इस शिवलिंग का वजन 210 टन होगा। जबकि इसकी ऊंचाई 33 फीट और गोलाई 33 भी होगी। श्रद्धालु 33 फीट की ऊंचाई से सीधा महादेव को जल अर्पित कर पाएंगे।

घने कोहरे के कारण उड़ानों में देरी

सोशल मीडिया पर भड़ास निकाल रहे यात्री

एजेंसी

कोझीकोड (केरल)। घने कोहरे के कारण कई उड़ानों में देरी चल रही हैं। जिसके कारण लोग सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं और तस्वीर व वीडियो साझा कर रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएस) ने इंडिगो और मुंबई के हवाई अड्डा संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वहीं, विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी इस मामले पर चर्चा के लिए मंत्रालय के सभी अधिकारियों के साथ बैठक की है। एक यात्री ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि कोझीकोड से घने कोहरे के बीच दिल्ली जाने वाली मेरी उड़ान में तीन बार देरी हुई। विमान ने 12.35 पर उड़ान भरी और फिर कम दृश्यता के कारण उतरने से पहले राष्ट्रीय राजधानी के ऊपर करीब दो घंटे तक चक्कर लगाया। यात्री ने कहा, में सोमवार सुबह करीब छह बजे घर पहुंचा। सैकड़ों यात्री देशभर के हवाई अड्डों पर फंसे हुए थे। इनमें बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल थे। उड़ानों में तेरह घंटे तक की देरी हुई। उनका मार्ग बदल दिया गया या उनको रद्द कर दिया गया। उन्होंने कहा, उत्तर भारत, खासतौर पर दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में घना कोहरा छाया हुआ है। विमानों के उड़ान भरने में अनिश्चितता है। यह हर सर्दियों की कहानी है। यात्री ने बताया, इंडिगो की उड़ान 6श्च 5912 में तीन घंटे की देरी हुई। एयलाइन ने देरी की सूचना दी। विमान में तुर्की के राजदूत फिर सुनेल, इतिहाकार विलियम डेलरिम्पल और लेखिका शोभा थरूर सहित कई दिग्गज यात्रा कर रहे थे। हम सभी केरल साहित महोत्व से लौट रहे थे। घने कोहरे के कारण कम दृश्यता की वजह से उत्तर भारत में विमानों का परिचालन प्रभावित हुआ है। इसके चलते मंगलवार को कई अन्य राज्यों से भी उड़ानें बाधित हुईं। सोमवार की सुबह अकेले दिल्ली हवाई अड्डे पर 168 उड़ानों में देरी हुई और करीब सौ को रद्द कर दिया गया। सोशल मीडिया पर विमानन कंपनियों, हवाई अड्डों के खिलाफ गुस्सा फूट पड़ा।

22 जनवरी को राम मंदिर में समारोह मोदी का कार्यक्रम: राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज तीसरा दिन है। मंगलवार की सुबह यात्रा नगालैंड की राजधानी कोहिमा के विसवेमा इलाके से शुरू हुई। राहुल गांधी सोमवार की शाम नगालैंड पहुंचे थे। सुबह राहुल गांधी ने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और मुलाकात के बाद कोहिमा से अपनी यात्रा आगे बढ़ाई। कोहिमा से यात्रा शुरू होने से पहले मीडिया से बातचीत में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि यह नेशनल हाइवे 29 है और आप इसकी हालत देख सकते हैं। प्रधानमंत्री और नितिन गडकरी बहुत कुछ बोलते हैं, लेकिन इस सड़क में सिर्फ गड्ढे हैं और यह नेशनल हाइवे है। राहुल गांधी दोपहर एक बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी मंगलवार को नगालैंड की राजधानी कोहिमा में स्थित युद्ध स्मारक पहुंचे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी सेना को खदेड़ने वाले सहयोगी देशों के सैनिकों की याद में

यह स्मारक बना है। यहां कई सैनिकों का अंतिम संस्कार हुआ था। कोहिमा में राहुल गांधी ने लोगों के जनसमूह को संबोधित भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि %अगर आप एक छोटे राज्य से हैं तो भी आपके पास देश के अन्य राज्यों जितने ही अधिकार हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा का विचार यही है।

राहुल गांधी ने एक अन्य कार्यक्रम में कहा बीते साल हमने भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक की थी और देश के लोगों, विभिन्न संस्कृतियों, विभिन्न धर्मों और अलग-अलग भाषाई लोगों को साथ लाने की कोशिश की थी। तभी हमें पूर्व से पश्चिम की यात्रा करने का भी विचार आया था।राहुल गांधी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर कहा आरएसएस और भाजपा ने 22 जनवरी के कार्यक्रम को पूरी तरह से राजनीतिक नरेंद्र मोदी कार्यक्रम बना दिया है। यह आरएसएस और भाजपा का कार्यक्रम है और मुझे लगता है कि इसी वजह से कांग्रेस अध्यक्ष इस कार्यक्रम में नहीं जा रहे हैं। हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। यहां तक की हिंदू धर्म के सबसे बड़े गुरुओं ने भी अपने विचार सार्वजनिक किए हैं और कहा है कि 22 जनवरी का कार्यक्रम राजनीतिक कार्यक्रम है। ऐसे में हमारा ऐसे कार्यक्रम में जाना मुश्किल है, जिसे प्रधानमंत्री और आरएसएस के इर्द-गिर्द बनाया गया है।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के लिए अनुष्ठान शुरू

❖ काशी के पंडितों ने सरयू में स्नान कर शुरू की पूजा।

एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए अनुष्ठान का शुभारंभ हो गया है। इसके लिए काशी के पंडितों ने पहले सरयू में स्नान किया और फिर अनुष्ठान स्थल पहुंच गए। अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अनुष्ठान प्रारंभ हो गया है। अनुष्ठान का आयोजन नगर के विवेक सृष्टि आश्रम में किया जा रहा है। इसके लिए सरयू में स्नान के बाद काशी के विद्वान पूजन सामग्री के साथ अनुष्ठान स्थल पर पहुंचे और पूजा विधि शुरू कर दी। कार्यक्रम के मुख्य यजमान डॉ. अनिल मिश्रा और प्रतिमा बनाने वाले अरुण योगीराज भी वहां मौजूद हैं। आज प्रायश्चित और कर्म कुटी पूजन किया जाएगा। अनुष्ठान का कार्यक्रम 21 जनवरी तक चलेगा। रामलला की प्रतिमा 18 जनवरी को गर्भगृह में निर्धारित आसन पर स्थापित कर दी जाएगी। पिछले 70 वर्षों से पूजित वर्तमान प्रतिमा को भी नए मंदिर के गर्भगृह में ही रखा जाएगा। जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा समारोह का पूरा ब्योरा सार्वजनिक किया था। उन्होंने कहा था कि 2 जनवरी को न्यूनतम विधियों की जरूरत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में दिन के 12:20 बजे प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य अनुष्ठान आरंभ होगा। यह पूजा करीब 40 मिनट तक चलेगी। इसके बाद करीब 75 मिनट पीएम मोदी, सीएम योगी, संघ प्रमुख मोहन भागवत संदेश देंगे। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास आशीर्वाद देंगे।

हरे पेड़ों की हो रही अंधाधुंध कटाई, अधिकारी नहीं कर रहे कोई कार्रवाई

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। वन विभाग की लापरवाही के चलते क्षेत्र में धड़ल्ले से हरे पेड़ों की कटाई की जा रही है। इसके बाद भी विभाग वन माफियाओं पर शिकंजा नहीं कस पा रहा है,या इस तरफ अनदेखी कर रहा है। हर वर्ष शासन हरियाली को बढ़ावा देने के लिए पौधरोपण अभियान चलाता है। इस पर शासन द्वारा करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं. जबकि उसकी सुरक्षा को लेकर संबंधित विभाग ही लापरवाही बरतते हैं। इस समय तहसील क्षेत्र में फलदार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। इससे पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। पेड़ काटने वालों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होने के कारण इस पर प्रतिबंध नहीं लग पा रहा है। वन माफियाओं पर रोकथाम नहीं होने के कारण जहां कभी घना जंगल हुआ करता था, वहां पर अब ठूंठ ही नजर आते हैं।

सैदापुर में हुआ अवैध कटान

मिली जानकारी अनुसार माल थाना क्षेत्र की सैदापुर चौकी के अंतर्गत आम्रपाली हॉस्पिटल के सामने दर्जनों पेड़ों पर वन माफियाओं ने आरा चलाकर धराशाही कर दिया। अब देखना यह दिलचस्प होगा कि खबर चलने के बाद वन विभाग करेगा कार्यवाही यह सिर्फ कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति होगी सिर्फ। इस संबंध में वन रेंजर आलोक तिवारी ने बताया कि सूचना मिली है मौके टीम भेज कर मामले की जांच कराई जा रही है।

भाजपा सरकार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी रोकने में विफलः अखिलेश यादव

द अचीवर टाइम्स अखिलेश दास

बाराबंकी। पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जगह जगह कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा की सरकार ने जनता से किए गए पहले के वायदो को पूरा नहीं किया। भाजपा सरकार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी रोकने में विफल है। किसानों की आय दुगनी नहीं हुई। जनता भाजपा से दुःखी है। सीमा पर जवान शहीद हो रहे हैं। सीमाएं असुरक्षित हैं। ऐसी भाजपा सरकार को जनता 2024 के लोकसभा चुनाव में जरूर हटा देगी। मंगलवार को बाराबंकी में पूर्व विधायक अशर्फी लाल यादव जी की प्रतिमा के अनावरण के बाद मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की दस साल की सरकार में एक लाख से ज्यादा किसान आत्महत्या कर चुके हैं। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। लोकसभा के चुनाव में समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन को मजबूत कर रही है। इंडिया गठबंधन भाजपा को हरायेगा। उन्होंने कहा कि पीडीए हमारे साथ है। भाजपा सरकार पीडीए के खिलाफ है। पीडीए के साथ अन्याय हो रहा है। समाजवादी पार्टी का पीडीए एकजुट होकर भाजपा को हराएगा। इससे पहले आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में गरीबों के साथ अन्याय हो रहा है। किसानों को बर्बाद कर दिया। भाजपा अब विकसित भारत बनाने का झूठा सपना दिखा रही है। किसान, नौजवान परेशान है। भाजपा ने दस साल की सरकार में जनता को क्या दिया? क्या सिर्फ सपना दिखाने से देश विकसित हो जाएगा। भाजपा सरकार ने तमाम सरकारी संस्थानों को बेच दिया। निवेश के नाम पर विज्ञापन दिए गए लेकिन निवेश नहीं आया। बड़े पैमाने पर नौजवान बेरोजगार है। गांवों में 80 से 90 फीसदी नौजवान बेरोजगार है। जो काम करना चाहता है उसके पास नौकरी और काम नहीं है। भाजपा पिछड़े, दलितों के साथ साजिश कर जानबूझ कर अग्निवीर भर्ती लायी। फौज में गरीब किसान के बेटे जाते हैं। भाजपा ने उनकी नौकरी आधी अधूरी कर दी। समाजवादी सरकार आएगी तो अग्निवीर योजना खत्म कर नौजवानों को पहले की तरह सेना की पूरी नौकरी दी जाएगी। भाजपा सरकार किसान और नौजवानों को धोखा दे रही है। खाद की बोरी से पांच-पांच किलो करके दस किलो खाद कम कर दी। भाजपा ने एम्बुलेंस सेवा, डायल 100 पुलिस सेवा को बर्बाद कर दिया। जिला अस्पतालों में इलाज नहीं मिल रहा है। न दवाई है, न सुविधाएं है। गरीब आदमी मजबूरी में प्राइवेट में इलाज के लिए जाता है और खेत, जमीन बेचने पर मजबूर हो जाता है। पूरे प्रदेश में हर जगह सड़कों पर सांड दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री जी ने सांड की समस्या हल करने का वादा किया था लेकिन दो साल हो गये समस्या हल नहीं हुई। छुट्टा जानवरों से हर दिन प्रदेश में लोगों की जान जा रही है। किसानों को खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है। रात-रात भर जागना पड़ता है। डीजल, पेट्रोल के दाम बढ़ते गए। भाजपा सरकार महंगाई बढ़ाती जा रही है। अखिलेश यादव ने आज बाराबंकी में बदोसराय में पूर्व विधायक स्व0 अशर्फी लाल यादव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ दुर्गापुरी, सिविल लाइन में एसपी सिंह एडवोकेट के आवास पर जाकर उनके परिवार से भेंट की। सफेदाबाद मेन चौराहा पर अखिलेश यादव ने सोनू यादव के प्रतिष्ठान पर कुछ समय बिताया और चाय पीकर लखनऊ के लिए रवाना हुए।

एक नज़र

हरिद्वार से शक्ति कलश लेकर आये कार्यकर्ताओं का हुआ भव्य स्वागत

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला

रामनगर बाराबंकी। शांतिकुंज हरिद्वार से शक्ति कलश लेकर आए 50 कार्यकर्ताओं के दल का राजमार्ग के शुक्ला ढाबा पर गणेशपुर गायत्री परिवार द्वारा भव्य स्वागत सम्मान किया गया।इस दौरान शक्ति कलश रथ पर पुष्पवर्षा कर कलश की पूजा अर्चना की गई अगले क्रम में सभी कार्यकर्ताओं का माल्यार्पण व तिलक कर अभिनंदन किया गया। विश्राम जलपान के बाद गुरुभक्तों की टोली ने शक्ति कलश रथ के साथ पड़ोसी जनपद बहराइच की ओर प्रस्थान किया।वहीं गायत्री परिवार गणेशपुर की टोली में वरिष्ठ कार्यकर्ता अवधेश कुमार शुक्ला सुरेश शुक्ला व अशोक अवस्थी की अगुवाई में बीना शुक्ला व लक्ष्मी शुक्ला सहित संगठन की अन्य तमाम महिलाएं व पुरुष कार्यकर्ता शामिल रहे।

रामनगर में हुआ राष्ट्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला

रामनगर बाराबंकी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बदोसरायं जाते समय रामनगर के पार्टी कार्यालय पहुंचने पर सपा नेता भूपेंद्र सिंह बबलू व पूर्व प्रमुख राजन सिंह की अगुवाई में सपा कार्यकर्ताओं द्वारा भारी नारेबाजी के बीच बुके देकर व माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया।अगले क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री ने वरिष्ट समाजवादी नेता स्वर्गीय जयसिंह यादव के घर पर पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।इस मौके पर अखिलेश यादव के काफिले के साथ विधानसभा अध्यक्ष अवधेश यादव व जयसिंह के परिजनों सहित हजारों उत्साही सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।वहीं रामनगर कोतवाली के पास मिर्जा उमर बेग केडी खान बी डी खान महमूद सिद्दीकी आदि ने व नूरी मस्जिद के पास इरशाद मंसूरी मोहम्मद कलीम रइस मंसूरी व मोहम्मद कैस ने कार्यकर्ताओं के साथ बुके भेंट कर जोरदार स्वागत किया।इससे पूर्व रानी बाजार चौराहे पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनोद रावत व राजेंद्र यादव पूर्व प्रधान संजय वर्मा देशराज ने सपा कार्यकर्ताओं के साथ अखिलेश यादव को माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से बुद्धेश्वर विकास महासभा का प्रतिनिधि मंडल मिलकर दिया मांग पत्र

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया

काकोरी। पारा बुद्धेश्वर विकास महासभा का प्रतिनिधि मंडल आज दिनांक 16 जनवरी को माननीय राजनाथ सिंह जी रक्षा मंत्री लखनऊ सांसद जी के सरकारी आवास पर मुलाकात किया जिसमे प्रमुख तीन मांगो का ज्ञापन देकर अनुरोध किया। 1 सर्व प्रथम आलम नगर स्टेशन का नाम बदलकर बुद्धेश्वर धाम स्टेशन किया जाय । 2 हैदरगंज वार्ड का नाम बदलकर बुद्धेश्वर वार्ड किया जाय। 3 बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में चल रहे विकास कार्य को संपूर्ण कराया जाय मंदिर गेट के ठीक सामने पुल के नीचे पार्किंग बनाई जाए। इन तीन प्रमुख मांगो के साथ संरक्षक रामशंकर राजपूत ,अजय त्रिपाठी मुन्ना जी ,तारा चंद्र रावत ,राजेश शुक्ला अध्यक्ष बुद्धेश्वर विकास महासभा राकेश मोहन मिश्रा मुलाकात करके मांग पत्र माननीय रक्षामंत्री जी को दिया।

सपा की बूथ विस्तार समीक्षा बैठक संपन्न

द अचीवर टाइम्स/प्रभात तिवारी

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों की समीक्षा को लेकर आज जोनवार बैठकों के अन्तर्गत विधानसभा मलिहाबाद के जोन गहदो में जिलाध्यक्ष जयसिंह 'जयन्त' एवं निवर्तमान जिला महासचिव शब्बीर अहमद खान की उपस्थिति में बूथों की समीक्षा की गयी। बैठक में विधानसभा मलिहाबाद के नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्ष सोनीश मौर्या का स्वागत किया गया। बैठक की अध्यक्षता अवधेश सिंह एवं संचालन विधानसभा अध्यक्ष सोनीश मौर्या ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ नेता टी0बी0 सिंह मौजूद रहे। बैठक में जोन गहदो के सेक्टरों में आने वाले बूथों को मजबूत करने के लिए पार्टी की नीतियों एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कहा गया। बैठक में विधानसभा मलिहाबाद के वरिष्ठ नेता, सेक्टर प्रभारियों के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष सी0एल0 वर्मा, पूर्व विधानसभा प्रत्याषी सुरेन्द्र कुमार उर्फ सोनू कनौजिया, राजबाला रावत, जोन प्रभारी जीत बहादुर उर्फ जीतू, पन्ना लाल रावत, मोईन खान, उदय प्रताप सिंह, नौषाद अली, अभिराज सिंह, आयुष कुमार, चन्दन राठौर, सुरेश कुमार रावत, अनिल यादव, परमेष्वर रावत, सुरेश यादव, मथुरा यादव, भास्कर सिंह, दयाराम मौर्या, मनीष यादव, मनोज यादव, मुकेश रावत, सर्वजीत रावत, शिवम यादव 'गोलू', सोनी रावत के साथ सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जय श्री राम के जयकारो व वैदिक मन्त्रोंच्चार के साथ कलश यात्रा सम्पन्न हुई

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उन्नाव। सिकंदरपुर सरोसी ब्लाक क्षेत्र के सुतियातारा चौराहे के पास श्रीराम कथा व यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कथा के पहले दिन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश यात्रा निकाली गई भक्तों ने हर्षोल्लास के साथ जय श्रीराम के जयकारों के साथ यात्रा निकाली। इस मौके पर कथा व्यास आयोजक सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे । श्री राम जन्मभूमि मंदिर में राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर ब्लाक क्षेत्र के सुतियातारा पांडेय प्रेट्रोल पम्प के पास श्री राम कथा व यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कथा के पहले दिन अनंत श्री विभूति कनिष्ठ जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी (श्री आत्मानंद सरस्वती जी) महाराज के तत्वाधान में कलश यात्रा का आयोजन किया गया। आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार से कलस पूजन कराया। भक्तों ने अपने कलश सर पर रखकर यात्रा कार्यक्रम स्थल से हाफिजाबाद, निकट पांडे पेट्रोल पंप, सूतियातारा चौराहा, पाण्डेय गेस्ट हाउस से शिवमंदिर मंदिर से कथा स्थल पर समापन कर कलश स्थापना किया गया। यात्रा में श्रद्धालुओं के द्वारा जय श्रीराम के जय कारों से वातावरण भक्ति मय हो गया। इस मौके पर आयोजक कमलेश कुमार पांडेय, राहुल पांडेय, सुधांशु पांडेय, मनीष पांडेय, सहयोगी विजय त्रिपाठी, प्रखर त्रिपाठी, अरुण विश्वकर्मा, अमन शुक्ला, पार्थ त्रिपाठी,अभिषेक त्रिपाठी,अमित सिंह, अधिकार, मोनू अवस्थी, विघ्नेश दीपू सोनी सहित आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

800 मंदिरों पर भजन, कीर्तन, सुंदरकांड और रामायण का होगा पाठ

द अचीवर टाइम्स अखिलेश दास

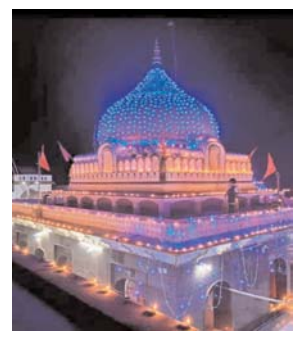

बाराबंकी। अयोध्या में होने वाली भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मंदिरों में भजन, कीर्तन, सुंदरकांड और रामायण का पाठ कराने के निर्देश शासन स्तर से जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने इसको लेकर सोमवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए हैं।डीएम ने बताया कि वैसे तो जिले के 800 मंदिरों में भजन-कीर्तन आदि के कार्यक्रम होंगे, परंतु जिले के 30 मंदिरों पर मंगलवार से 22 जनवरी तक यह कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। इसके लिए इन मंदिरों पर कार्यक्रम कराने के लिए 50-50 हजार रुपये की राशि भी अवमुक्त कर दी गई है। डीएम ने बताया कि इन मंदिरों पर कार्यक्रम कराने का जिम्मा बीडीओ, नगर पंचायत के ईओ को सौंपा गया। कार्यक्रम की निगरानी के लिए एडीएम अरुण कुमार सिंह को नोडल और पीडी मनीष कुमार को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।

इनप्राचीनमंदिरोंपरहोंगेकार्यक्रम

श्रीलोधेश्वर महादेव मंदिर लोधौरा, बाबा जगजीवन दास मंदिर कोटवाधाम, कुंतेश्वर महादेव मंदिर किंतूर, श्रीनागेश्वरनाथ मंदिर पीरबटावन, अवसानेश्वर महादेव मंदिर रौनी, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर सिद्धौर, श्रीमथेश्वर महादेव मंदिर खसपरिया, किलेश्वर महादेव मंदिर मित्तई का पुरवा, बुढ़वा बाबा मंदिर बनीकोडर, जोगिनी माता मंदिर शिवनाम, बाबा भैरवनाथ मंदिर मऊ, श्रीपरमेश्वर दीन महादेव मंदिर नंदपुर निंदूरा, शिव मंदिर धन्नाग तीर्थ खुज्जी में कार्यक्रम होंगे। इसी तरह प्रभु प्रसन्नाथ महादेव मंदिर भगौली तीर्थ, बाबा रामसनेही मंदिर मालिनपुर, श्री शिवजी महराज व हनुमान जी महराज मंदिर धनोखर, श्रीदुर्गा मंदिर बीबीपुर, श्रीबाला जी मंदिर कुडवा बल्लेपुर, कटेहरा देवी मंदिर अमरा कटेहरा में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा ज्वाला देवी मंदिर अंबौर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर मामापुर, रामजानकी मंदिर सआदतगंज, हनुमान कुटी मंदिर रानीमऊ, गुरसेल देवी मंदिर गुरसेल, शिवमंदिर जरमापुर, ग्राम देवता भुइहारे बाबा मंदिर, संकटमोचन हनुमान मंदिर घोसियाना वार्ड, हनुमान मंदिर जवाहर नगर वार्ड, कायस्थाना प्रथम बड़ा शिवाला मंदिर सतरिख, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर धमेडी-1 को चिह्नित किया गया है।

पंजाबी यूथ ब्रिगेड ने प्रसाद के रूप में गुरु का लंगर किया वितरित

द अचीवर टाइम्स चेतन

हापुड़। गुरु गोविन्द सिंह महाराज के प्रकाशपर्व पर मेरठ तीरहा गुरुद्वारा श्री गुरु नानक दरबार से तहसील चौपला से फ्रीगंज रोड, रेलवे रोड से अतरपुरा चौपाल व पक्के बाग से वापस होते हुए नगर में कीर्तन आयोजन कर ढोले निकाले गये। जहां समस्त शहरवासियों ने बढ़ चढ़कर कीर्तन में हिस्सा लिया तो वही पंजाबी यूथ ब्रिगेड टीम के नेतृत्व में एसजेएस ग्रांड फ़रीगंज रोड कचहरी क्षेत्र सामने प्रसाद रूपी गुरु का लंगर वितरण किया गया और सभी क्षेत्रवासियों को पंजाबी यूथ ब्रिगेड की तरफ से गुरु गोविन्द सिंह महाराज के प्रकाशपर्व की शुभकामनाएं दी और गुरु के लंगर का वितरित किया। इस अवसर पर भाकियू युवा प्रदेश उपाध्यक्ष व पंजाबी यूथ ब्रिगेड अध्यक्ष एकलव्य सिंह सहारा, हरजीत सिंह खालसा टेलर, अमरदीप सिंह कलैर, कशिश अरोड़ा, यशु ढिंगरा, हार्दिक ढिंगरा, प्रभदीप सिंह, भानु सिद्धू, पारस तरीक़ा, अगम सिंह आदि उपास्थि रहे।

पार्षद ने अवैध खनन के खिलाफ उठाई आवाज तालाबों में हो रहा अवैध खनन

- नगर आयुक्त को पत्र लिख कर कार्यवाही की मांग की, कहा कई बच्चो की हो चुकी है तालाबों में डूबकर मौत।
- कल्याण सिंह वार्ड में रोज रात्रि में तालाबों से हो रहा है अवैध खनन।

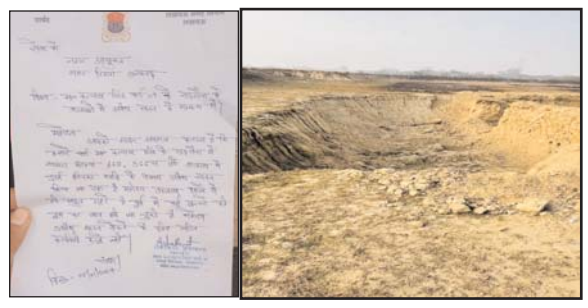

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया

काकोरी। पारा क्षेत्र में रात्रि के समय रोज खनन माफिया सरकारी तालाबों को खोद कर अपनी जेबों को भरने में लगे हुए है। वही इन तालाबों में डूबकर कई बच्चो की मौत भी हो चुकी है। लेकिन उसके बावजूद भी प्रशासन किसी तरह की कोई कार्यवाही नहीं कर रहा जिससे खनन माफियाओं के हौसले सातवे आसमान पर है। रोज रात्रि में जेसीबी डंफर लगाकर बड़ी संख्या खनन माफिया सरकारी तालाबों को खोदकर उनको गहरा करने में लगे हुए है। जबकि नगर निगम में आने के उपरांत अवैध खनन नही होना चाहिए, वही स्थानीय पुलिस के सहयोग से रोज रात्रि में सरकारी तालाबों में अवैध खनन किया जा रहा है। जिसके बाद नगर निगम के तालाबों में हो रहे अवैध खनन को लेकर कल्याण सिंह वार्ड से पार्षद आशा रावत ने नगर आयुक्त को एक शिकायती पत्र लिख कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पार्षद आशा रावत ने बताया कि उनके वार्ड के सदरौना गांव के पास जो भी सरकारी तालाब है। उन सभी तालाबों में रात्रि के समय कुछ लोग अवैध खनन कर रहे है। इस अवैध खनन के कारण ही कुछ दिनों पहले कई बच्चो की डूबकर मौत भी हो चुकी है। लेकिन उसके बावजूद खनन माफिया क्षेत्रीय पुलिस प्रशासन की सरपरस्ती में अवैध खनन करते हुए चले जा रहे है।

राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक का हापुड़ आगमन पर कार्यकताओं ने किया स्वागत

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। भारतीय श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव का हापुड़ कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया एवम संगठन विस्तार हेतु चर्चा की। प्रदेश मंत्री सन्नी शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया साथ ही उन्होंने बताया कि हम संगठन के माध्यम से राज्य सरकार एवम केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही सभी सुविधाओं को जन जन तक पहुंचाने कार्य करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन शारीफ अली, अरुण कुमार, टीटू कुमार, राहुल गोस्वामी, शिवम कुमार, शिवा राठौर, राहुल कुमार व रवि आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपजिलाधिकारी ने रैन बसेरा व गौशाला का किया निरीक्षण

द अचीवर टाइम्स अखिलेश दास

सिरौलीगौसपुर। एस डी एम ने सिरौलीगौसपुर के रैन बसेरा का निरीक्षण किया एंव राजस्व कर्मियों को आवाश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। मंगलवार को ठंण्ड से राहगीरों को बचाने के लिए एसडीएम सिरौलीगौसपुर आर जगत सांई ने रैन बसेरा सिरौलीगौसपुर का निरीक्षण किया एंव राजस्व कर्मियों को आवाश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। एस डी एम ने बताया है कि गौशाला में अलाव जलवाने के निर्देश प्रवन्धकों को दिये गये हैं। वहीं चिन्हित स्थानों पर राजस्व कर्मी बराबर अलाव जलवा रहें हैं। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी आर जगत सांई ने बरोलिया स्थित गौशाला का भी निरीक्षण किया एंव गौशाला प्रवन्धक को आवाश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। उपजिलाधिकारी ने पशुओं को हरा चारा पोषाहार के साथ साथ गोवंशों को सर्दी से बचाने के लिए ग्राम प्रधान जयप्रकाश वर्मा को अलाव जलवाने के निर्देश दिए। इस मौके पर लेखपाल शुभेन्द्र अवस्थी आदि मौजूद रहे।

भाकियू ने एसडीएम को सौंपा सात सूत्रीय ज्ञापन

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला

रामनगर बाराबंकी। भारतीय किसान यूनियन भदौरिया गुट के जिलाध्यक्ष रविन्द्र सिंह ने उपजिलाधिकारी नागेंद्र पांडे को जनहित में सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। दिए गए ज्ञापन में हाट बाजार लकडमंडी से बड़े शिवाला तक बन रहे अर्धनिर्मित नाले के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करवाने को कहा गया ताकि कोई दुर्घटना न हो।रविदास स्वयं सहायता समूह कांप फतेहुल्लाहपुर की सदस्यों को लाभ नहीं मिल रहा है इसकी जांच की मांग की गई साथ ही इसी ग्राम में मनरेगा कार्यों में हो रहे भ्रष्टाचार के जांच की मांग की।जुड़ौरा ग्राम में शंकर जी के मंदिर से ब्रम्हचारी बाबा के स्थान तक नाली निर्माण कराया जाए।राष्ट्रीय राजमार्ग पर अधिक सवारियां भर कर चल रहे ऑटो वालों पर रोक लगाई जाए ताकि दुर्घटना में कमी हो।विद्युत विभाग द्वारा पूर्व में सभी बिंदुओं के निस्तारण की बात कही गई थी जोकि नही हो पाया है।विद्युत विभाग के अपर अभियंता मसौली लालजी सिंह द्वारा बिना स्टीमेट बनाए ग्राम परसा में लाइन सिफ्ट किए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है।इस मौके पर सुनील सिंह सहित संगठन के अन्य कार्यकता मौजूद रहें।

लाइफ स्टाइल रेजिडेंसी मोहान रोड जमीन में फर्जीवाड़ा

- पूर्व उप जिलाधिकारी व तहसीलदार की भूमिका पर भी उठे थे सवाल।
- उच्चाधिकारियों तक नहीं पहुंच पाती वास्तविक जानकारी।
- रियल एस्टेट के काले कारोबार में कई सफेदपोश भी शामिल।

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया

काकोरी। राजधानी के सरोजनीनगर तहसील क्षेत्र के काकोरी ब्लॉक अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत शिवरी,पानखेड़ा में सरकारी जमीनों में प्लाटिंग करने की होड़ में कई सरगनाओं के नाम सामने आने लगे हैं। तहसील प्रशासन से लेकर राजनैतिक रसूखदार लोगों द्वारा भी रियल एस्टेट के अवैध कारोबार में खूब जमकर निवेश किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लाइफ स्टाइल रेजिडेंसी के डायरेक्टर रोहित अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, व अरफातउल्ला अंसारी ने पानखेड़ा निवासी रामगुलाम का आरोप है कि उनकी जमीन एक बीघा 18 विश्वा जबरदस्ती कब्जा करके चार लाख रुपए में बेंच दिया है। हैरान कर देने वाली बात तो यह है जब राम गुलाम ने बताया हमारे भाई राम दीन जिनकी मृत्यु हो गई है उनको एक पैसा भी नहीं दिया और उनकी जमीन जबरदस्ती कब्जा कर ली गई है। काकोरी ब्लाक के पान खेड़ा में हुई ग्राम समाज की जमीन के आवंटन व विनिमय के खेल में तत्कालीन उप जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह व तत्कालीन तहसीलदार उमेश सिंह की भूमिका पर भी सवाल उठ चुके हैं। जबकि इस मामले को लेकर कई बार ग्रामीणों द्वारा शिकायत भी की जा चुकी है। सूत्रों के मुताबिक बहुत ही प्राचीन मंदिर मोहान रोड पर हनुमान जी का था जो की कीमती जमीन होने के कारण लाइफ स्टाइल रेजिडेंसी के डायरेक्टर के इसारे पर अरफातउल्ला अंसारी जो कि लखनऊ के थाना खाला बाजार के रहने वाले हैं पानखेड़ा ग्रामीणो ने बताया जेसीबी लगाकर मंदिर को तुड़वा दिया जिसकी काकोरी थाना में एफआईआर भी की गई थी लेकिन बड़े रसूखदारों के चलते आज भी काकोरी थाना के द्वारा आरोपियों पर कोई भी कार्यवाही नहीं हो पाई और वर्तमान में मंदिर आज भी ऐसे ही टूटा पड़ा हुआ है। इन लोगों के द्वारा जानकारों की माने तो लगभग 5 बीघा से ज्यादा भूमि का रकबा ग्राम समाज का प्रॉपर्टी डीलर द्वारा बेचा जा चुका है। उच्च पदों पर कार्यरत कुछ पूर्व अधिकारियों से इस संबंध में बात की गई जिसपर यह बात भी सामने आई कि क्षेत्र में काम करने वाले निम्न कर्मचारियो द्वारा मामला दबाए जाने के कारण उच्च अधिकारियों तक वास्तविक जानकारी नहीं पहुंच पाती, जिसका खामियाजा शासन की सख्ती के बात उच्च अधिकारियों को ही झेलना पड़ता है। सूत्रों की मानें तो लखनऊ शहर में हो रहे रियल एस्टेट के काले कारोबार में व्यापारी ही नहीं बल्कि सफेदपोश भी बड़े पैमाने पर हिस्सेदारी लिए बैठे हैं। सरोजनीनगर, मोहनलालगंज व बख्शी का तालाब तहसील में सफेदपोशों द्वारा जमकर इन्वेस्ट किया गया है। आज समाचार पत्र उन तमाम सफेदपोशों का पर्दाफाश करेगा जिन्होंने गरीब मजदूरों व किसानों के अधिकारों को कुचल कर अपना काला साम्राज्य स्थापित किया है। जमीनों में जमकर बंदरबांट हुई। सूत्रों की मानें तो तत्कालीन ग्राम प्रधान द्वारा भूमि आवंटन में भारी मात्रा में अनियमिता बरती गई है।

भाजपा ने शुरू किया शुक्रिया मोदी भाईजान कार्यक्रम

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में शुक्रिया मोदी भाईजान कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम के जरिए बीजेपी मुस्लिम महिलाओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश करेगी। समझते हैं इस विश्लेषण से कि यह क्यों हो रहा है और क्या यह वोट में तब्दील होगा?

मुसलमान बीजेपी को वोट नहीं देते। यह एक प्रचलित और स्वीकार्य सत्य है। राजनीति के केंद्र में मोदी के आ जाने के बाद यह खाई और गहरी हुई है यह भी करीब-करीब स्वीकार्य करने वाला फैक्ट है। बीजेपी इस तथ्य से मुंह नहीं मोड़ती रही है। बल्कि उसे स्वीकार्य करती रही है। उसके नेता गाहे-बगाहे 80 प्रतिशत बनाम 20 बीस प्रतिशत की बातें करते आए हैं। यानी वह मानकर चल रहे हैं कि उस 20 प्रतिशत में उनकी दिलचस्पी नहीं है। पर तमाम सारे पुराने तथ्यों, और राजनीतिक पैटर्नों को झुठलाने वाले नरेंद्र मोदी शायद इस तथ्य को भी नए सिरे से परिभाषित करना चाह रहे हैं। आज की बीजेपी चाहती है कि मुसलमान उसे वोट करें। वह चाहती है कि वह किसी एक धर्म के लोगों की पार्टी ना कही जाए। जिस तरह से उसका फैलाव उत्तर से दक्षिण, और पूर्व से पश्चिम की तरफ हुआ है वैसी ही स्वीकार्यता हर धर्म और जाति में भी हो। बीजेपी पूरे देश की पार्टी कही जाए और उसे हर धर्म के लोग वोट करें। तो सार यह कि बीजेपी अब मुसलमानों के वोट चाहती है। वह सारे मुसलमानों से यह उम्मीद नहीं करती। वह उस पूरे वोट बैंक में थोड़ी सी सेंध लगाना चाहती है। उनकी दिलचस्पी महिला वोटरों में हैं। यूपी अल्पसंख्यक बीजेपी की तरफ से %शुक्रिया मोदी भाईजान% उसी मुहिम का हिस्सा है। तीन तलाक के समय से ही बीजेपी मुस्लिम महिला मतदाताओं के साथ खड़ी दिखने की कोशिश में है। तीन तलाक के समय बीजेपी के जिन भी नेताओं ने इसे खत्म करने के पक्ष में दलीलें दीं उनका निचोड़ यही था कि मुस्लिम पुरुष शोषक है और मुस्लिम महिलाएं शोषित। बीजेपी शोषित के साथ खड़ी है। तीन तलाक के बाद बीजेपी एक बार फिर से मुस्लिम महिला वोटरों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है। शुक्रिया मोदी भाई जान निश्चित ही यूपी बीजेपी के द्वारा शुरू की गई मुहिम है लेकिन यदि यह सफल होती है तो बीजेपी इसे उन राज्यों में भी आगे बढ़ाएगी जहां मुस्लिम मतदाता ठीक संख्या में है।

बीजेपी की कोशिश है कि मुस्लिम महिलाओं को आगे करके यह बताया जाए कि मोदी सरकार की योजनाओं से उनकी जिंदगी में बदलाव आया है। उन्हें अकेले हज पर जाने का अधिकार मिला है। शौचालय बन जाने से इज्जत में इजाफा हुआ है और असुरक्षाएं कम हुई हैं। उज्जवला और आयुष्मान जैसी योजनाओं से उनकी जिंदगी आसान हुई है। यूपी में इस योजना के सूत्रधार और संचालक कुंवर बासित अली कहते हैं कि हमें पूरी यूपी में ऐसे हजारों महिलाएं मिलीं जो इस बात के लिए शुक्रिया अदा करती हैं कि सरकार ने उनके घर शौचालय बनवा दिए। उन्हें घर के बाहर जाने की शर्मिंदगी से बचा लिया है। शुक्रिया मोदी भाईजान शब्द यहीं से जन्मा है। बासित अली बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष हैं और मोदी भाईजान नाम उन्हीं की देन माना जा रहा है। शुक्रिया मोदी भाईजान योजना के तहत यूपी की सभी 80 लोकसभा सीटों में कार्यक्रम होंगे। बीजेपी उन मुस्लिम महिलाओं को सामने लेकर आएगी जिन्हें बीजेपी की योजनाओं का लाभ मिला है। यह कार्यक्रम लखनऊ में सफलतापूर्वक हो गया है। बरेली में आज हो रहा है और मेरठ में जल्द ही होना है।

केंद्र की लोकसभा सरकार में एक भी बीजेपी मुस्लिम सांसद नहीं है। ऐसा इसलिए 2014 और 2019 दोनों ही चुनावों में बीजेपी ने एक भी मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया। ऐसा ही 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में हुआ। यहां भी बीजेपी की तरफ से एक भी मुस्लिम व्यक्ति को टिकट नहीं दिया गया। यदि बीजेपी मुसलमानों को टिकट ही नहीं देना चाहती तो फिर उस समाज के लोगों का विश्वास कैसे बनेगा? इस सवाल पर बासित अली कहते हैं कि बीजेपी ने भले ही सांसद और विधायक के लिए बीजेपी को टिकट ना दिया हो लेकिन उसने राज्यसभा और विधान परिषद के माध्यम से मुस्लिमों को मौका दिया है। आने वाले समय में यह रवायत भी टूटेगी। जैसे-जैसे लोग पार्टी के साथ जुड़ते जाएंगे संभव है कि उनको टिकट भी दिए जाएं। पार्टी से कुछ दूरी थी यह समय के साथ-साथ खत्म होगी।

शुक्रिया मोदी भाई जान मुहिम से बीजेपी को कितना चुनावी लाभ होगा इस बारे में राजनीतिक पंडित बंटे हुए हैं। सीएसडीएस से जुड़े हुए राजनीतिक विश्लेषक बिलाल अहमद कहते हैं कि बीजेपी चाहती है कि उसे सर्व समाज की पार्टी के तौर पर देखा जाए। भले ही उसे मुस्लिम वोट ना मिलें लेकिन उसकी इमेज मुस्लिम विरोधी भी ना रह जाए। इससे बीजेपी को लाभ यह होगा कि तमाम सारे ऐसे वोटर जो बीजेपी की कट्टर इमेज से बिदकते हैं उनके करीब जाएंगे। कुछ अन्य विश्लेषकों का यह भी मानना है कि हो सकता है कि मुस्लिम समाज का एक तबका बीजेपी को वोट देने लगे। मोदी बाजपेयी जैसा कुछ जादू करना चाहते हैं। लखनऊ के कुछ ऐसे मोहल्ले रहे हैं जहां से अटल बिहारी बाजपेयी को वोट मिलता रहा है।

शुक्रिया मोदी भाईजान कार्यक्रम का मुख्य हिस्सा मेरी कहानी मेरी जुबानी होगा

लखनऊ। शुक्रिया मोदी भाईजान कार्यक्रम का मुख्य हिस्सा %मेरी कहानी मेरी जुबानी% होगा। इसमें मुस्लिम महिलाएं मंच पर आकर अपनी जिंदगी की दुश्वारियां बताएंगी साथ ही यह बताएंगी कि सरकार की योजनाओं ने उनकी जिंदगी में क्या बदलाव किया है। इसके लिए हर जिले में मुस्लिम महिलाओं का चयन हो गया है। बासित अली कहते हैं कि राज्य और केंद्र की सरकारी योजनाओं में ज्यादातर में महिलाओं का नाम है। वही उसकी लाभार्थी हैं। बीजेपी ने बिना शोरगुल किए हुए उनकी जिंदगी को बदलने का काम किया है। उसने तुष्टीकरण की राजनीति नहीं की बल्कि उसने जमीनी स्तर पर चीजों को बदलने का काम किया है। महिलाएं खुद बताएंगी कि मोदी ने उनकी जिंदगी को कैसे बदला है। अब यह उनका निर्णय होगा कि वह वोट किसे देती हैं। हम इसे वोट के लिए नहीं कर रहे हैं। बस हम ये बताना चाहती हैं कि मुस्लिम महिलाओं से मोदी से कोई दूरी नहीं है। वह उनके भाई जान हैं। भाई का रिश्ता एक बहन के लिए नफे-नुकसान से परे होता है।

एक नज़र

यूपी विधान परिषद उपचुनाव के लिए भाजपा ने दारा सिंह चौहान को बनाया प्रत्याशी, 18 को भरेंगे नामांकन

लखनऊ। यूपी विधान परिषद में एक सीट के लिए होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा ने पूर्व विधायक दारा सिंह चौहान को उम्मीदवार घोषित किया है। वह 18 जनवरी को नामांकन दाखिल करेंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक यूपी भाजपा की कोर कमेटी ने उप चुनाव के लिए पैनल तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व को भेजा था। पैनल में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए दारा सिंह चौहान का नाम प्राथमिकता पर था। इनके अतिरिक्त प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर उपाध्याय, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा और संतोष सिंह सहित अन्य नाम शामिल थे। केंद्रीय नेतृत्व ने दारा सिंह चौहान के नाम पर सहमति दे दी। सपा से इस्तीफा देने के बाद दारा सिंह घोसी विधानसभा क्षेत्र से उप चुनाव हार गए थे। तब से ही दारा सिंह को विधान परिषद भेजने की चर्चा चल रही है। भारत निर्वाचन आयोग ने विधान परिषद में एक सीट पर होने वाले उपचुनाव की तारीख में बदलाव किया है। उप चुनाव अब 29 जनवरी की जगह 30 जनवरी को होगा और नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 22 जनवरी की जगह 23 जनवरी की गई है।

सुरक्षा में तकनीक का होगा सर्वाधिक प्रयोग सादी वर्दी में भी तैनात रहेंगे पुलिसकर्मी

लखनऊ। अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अवसर पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। स्पेशल डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि नगर की सुरक्षा में तकनीक का भी प्रयोग किया गया है। पुलिसकर्मी सादी वर्दी के अलावा आधिकारिक वर्दी में भी तैनात होंगे। अलग-अलग राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को देखते हुए अलग-अलग भाषा बोलने वाले ट्रेनी आईपीएस अफसरों की भी तैनाती की गई है। पूरे नगर में सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

गुजरात से आई 108 फीट लंबी अगरबत्ती पहुंची अयोध्या

लखनऊ। गुजरात से आई 108 फीट लंबी अगरबत्ती मंगलवार को जलाई गई श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास ने नए बस अड्डे के पास अगरबत्ती को प्रज्वलित किया। इस अगरबत्ती के सुगंध से रामनगरी महकने लगी है। श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र टेस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने कहा कि राम मंदिर निर्माण से राष्ट्र मंदिर की परिकल्पना मूर्त रूप ले रही है। सदियों का संघर्ष साकार हो रहा है हम सभी इसके साक्षी बने हैं। अगरबत्ती का वजन 3610 किलो है और यह 3.5 फ़ीट चौड़ी है। यह अगरबत्ती 50 किलोमीटर के क्षेत्र को सुगंधित करेगी।

भारत अब गरीबों व बेरोजगारों का देश नहीं बल्कि शक्तिशाली देश है: रक्षामंत्री

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ ने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार में दुनिया भर में भारत की छवि बदली है। पहले भारत को गरीब और बेरोजगारों का देश माना जाता था पर अब भारत की पहचान एक शक्तिशाली और मजबूत देश की है। उन्होंने कहा कि देश की छवि में बदलाव के लिए सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही श्रेय जाता है। आज देश का कोई ऐसा परिवार नहीं होगा जिसको सरकारी योजनाओं का लाभ न मिल रहा हो। प्रधानमंत्री मोदी खुद भी बैठकों में भाजपा नेताओं से कहते हैं कि ध्यान रखें कि किसी भी संसदीय क्षेत्र में कोई सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता का प्रधानमंत्री अपने देश के नागरिकों की इतनी चिंता करता है। ये छोटी बात नहीं है।

एकमुश्त समाधान योजना का अंतिम दिन बकाये बिजली बिल में मिल सकती है बड़ी छूट

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि बिजली उपभोक्ता 16 जनवरी तक एकमुश्त समाधान योजना का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक पंजीयन न कराने वाले मंगलवार को पंजीयन कराकर योजना का लाभ लें। मालूम रहे कि प्रदेश में आठ नवंबर से एकमुश्त समाधान योजना चल रही है। अभी तक 50.56 लाख उपभोक्ताओं ने छूट का लाभ लिया, विभाग को भी 5436 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई है। उपभोक्ताओं को भी 1795 करोड़ रूपये की छूट का लाभ मिला है। इसमें विद्युत चोरी के मामले में 1.03 लाख उपभोक्ताओं ने लाभ लिया। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ के महासचिव जितेंद्र सिंह गुर्जर ने भी उपभोक्ताओं से अपील की है कि अंतिम दिन योजना का लाभ पाएं।

धुंध और कोहरे में लिपटा पूरा प्रदेश

कई जिले भीषण शीतलहर की चपेट में

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में शीतलहर का कहर जारी है। कई जिलों में मंगलवार को धूप नहीं निकली। कोहरा और धुंध छाया रहा। तापमान अभी और नीचे जा सकता है। इसको लेकर मौसम वैज्ञानिकों ने अलर्ट जारी किया है।

शीत लहर का प्रकोप पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों को परेशान करने वाला है। मौसम विभाग ने फिलहाल इससे राहत के आसार से इंकार किया है। पश्चिम के साथ मध्य और पूर्वी यूपी में भी शीतलहर चल रही है। मंगलवार को प्रदेश कोहरे की सफेद चादर से ढका हुआ नजर आया। बनारस,आगरा और प्रयागराज में कोहरा इतना घना रहा कि वहां दृश्यता शून्य दर्ज हुई है। जबकि इटावा, मुजफ्फरनगर, झांसी, फर्रुखाबाद में 10 मीटर, अलीगढ़ में 20 मीटर, बरेली, बहराइच और बलिया में 40 मीटर, मेरठ, नजीबाबाद, अयोध्या में 50 मीटर तक रही दृश्यता रिकॉर्ड हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, कोहरे से फिलहाल कोई राहत के आसार नहीं है। हालांकि पुरवा हवा चलने से पारे में कुछ दिन बढ़ने की प्रवृत्ति रहेगी, लेकिन ये राहत अस्थायी होगी। शीतलहर का कहर अभी जारी रहेगा।

हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, एटा, बिजनौर, बदायूं व आसपास घना कोहरे के आसार हैं।

सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल व आसपास के इलाकों में शीत लहर चल सकती है।

लखनऊ अदब का गहवारा, मुझे यहीं दफनाना

मुनव्वर राना की तजियत में पहुंचकर अखिलेश यादव ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

लखनऊ। अदब तो रायबरेली के खून में है, पर मुझे इसी लखनऊ में दफनाना, ये भी अदब का गहवारा (पालना) है। अपनी वसीयत में दिवंगत शायर मुनव्वर राना ने यह इच्छा जताई थी। इसी के मुताबिक, उन्हें ऐशबाग कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इससे पहले उनके शव को नदवा ले जाया गया जहां नमाजे जनाजा हुई, जिसे मौलाना जाफर हसनी नदवी ने पढ़वाया। इसके बाद शव को ऐशबाग ले जाया गया। मुनव्वर राना की बेटी सुमैया राना ने बताया कि वे कहते थे कि अदब का गहवारा है लखनऊ। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि रायबरेली का भी अदब से गहरा ताल्लुक है, बावजूद इसके वे चाहते थे कि उन्हें लखनऊ में ही दफनाया जाए। हमने उनकी वसीयत के हिसाब से ही उन्हें दफनाया। सुमैया ने बताया कि बीते वर्ष साढ़े तीन महीने तक वेंटीलेटर पर थे। इस बार उनकी तबीयत बिगड़ी तो मेदांता ले जाया गया। वहां तबीयत बिगड़ी तो उन्हें पीजीआई ले आए। उसके बाद उन्हें दिल का दौरा पड़ा और रविवार रात उनकी मौत हो गई। रविवार रात को पीजीआई से उनके पार्थिव शरीर को लालकुआं स्थित उनके आवास पर लाया गया था। सुबह से ही उनके घर पर श्रद्धांजलि देने आने वालों का तांता लगा था। नाते-रिश्तेदारों की भीड़ के बीच जाने-माने लेखक, शायर व गीतकार जावेद अख्तर, मशहूर शायर व उनके जिगरी यार हसन काजमी भी मौजूद रहे। सैफ बाबर, तारिक कमर, प्रोफेसर जां निसार, सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा समेत कई जानी-मानी हस्तियां भी पहुंचीं। यहां मौजूद लोगों की आंखें मुनव्वर राना के बेबाक अंदाज-ए-बयां को याद कर नम हो गईं। इस बीच सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी उनके आवास पर पहुंचे और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल भी पहुंचा, एआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता आसिम वकार और देवबंद से काफी लोग आवास पर मौजूद रहे।

यूपी कांग्रेस के नेता पहुंचे राम मंदिर, लगाई सरयू में डुबकी

एजेंसी

लखनऊ। प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम से कांग्रेस हाईकमान ने दूरी बना ली है। इसके बाद यूपी कांग्रेस के बड़े नेताओं का प्रतिनिधि मंडल सोमवार को अयोध्या पहुंचा। वहां नेताओं ने सरयू नदी में डुबकी लगाने के बाद रामलला के दर्शन किए। राजनीतिक हलकों में अब यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या कांग्रेस राम मंदिर को लेकर बैलेंस करने की कोशिश कर रही है। मप्र कांग्रेस के नेता जीतू पटवारी भी कह चुके हैं कि वह भी लाखों कार्यकर्ताओं के साथ राम मंदिर के दर्शन करने जाएंगे। राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र सिंह हुड्डा सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं ने मकर संक्रांति पर सोमवार को रामलला के दरबार में मत्था टेका। सुखद अनुभूति का अहसास बताया। विश्व में शांति का आशीर्वाद मांगा। नेताओं ने राम लला के पुजारी सत्येंद्र दास से मुलाकात की। राज्य सभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के अलावा राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, विधायक अनुराधा मिश्रा, नीरज शर्मा, दीपक गुर्जर, सचिव सत्य नारायण, प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक कुमार, मनोज गौतम, प्रदेश सचिव सच्चिदानंद, दिनेश सिंह यहां पहुंचे थे। कई नेता चार्टर्ड प्लेन और कुछ सड़क मार्ग से आए। एयरपोर्ट पर महानगर युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डा. करन त्रिपाठी के नेतृत्व में स्वागत हुआ। सभी सीधे सरयू तट पहुंचे और स्नान किया। इसके बाद हनुमान जी और राम लला के दर्शन किए। उनके साथ महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल, राजेंद्र प्रताप सिंह, सुनील कृष्ण गौतम, चेत नरायन सिंह, प्रवीण श्रीवास्तन, गौतम कृष्ण रानू आदि थे। इसके पूर्व रानी मऊ में दयानंद शुक्ला, पॉलिटेक्निक के पास महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती रेनू राय ने स्वागत किया। शहर की सीमा पर जिलाध्यक्ष अखिलेश यादव, महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं से अपने नेताओं का स्वागत किया। हनुमानगढ़ी के महंत बाबा मणिराम दास ने भी स्वागत किया।

मंदिर के उद्घाटन के आमंत्रण को ठुकराने पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा किसी भी मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा पर आमंत्रण का कोई भी प्रावधान नहीं है। किसी को भी मंदिर में आमंत्रित नहीं किया जाता। व्यक्ति स्वतः आस्था के साथ आता है। शीघ्र ही सोनिया गांधी जी मंदिर में दर्शन के लिए आएंगी। उनके प्रतिनिधिमंडल के रूप में ही उनका पैगाम लेकर अयोध्या की इस पावन धरती पर आए हैं। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि राम लला से देश के साथ पूरे विश्व के कल्याण का आशीर्वाद मांगा। राम सबके हैं। सबमें हैं। बोले यहां राजनीति की गुंजाइश नहीं है। राजनीतिक टिप्पणी नहीं करेंगे।

प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि रामलला पर किसी का एकाधिकार नहीं है। हर कोई दर्शन-पूजन कर सकता है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाया है कि भाजपा भगवान राम के नाम पर राजनीति कर रही है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर, सत्यनारायण पटेल, राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा, विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा के साथ तमाम नेता सोमवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय से रवाना होकर अयोध्या पहुंचे। वहां नया घाट पर आस्था की डुबकी लगाकर बाबा नागेश्वर महादेव का दर्शन-पूजन किया और लोक कल्याण की कामना की। इसके बाद हनुमानगढ़ी में माथा टेककर हनुमान जी की आराधना की। यहां से वे अयोध्याधाम में श्री राम जन्मभूमि पहुंचकर रामलला के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। वहां के मुख्य पुजारी पूज्य सत्येंद्र दास से मिलकर आशीर्वाद लिए। इस दौरान उनके साथ सुप्रिया श्रीनेत, अखिलेश प्रताप सिंह, अभय दुबे, विधायक वीरेंद्र चौधरी, नकुल दुबे, अनिल यादव, अंशु अवस्थी, पुनीत पाठक, प्रदीप सिंह, सचिन रावत, अनामिका यादव, सोमेश सिंह चौहान व गौरी यादव आदि मौजूद रहे।

2024 का चुनाव हार-जीत का नहीं युवा पीढ़ी के भविष्य का चुनाव है: अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आह्वान किया है कि 2024 का चुनाव अपना चुनाव समझकर लड़ें। ये हार-जीत का नहीं बल्कि युवाओं के भविष्य का है।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 नया साल ही नहीं परिवर्तन का साल है। 2014 में आये लोगों को 2024 में हटाने का समय आ गया है। दिल्ली की सत्ता में बैठी सरकार ने दस साल में क्या दिया है, इस पर गौर करना होगा। गरीबों और किसानों पर अत्याचार किया। विकसित भारत और विश्व गुरु बनाने की बात कर किसानों को ठगने का काम कर रहे हैं। देश तभी विकसित होगा जब किसानों को फसल का उचित मूल्य मिलेगा। 2024 का चुनाव केवल हार जीत का नहीं युवा पीढ़ी के भविष्य का चुनाव है। इसलिए इसे अपना चुनाव समझकर लड़ें। अखिलेश यादव मंगलवार को बाराबंकी में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 10 साल में एक लाख किसानों ने आत्महत्या की। देश और प्रदेश के नेतृत्वकर्ता झूठ बोल रहे हैं हैदरगढ़ के किसान ने न्याय न मिलने पर आत्मदाह कर लिया था। मेरठ में जमीन को लेकर न्याय मांगने गए किसान ने आत्मदाह किया। किसानों के आत्मदाह और थाने में मरने की खबरें यूपी में सबसे ज्यादा हैं। अच्छी डिग्री लेने के बाद भी युवाओं के हाथ रोजगार नहीं हैं। बड़ी-बड़ी संस्थाएं बेच दी। उद्योग लगाने का सपना भी दिखाया पर पूरा नहीं किया। 40 लाख करोड़ निवेश का दावा किया लेकिन अब तक कोई उद्योग नहीं लगा। बाराबंकी के साथी बताए बाराबंकी में कितना निवेश आया है? फौज की भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए आधी अधूरी अग्निवीर वाली नौकरी शुरू की। ये साजिश पिछड़े और दलितों के साथ की गई है ताकि गरीब और किसानों के बेटे फौज में न भर्ती हो सकें। समाजवादी लोग सरकार में आए तो अग्निवीर खत्म होगी और नौजवानों को पक्की नौकरी मिलेगी। भाजपा के लोग पाकिस्तान की बात करते हैं लेकिन चीन के नाम पर चुप्पी साध लेते हैं। चीन के लोग घुसपैठ कर रहे हैं। इस सवाल पर सरकार कोई जवाब नहीं देती।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोग अपने लोगों को मुनाफा कमवाने के लिए आम जनता पर महंगाई का बोझ डाल रहे हैं। कुछ दिन पहले योग देखा था जिसमें योगी योग नहीं कर पा रहे थे। ऐसे लोगों से सावधान रहना जरूरी है। दिल्ली से लखनऊ को जोड़ने वाला हाईवे ऐतिहासिक हाईवे है। भाजपा सरकार सड़कों के नाम पर भ्रष्टाचार कर रही है। पूर्वांचल एक्सप्रेस के निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नही रखा गया। गोरखपुर में 90 किमी की सड़क छह हजार करोड़ से बन रही लेकिन आज तक पूरी नहीं हो पाई। बुलडोजर से सिर्फ तबाही हो सकती समाज और देश नहीं चल सकता। आज इधर चल रहा कल उधर भी चल सकता है। डॉ. अंबेडकर के संविधान से देश चलेगा। संविधान में परिवर्तन हुआ तो वोट का हक समाप्त हो जायेगा। नोटबन्दी के समय भ्रष्टाचार खत्म करने का दावा किया गया था लेकिन थाना तहसीलों में बढ़ गया है। बैंकों में पैसा जमाकर उद्योगपतियों का 10 लाख करोड़ रुपये माफ कर दिया। इंडिया गठबंधन के जरिये सभी दलों को साथ लेने की कोशिश की जा रही है। सरकार बनने पर सभी किसानों का कर्ज माफ होगा। एनडीए को पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का जोड़ ही पूरे देश में हराएगा।

सम्पादकीय

मुइज्जू ने राष्ट्रवाद को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करवा कर क्या संदेश दिया है?

मालदीव मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए राष्ट्रपति के प्रधान सचिव अब्दुल्ला नाज़िम इब्राहिम ने कहा कि यह निर्णय युवा पीढ़ी के बीच राष्ट्रवाद के सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू चीन की यात्रा से लौटने के बाद से भारत के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाये हुए हैं और एक के बाद एक ऐसी घोषणाएं कर रहे हैं जो दर्शा रही हैं कि उनके मन के अंदर भारत के प्रति कितनी कटुता भरी हुई है। मोहम्मद मुइज्जू यह तो चाहते हैं कि उनके देश के लोग देशभक्त बनें लेकिन खुद वह चीन को अपना रिमोट कंट्रोल सौंप आये हैं। हालांकि राजधानी माले की जनता ने मेयर चुनाव में राष्ट्रपति को सीधा संदेश दे दिया है कि वह भारत विरोध के पथ पर आगे नहीं बढ़ें लेकिन मुइज्जू तो अपना ईमान बीजिंग को जैसे बेच आये हैं। तानाशाह शी जिनपिंग से मुलाकात करने के बाद मुइज्जू ऐसा प्रभावित हुए हैं कि अब उन्होंने वैसा ही रुख अपने देश में अपनाने का निर्णय ले लिया है। इसके लिए मालदीव की सरकार कई बड़े कदम उठाने जा रही है। इसके तहत मुइज्जू सरकार ने आगामी नए शैक्षणिक वर्ष से स्कूली पाठ्यक्रमों में %राष्ट्रवाद% को एक अलग विषय के रूप में शामिल करने की घोषणा की है। चीन की यात्रा से लौटने के बाद राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अपने मंत्रिमंडल की जो पहली बैठक की उसमें यह महत्वपूर्ण फैसला किया गया। मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए राष्ट्रपति के प्रधान सचिव अब्दुल्ला नाज़िम इब्राहिम ने कहा कि यह निर्णय युवा पीढ़ी के बीच राष्ट्रवाद के सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। नाजिम ने कहा कि हमारा लक्ष्य एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो राष्ट्रवाद से परिचित हो और देश के प्रति प्रेम रखे। उन्होंने कहा कि मालदीव राष्ट्रवाद को पुनर्जीवित करना चाहता है यही कारण है कि सामाजिक परिषद ने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में राष्ट्रवाद को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाने का फैसला किया है। नाजिम ने कहा कि मुइज्जू सरकार स्कूलों में राष्ट्रवाद को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां तेजी के साथ करेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय को इस संबंध में काम शुरू करने का निर्देश दिया गया है। हम आपको बता दें कि राष्ट्रवाद को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाना राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू द्वारा चुनावों के दौरान किये गये प्रमुख वादों में से एक है। मुइज्जू ने चुनावों के समय कहा था कि राष्ट्रवाद विषय को शुरू करके सरकार बच्चों को अनुशासन सिखाएगी। इसके लिए सरकार ने शैक्षणिक वर्ष की तारीखों में बदलाव करने का फैसला भी किया है, जिसके मुताबिक चालू शैक्षणिक वर्ष अप्रैल में समाप्त होगा। नया शैक्षणिक वर्ष 26 मई से शुरू होने होगा। सरकार ने तारीखों में बदलाव इसलिए किया है ताकि उसे नया पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए तैयारियां करने के लिए कुछ और वक्त मिल जाये। हम आपको यह भी बता दें कि मुइज्जू चीन से जो निर्देश लेकर आये हैं उसे अमली जामा पहनाने के लिए वह मालदीव की संसद में कुछ बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं। इस वर्ष संसद के पहले सत्र की उद्घाटन बैठक 5 फरवरी को होगी। मालदीव के संसद सचिवालय के मुताबिक स्पीकर मोहम्मद असलम ने इस साल के पहले सत्र की उद्घाटन बैठक 5 फरवरी को सुबह 9 बजे से तय की है। राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू, जिन्होंने पिछले साल 17 नवंबर को शपथ ली थी, उन्हें संसद की उद्घाटन बैठक में अपना पहला राष्ट्रपति भाषण देना होगा। माना जा रहा है कि इस उद्घाटन भाषण में कई बड़ी घोषणाएं होंगी। हम आपको बता दें कि सरकार को कामकाज संभाले हुए दो महीने से ज्यादा हो गये हैं मगर संसद ने अभी तक कैबिनेट को मंजूरी नहीं दी है। देखना होगा कि संसद क्या उन तीन मंत्रियों का निलंबन वापस लेती है जिनको भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी करने के चलते निलंबित किया गया था। जहां तक मुइज्जू को बीजिंग से लौटते ही लगे चुनावी झटके की बात है तो आपको बता दें कि माले के मेयर चुनावों में जनता ने सत्तारुढ़ पार्टी को हरा दिया है। हम आपको यह भी बता दें कि मुइज्जू भी राष्ट्रपति बनने से पहले माले के मेयर थे। उन्होंने मेयर पद से इस्तीफा देकर ही राष्ट्रपति चुनाव लड़ा था। इस बार मेयर चुनाव में जनता ने भारत समर्थक विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) को शानदार जीत देकर राष्ट्रपति के भारत विरोधी अभियान की सारी हवा निकाल दी है। एमडीपी उम्मीदवार एडम अजीम को माले के नए मेयर के रूप में चुना गया है। मालदीव मीडिया ने एडम अजीम की जीत को मुइज्जू के लिए राजनीतिक भूकंप के समान बताया है। उल्लेखनीय है कि एमडीपी का नेतृत्व भारत समर्थक पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद सोलिह कर रहे हैं, जो राष्ट्रपति चुनाव में चीन समर्थक नेता मुइज्जू से हार गए थे। मेयर चुनाव की जीत से एमडीपी की राजनीतिक किस्मत फिर से चमकने की उम्मीद है क्योंकि संसद में अब भी उसके पास अच्छी खासी संख्या में सीटें हैं। जहां तक मुइज्जू की ओर से भारत विरोधी अभियान को हवा देने की बात है तो निश्चित रूप से बीजिंग से लौटते ही वह पहले से ज्यादा आक्रामक दिख रहे हैं। पहले उन्होंने भारत के साथ हालिया विवादों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि हम छोटे (देश) हो सकते हैं, लेकिन इससे आपको हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता। उसके ठीक बाद उन्होंने भारत से कहा कि वह उनके देश में तैनात अपने सैन्यकर्मियों को 15 मार्च तक हटा ले। माले की ओर से भारतीय सैनिकों को हटाने की मांग किये जाने के करीब दो महीने बाद राष्ट्रपति ने यह समय सीमा तय की है। नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मालदीव में 88 भारतीय सैन्यकर्मी हैं। हम आपको बता दें कि मालदीव और भारत ने सैनिकों की वापसी पर बातचीत के लिए एक उच्च स्तरीय कोर समूह का गठन किया है। विदेश मंत्रालय ने नयी दिल्ली में बयान जारी करके कहा कि इस कोर समूह ने रविवार सुबह माले स्थित विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में अपनी पहली बैठक की। हम आपको यह भी याद दिला दें कि पिछले साल 17 नवंबर को मालदीव के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के तुरंत बाद मुइज्जू ने औपचारिक रूप से भारत से भारतीय सैन्यकर्मियों को मालदीव से वापस बुलाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि मालदीव के लोगों ने उन्हें नयी दिल्ली से यह अनुरोध करने के लिए 'मजबूत जनादेश' दिया है। इसके साथ ही माले अब नयी दिल्ली के साथ 100 से अधिक द्विपक्षीय समझौतों की भी समीक्षा कर रहा है। साथ ही मुइज्जू ने भारत पर मालदीव की निर्भरता को कम करने की योजनाओं की भी घोषणा की, जिसमें अन्य देशों से आवश्यक खाद्य वस्तुओं, दवाओं और उपभोग की अन्य सामग्रियों का आयात सुनिश्चित करना शामिल है। बहरहाल, चीन से निकटता बढ़ा रहे मालदीव को लेकर भारत पूरी तरह सतर्क रुख अपनाये हुए है। भारत के पड़ोसियों को बहलाने फुसलाने की कोशिश चीन पूर्व में भी करता रहा है और भारत सरकार ने हमेशा कूटनीति के जरिये चीन की सारी चालों की हवा निकाल दी है। देखना होगा कि मुइज्जू मामले से कैसे निबटा जाता है।

सोमनाथ से अयोध्या तक... तुष्टिकरण की राजनीति पर कायम है कांग्रेस

वर्तमान में देश में राम नाम की प्रचंड लहर के चलते अब कांग्रेस नेता, समर्थक और मीडिया का एक वर्ग यह साबित करने में जुटा है कि राम मंदिर में कांग्रेस का भी योगदान है। जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि, कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी शामिल नहीं होंगी। कांग्रेस भले ही राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर को भाजपा और आरएसएस को इवेंट बताती रहे। लेकिन कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाकर वही गलती की है, जो गलती कभी पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी। उस वक्त पंडित नेहरू सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन में नहीं गए थे। असल में मुस्लिम तुष्टिकरण उसके एजेंडे में प्रथम स्थान पर है। उसके एजेंडे में न सोमनाथ था और न ही अयोध्या है। इतिहास के पन्ने पलटे तो स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार पटेल ने मुहम्मद गजनवी द्वारा तोड़े गए भगवान सोमनाथ के मंदिर का पुनः निर्माण कराया था। सोमनाथ मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने तक सरदार स्वर्गवासी हो गए तो कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा 11 मई 1951 को सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन कराया। उस समय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के विरोध के बावजूद डॉ. राजेंद्र प्रसाद सोमनाथ गए। वर्तमान में देश में राम नाम की प्रचंड लहर के चलते अब कांग्रेस नेता, समर्थक और मीडिया का एक वर्ग यह साबित करने में जुटा है कि राम मंदिर में कांग्रेस का भी योगदान है। जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि, कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। कांग्रेस ने हमेशा वोट बैंक की राजनीति करते हुए केवल तुष्टिकरण का ही सहारा लिया। राम मंदिर केस में कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया था कि अयोध्या मामले की जांच को कोर्ट 2019 के आम चुनाव तक टाल दे। 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुख्ता साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है। हिंदू विरोध की भावना कांग्रेस के डीएनए में है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने पहली लोकसभा में 1955-56 में हिंदू कोड बिल्स पास किए। इस बिल को लेकर डॉ. राजेंद्र प्रसाद और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बीच राजनीतिक मतभेद उत्पन्न हो गया था। इसकी एक बड़ी वजह दोनों का धर्म को लेकर रवैया था। वर्ष 1976 में इंदिरा ने देश में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें सेक्युलर शब्द शामिल किया गया था। जिसका मतलब था कि भारत हिन्दू देश होते हुए भी हिन्दू देश नहीं कहा जा सकता। 1991 में लागू किया गया यह प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। यह कानून तब लाया गया जब राम मंदिर आंदोलन अपने चरम सीमा पर था। स्वतंत्रता के बाद से वंदे मातरम राष्ट्रगान है। इसे लेकर कहा जाता है कि जवाहरलाल नेहरू ने इसका विरोध किया था। उन्होंने इसे मुसलमानों के विरोध में बताया था। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में तत्कालीन शिक्षा मंत्री मोहम्मद करीम छागला राज्यसभा में एक प्रस्ताव लाये थे जिसमें काशी हिंदू विश्वविद्यालय से हिंदू शब्द हटाने की बात कही गई थी, जबकि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से मुस्लिम शब्द हटाने की बात नहीं थी। इसके विरोध में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने बेनियाबाग मैदान में 1965 में सभा की थी। साल 1966 को गोहत्या रोकने के लिए कानून बनाने की मांग कर रहे निहत्थों संतों पर इंदिरा गांधी सरकार ने गोलियां चलवाई थी। वर्ष 1976 में इंदिरा ने देश में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें सेक्युलर शब्द शामिल किया गया था। जिसका मतलब था कि भारत हिन्दू देश होते हुए भी हिन्दू देश नहीं कहा जा सकता। कांग्रेस सरकार द्वारा 1991 में प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट लागू किया गया। पूजा स्थल कानून कहता है कि पूजा स्थलों की जो स्थिति 15 अगस्त 1947 में थी वही रहेगी। इस कानून की परिधि से अयोध्या की राम जन्मभूमि को अलग रखा गया है। कानून कहता है अयोध्या राम जन्म भूमि मुकदमे के अलावा जो भी मुकदमे हैं वे समाप्त समझे जाएंगे। यह कानून अदालत के जरिये अपने धार्मिक स्थलों और तीर्थों को वापस पाने के अधिकार से वंचित करता है। कानून आक्रांताओं के गैर कानूनी कृत्यों को कानूनी मान्यता देता है। कानून हिंदू, बौद्ध, जैन और सिखों को अपने पूजा स्थलों और तीर्थों का वापस कब्जा पाने से वंचित करता है जबकि मुसलमानों को वक्फ कानून की धारा सात के तहत ऐसा अधिकार मिला हुआ है। वर्ष 1992 में अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, इस कानून ने अल्पसंख्यक लोगों को बढ़ावा दिया और हिंदुओं को बांट दिया। भारत के अधिकांश मंदिरों पर सरकारों का नियंत्रण है। लेकिन, इसी देश में वक्फ एक्ट के तहत वक्फ बोर्ड को इतनी असीमित ताकतें दी गई हैं कि वो तमिलनाडु के तिरुचेंथुरई में स्थित एक 1500 साल पुराने मंदिर समेत पूरे गांव पर ही दावा ठोक सकता है। वक्फ बोर्ड के पास भारतीय सेना और रेलवे के बाद सबसे बड़ी मात्रा में जमीन है। नवंबर 2004 में कांग्रेस के सत्ता में आने के कुछ महीनों के अंदर ही दिवाली के मौके पर कांची कोटि पीठ के शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती को हत्या के एक केस में गिरफ्तार करवाया गया। यूपीए सरकार के दौरान मालेगांव ब्लास्ट मामले में उत्तर प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को फंसाने की साजिश रची गई थी। समझौता ब्लास्ट केस में पाकिस्तानी आतंकवादी पकड़ा गया था, उसने अपना गुनाह भी कबूल किया था, लेकिन महज 14 दिनों में उसे चुपचाप छोड़ दिया। इसके बाद इस केस में स्वामी असीमानंद को फंसाया गया। साल 2006 में मनमोहन सिंह ने कहा कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। 16 मई, 2016 को तीन तलाक पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही थी। सुनवाई के दौरान कांग्रेस नेता और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वकील कपिल सिब्बल ने तीन तलाक और हलाला जैसी घटिया परंपराओं की तुलना भगवान राम के अयोध्या में जन्म से कर डाली। 2016 में उत्तराखंड में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हर शुक्रवार मुस्लिमों को 90 मिनट का अतिरिक्त अवकाश देने का निर्णय किया। कांग्रेस सरकार ने ही हज पर जाने वाले मुसलमानों को सब्सिडी देने की शुरुआत की थी। दुनिया में किसी और देश में यह नियम कानून नहीं था। कांग्रेस ने अमरनाथ यात्रा पर टैक्स लगाया। जुलाई, 2009 को राहुल गांधी ने अमेरिकी राजदूत टिमोथी रोमर से कहा था, 'भारत विरोधी मुस्लिम आतंकवादियों और वामपंथी आतंकवादियों से बड़ा खतरा देश के हिन्दू हैं।' राहुल गांधी के बयान मंदिर जाने वाले छेड़खानी करते हैं, को भला कौन भूल सकता है। साल 2018 में तुगलक लेन स्थित अपने निवास पर राहुल गांधी ने लगभग दो घंटे तक मुस्लिमों नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान मुस्लिम नेताओं ने राहुल से आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि आप तो सिर्फ मंदिर जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने तो मुसलमानों को भुला ही दिया है। मुस्लिम नेताओं की बात सुनकर राहुल गांधी ने कहा कि मैं कर्नाटक में कई मस्जिदों में भी गया हूं। अब मस्जिदों में लगातार जा रहा हूं। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों के कई नेता राम मंदिर और सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानबाजी कर रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी पूरे हिंदू समाज को अखरती है। इससे यह संदेश भी जाता है कि अनर्गल बयानबाजी करने वालों को आलाकमान का समर्थन और मूक सहमति प्राप्त है। वास्तव में, सोमनाथ से अयोध्या तक कांग्रेस का चरित्र बिल्कुल भी बदला नहीं है। आम चुनाव सिर पर हैं। बड़ी सभांवना इस बात की है कि आने वाले दिनों में मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस अपने मूल चरित्र का बढ़-चढ़कर प्रदर्शन करेगी।

2024 में भी संभावनाएं बेहतर नहीं, ताइवान के चुनाव परिणामों के बाद बहुत कुछ दांव पर

इस्राइल-हमास संघर्ष एक बड़े संघर्ष में तब्दील हो रहा है, जिसमें परोक्ष रूप से एक तरफ इस्राइल, अमेरिका और पश्चिम है, तो दूसरी तरफ पूरा अरब जगत है। स्थिति बेहद विस्फोटक होती जा रही है, लेकिन इसका कोई सबूत नहीं है कि कोई भी पक्ष विवेकपूर्ण आवाजों को सुन रहा है या समाधान तलाशने की कोशिश कर रहा है। जहां तक वैश्विक दृष्टिकोण का सवाल है, यदि 2023 एक मुश्किल वर्ष था, तो 2024 में भी संभावनाएं बेहतर नहीं दिख रही हैं। जैसा कि हम साफ देख सकते हैं, ऐसा लगता है कि दुनिया कम सुरक्षित होगी, क्योंकि तनाव के कई और कारण सामने आने वाले हैं। भू-रणनीतिक नजरिये से उम्मीद की कोई किरण नजर नहीं आती। यूक्रेन युद्ध में फिलहाल गतिरोध दिखाई दे रहा है, लेकिन यह %महत्वपूर्ण मोड़% पर प्रतीत होता है। दो वर्षों के संघर्ष के बाद रूस और पश्चिम, दोनों थके हुए दिखाई देते हैं, जिससे इसके खत्म होने के कुछ संकेत दिखाई देते हैं। रणनीतिकारों को चिंता है कि एक या दूसरा पक्ष मामले को बढ़ाने का फैसला कर सकता है और युद्ध को अपने पक्ष में निपटाने के लिए और भी अधिक खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है, जैसे अंतिम हथियार के रूप में परमाणु हथियारों का। इस बीच यूक्रेन के नेता लगातार भड़काऊ बयान दे रहे हैं, जिससे संघर्ष की आग और भड़क रही है। उतनी ही खतरनाक स्थिति पश्चिम एशिया में है। इस्राइल-हमास संघर्ष एक बड़े संघर्ष में तब्दील हो रहा है, जिसमें परोक्ष रूप से एक तरफ इस्राइल, अमेरिका और पश्चिम है, तो दूसरी तरफ पूरा अरब जगत है। स्थिति बेहद विस्फोटक होती जा रही है, लेकिन इसका कोई सबूत नहीं है कि कोई भी पक्ष विवेकपूर्ण आवाजों को सुन रहा है या समाधान तलाशने की कोशिश कर रहा है। ज्यादा से ज्यादा देश खुलेआम इस्राइल पर नरसंहार का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन इस्राइल के मौजूदा नेता पर इसका कोई असर नहीं हो रहा है। भारत जैसे देश, जिन्हें आम तौर पर मध्यस्थ की भूमिका निभानी चाहिए, खुद को हाशिये पर पाते हैं। उपरोक्त दोनों क्षेत्रों के मुकाबले हिंद-प्रशांत क्षेत्र ज्यादा शांत लग सकता है, लेकिन ताइवान का मुद्दा जिस तरह बढ़ रहा है, उसमें इसके तीसरे विश्वयुद्ध में बदलने की बड़ी आशंका है। अब तक हालांकि चीन ने संयम दिखाया था, लेकिन ताइवान में कट्टर चीन विरोधी के चुनाव जीतने के बाद चीन न सिर्फ ज्यादा आक्रामक हुआ है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए और भी आक्रामक हो सकता है कि ताइवान उसकी नाक के नीचे एक शत्रुतापूर्ण क्षेत्र न बन जाए। यह संघर्ष इतना बड़ा और जटिल है, जो विभिन्न देशों को चीन समर्थक या चीन विरोधी बनने के लिए मजबूर कर रहा है। हालांकि एशिया के अधिकांश देश इस संघर्ष में नहीं पड़ना चाहेंगे। भारत भले ही चीन समर्थक या चीन-विरोधी रुख न अपनाना चाहे, लेकिन इस मामले में उसकी स्थिति बेहद असहज हो सकती है। लेकिन चीन को लगता है कि क्वाड का सदस्य होने, और चतुष्कोणीय सुरक्षा संवाद में शामिल होने के कारण भारत प्रबल चीन-विरोधी और अमेरिका समर्थक है। यह स्थिति पहले से ही भारत को अधिकांश अन्य एशियाई देशों, खासकर दक्षिण पूर्व व पूर्वी एशिया के देशों के साथ मुश्किल में डाल रही है, जिससे भारत निश्चित रूप से बचना चाहेगा। ऐसे में जब अधिकांश देशों के लिए वैश्विक दृष्टिकोण उतना अच्छा नहीं दिखता है, तब भारत का भी बहुत कुछ दांव पर है, क्योंकि तटस्थता और गुटनिरपेक्षता की उसकी नीति सवालों के घेरे में है। कई देशों द्वारा गुटनिरपेक्षता को एक विफल सिद्धांत के रूप में देखा जाने लगा है, जो हाल के वर्षों में तेज आर्थिक प्रगति करने वाले भारत के लिए ठीक नहीं है। ऐसे में, विदेशी संबंधों के मामले में 2024 भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। चीन भी इसी तरह की दुविधा में हो सकता है, क्योंकि उसकी सैन्य शक्ति बरकरार रहने के बावजूद चीनी अर्थव्यवस्था जिस कठिन दौर से गुजर रही है, वह एशियाई क्षेत्र में भी अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन को चुनौती देने की उसकी क्षमता को सीमित कर देती है। भारत के नजरिये से एक खतरा यह है कि ऐसी स्थिति में चीन भारत-चीन सीमा पर विवाद को फिर से बढ़ाने जैसी ध्यान भटकाने वाली रणनीति का सहारा ले सकता है, ताकि यह प्रदर्शित कर सके कि वह अब भी अपनी ताकत दिखा सकता है। फिर भी भारत के लिए वर्ष 2024 में कुछ हिस्सों के लिए अच्छा हो सकता है। इस साल के अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं और मौजूदा सत्तारूढ़ पार्टी के लिए अच्छी संभावनाएं दिख रही हैं, लेकिन चुनाव के बाद का परिदृश्य ज्यादा संतोषजनक नहीं हो सकता है। सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्ष के बीच दूरियां न केवल बढ़ रही हैं, बल्कि तीव्र आंतरिक कलह और अशांति की आशंकाएं भी पैदा हो रही हैं। इसके अलावा, हालांकि आतंकी हमलों जैसा बड़े पैमाने पर हिंसा का कोई खतरा नहीं दिखता है, लेकिन मणिपुर जैसे परिधीय इलाके अशांत बने हुए हैं। इससे पहले की इस धारणा की दोबारा पुनरावृत्ति हो सकती है कि दिल्ली और देश के सीमावर्ती इलाकों के बीच दूरी बनी हुई है और शायद अधिक व्यापक हो सकती है। इसलिए स्थिति पर सावधानी से नजर रखनी होगी, क्योंकि माहौल अत्यधिक तनावपूर्ण है। सतही शांति मौजूद भावनाओं की तीव्रता को छिपा देती है। इसके अलावा भी कुछ पहलू हैं, जिन पर सावधानी पूर्वक विचार करने की जरूरत है। जैसे, इस तर्क के साथ कि अनुच्छेद 370 एक संक्रमणकालीन प्रावधान था, लिहाजा उक्त अनुच्छेद को निरस्त करने की राष्ट्रपति की शक्ति को बरकरार रखने वाले सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले से उत्पन्न स्थिति को कैसे नियंत्रित किया जाता है, यह देखना होगा, जिससे कि इसे देशव्यापी आंदोलन का एक आधार बनने से रोका जा सके। इस तथ्य पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि सामाजिक समूहों को विभाजित करने के लिए सोशल इंजीनियरिंग और सामाजिक विखंडन का किस हद तक उपयोग किया जा रहा है; लेकिन आम चिंता के प्रमुख मुद्दों पर बहुत कम बहस हो रही है या कोई बहस नहीं हो रही। इसके अलावा, यह भी आशंका है कि इस बार के चुनाव में कुछ?समूहों की ताकत और गतिशीलता बढ़ाकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) चुनाव परिणामों को निर्धारित करने में एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

छोटे आयकरदाताओं व मध्यवर्ग को मिलेगी राहत; अंतरिम बजट से उम्मीदें

वेतनभोगी वर्ग के लाखों छोटे आयकरदाताओं व मध्यवर्ग की शिकायत है कि चालू वित्त वर्ष के बजट में उन्हें टैक्स संबंधी राहत नहीं मिली। ऐसे में, अब महंगाई वृद्धि के कारण उन्हें कुछ आयकर राहत की अपेक्षा है। राहत देने के लिए अनुकूल आधार भी हैं। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा एक फरवरी को पेश किए जाने वाले अंतरिम बजट को फिलहाल अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिस साल लोकसभा चुनाव होते हैं, उस वर्ष दो बजट आते हैं, अंतरिम बजट और पूर्ण बजट। सामान्यतया अंतरिम बजट में नई सरकार बनने तक की व्यय जरूरतें पूरी करने का उद्देश्य होता है। वित्तमंत्री ने कहा है कि अंतरिम बजट लेखानुदान होगा। पूर्ण बजट के आगामी जुलाई में आने की संभावना है। अंतरिम बजट में लोकलुभावन योजनाओं को शामिल नहीं किया जाएगा। पर लोकसभा चुनाव के मद्देनजर वित्तमंत्री कुछ जरूरी राहत दे सकती हैं। वर्ष 2019 के अंतरिम बजट में भी किसान सम्मान निधि व आयकर राहत देने के लिए जरूरी प्रावधान किए गए थे। चूंकि विगत दिसंबर में राज्यों के उत्साहजनक चुनावी नतीजों में कल्याणकारी योजनाओं की भूमिका थी, ऐसे में, वित्तमंत्री आमजन के हितार्थ कुछ महत्वपूर्ण सामाजिक व आर्थिक कल्याण की योजनाओं के साथ छोटे आयकरदाताओं व मध्यवर्ग को राहत देने के लिए कुछ जरूरी प्रावधान कर सकती हैं। वेतनभोगी वर्ग के लाखों छोटे आयकरदाताओं व मध्यवर्ग की शिकायत है कि चालू वित्त वर्ष के बजट में उन्हें टैक्स संबंधी राहत नहीं मिली। ऐसे में, अब महंगाई वृद्धि के कारण उन्हें कुछ आयकर राहत की अपेक्षा है। राहत देने के लिए अनुकूल आधार भी हैं। हाल ही में एसबीआई की रिसर्च विंग की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2014 से 2022 के दौरान रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर प्राप्ति में भारी वृद्धि हुई है। विगत 31 दिसंबर तक आयकर रिटर्न रिकॉर्ड 8.18 करोड़ का स्तर पार कर चुका था। पिछले आठ साल में आयकर रिटर्न भरने वाले दोगुने हुए हैं और आय की असमानता में भी कमी आई है। वित्त वर्ष 2014 से 2022 के दौरान व्यक्तिगत आय असमानता 0.472 प्रतिशत से घटकर 0.402 फीसदी रह गई। इस दौरान 3.5 लाख रुपये के कम आय वाले समूह से 36.3 फीसदी लोग उच्च आय वाले समूह में शामिल हुए। पिछले एक दशक से आयकर कानून में सुधार से आयकरदाताओं को सुविधा तो मिली ही, उनकी संख्या बढ़ाने में भी मदद मिली। इन सुधारों में करदाताओं के लिए पहचान रहित अपील व्यवस्था, करदाता चार्टर और पहचान रहित समीक्षा (फेसलेस असेसमेंट) जैसे बड़े आयकर सुधार प्रमुख हैं। ऐसे ही नॉन फाइलर्स, मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमए) के जरिये ऐसे लोगों की पहचान की जाती है, जिन्होंने हाई वैल्यू ट्रांजेक्शन किया, पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया। आयकर विभाग ने आय व लेन-देन के आधार पर प्रोजेक्ट इनसाइट भी लॉन्च किया है, जिसका लक्ष्य स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना, गैर-अनुपालन को रोकना और लोगों को कर देने के लिए प्रेरित करना है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का सामना करते हुए देश की वित्तीय सेहत अच्छी है। आयकर व जीएसटी का रिकॉर्ड स्तर पर संग्रहण हुआ है। राजकोषीय घाटे को बजट लक्ष्य के मुताबिक जीडीपी के 5.9 तक नियंत्रित रखा गया है। वेतनभोगी वर्ग द्वारा अंतरिम बजट में राहत की अपेक्षा इसलिए भी न्यायसंगत है, क्योंकि वे ईमानदारीपूर्वक पेशेवरों व कारोबारी करदाताओं के वर्ग से ज्यादा आयकर चुकाते हैं। असंगठित या अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या बहुत कम आयकर देते हैं। वर्ष 2022-23 में सिर्फ 2.24 करोड़ लोगों ने आयकर दिया। यानी कुल आबादी के 1.60 फीसदी लोग ही आयकरदाता हैं। शून्य आयकर देयता वाले आईटी रिटर्न की संख्या भी बढ़कर 2022-23 में 5.16 करोड़ हो गई। इनमें अधिकांश रिटर्न वे हैं, जो उद्योग-कारोबार व पेशेवर आयकरदाताओं से संबंधित हैं। ऐसे में, आयकर न देने वाले और कम कर देने वाले लोगों की आमदनी का सही मूल्यांकन कर और उन्हें चिह्नित कर अपेक्षित आयकर चुकाने के लिए बाध्य किए जाने संबंधी कर सुधार भी अंतरिम बजट में अपेक्षित हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि वित्तमंत्री अंतरिम बजट प्रस्तुत करते हुए छोटे आयकरदाताओं व मध्यवर्ग को राहत देंगी। इससे इस वर्ग की क्रयशक्ति में वृद्धि नई मांग का निर्माण करेगी और अर्थव्यवस्था गतिशील होगी।

जनपद की पांच ग्राम पंचायत टीबी मुक्त होने की राह पर

गढ़ मुक्तेश्वर के दो और सिंभावली ब्लॉक के हैं तीन गांव

❖ दावे के बाद जिला स्तरीय वेलीडेशन टीम ने किया डेटा परीक्षण।

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। जिले की पांच ग्राम पंचायत टीबी मुक्त होने की राह पर हैं। इनमें दो ग्राम पंचायत गढ़मुक्तेश्वर और तीन सिंभावली ब्लॉक से हैं। पांचों ग्राम पंचायतों में वर्तमान में कोई सक्रिय क्षय रोगी नहीं है। सिंभावली ब्लॉक की एक ग्राम पंचायत में तीन और दूसरी ग्राम पंचायत में पूर्व में एक क्षय रोगी था। उपचार के बाद सभी चार रोगी क्षय रोग मुक्त हो चुके हैं। संबंधित ग्राम पंचायतों की ओर से टीबी मुक्त होने का दावा पेश करने के बाद क्षय रोग विभाग पहले ही डेटा परीक्षण कर चुका है। मंगलवार को जिला स्तरीय वेलीडेशन टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) - गढ़मुक्तेश्वर और सिंभावली ब्लॉक स्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) का दौरा कर डेटा परीक्षण किया। जिला स्तरीय टीम में आईएमए से डा. आनंद प्रकाश और जिला पंचायती राज अधिकारी के प्रतिनिधि के तौर पर जिला कार्यक्रम समन्वयक (डीपीसी) गोपाल राय शामिल रहे। ?डेटा परीक्षण के दौरान स्वयं जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डा. राजेश सिंह और इस कार्य के लिए फैसिलिटेटर नियुक्त किए गए जिला पीपीएम समन्वयक सुशील चौधरी मौजूद रहे। सबसे पहले टीबी मुक्त घोषित किए जाने के लिए दावा करने वाली ग्राम पंचायतों में गढ़मुक्तेश्वर ब्लॉक से लोधीपुर और कल्याणपुर एवं सिंभावली ब्लॉक से नवादा कला, अट्टा धनावली और असरा ग्राम पंचायत शामिल हैं। इनमें से किसी भी ग्राम पंचायत में कोई सक्रिय क्षय रोगी नहीं है। नवादा कला में पूर्व में तीन और अट्टा धनावली में एक क्षय रोगी था, सभी चारों रोगी उपचार के बाद क्षय रोग मुक्त हो चुके हैं। डीटीओ डा. राजेश सिंह ने बताया - जिला स्तरीय वेलीडेशन टीम ने सीएचसी - गढ़ मुक्तेश्वर और ब्लॉक पीएचसी सिंभावली का दौरा कर टीबी नोटिफिकेशन और टीबी लैब रजिस्टर का परीक्षण किया। टीम ने अट्टा धनावली गांव का दौरा कर पूर्व क्षय रोगी का साक्षात्कार भी किया। टीम की रिपोर्ट को क्षय रोग विभाग की ओर से जिले को भेजा जाएगा। इसके बाद राज्य स्तरीय वेलीडेशन टीम और सेंट्रल वेलीडेशन टीम इन ग्राम पंचायतों का डेटा परीक्षण करेंगी। परीक्षण कार्य के आधार पर जिलाधिकारी की ओर से संबंधित ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत का प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। बतौर फैसिलिटेटर टीम के साथ रहे जिला पीपीएम समन्वयक सुशील चौधरी ने बताया - जिला स्तरीय वेलीडेशन टीम का डेटा परीक्षण संतोषजनक रहा। इस दौरान सीएचसी गढ़मुक्तेश्वर पर वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक (एसटीएस) रामसेवक और गजेंद्र पाल सिंह एवं एलटी महेंद्र ने और सिंभावली ब्लॉक पीएचसी पर वरिष्ठ प्रयोगशाला पर्यवेक्षक दुर्वेश कुमार और एलटी अमरजीत ने सहयोग किया।

संविधान खतरे में भारी अब लड़ने की करो तैयारी-बेखौफ शायर

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। पूर्व आईएस अधिकारी,दलित लेखक संघ के अध्यक्ष व वरिष्ठ शायर वी.के.शेखर के आयोजन में लवेणडर रिट्रीट फार्म, शिवालिक ग्रीनस फार्म हाउस पिलखुवा मे दलित लेखक संघ के बैनर तले एक बड़े कवि सम्मेलन व मुशायरे का आयोजन किया। जिसमें दूर दूर के कवि व शायरो ने हिस्सा लिया। तो वही हापुड़ के चर्चित बेखौफ शायर डा.नरेश सागर ने आज के हालातों पर तंज कसते हुए कहा कि संविधान खतरे में भारी,अब लड़ने की करो तैयारी, आज अगर ना तुम जागे तो,छीन जाएगी हिस्सेदारी। तो वही शामली से आये वरिष्ठ कवि प्रदीप मायूस ने कुछ यूं पढा कि आंखें निकाल लेंगे और खेलेंगे गोटियां। कोई नजर उठाए तो हिन्दूस्तान पर। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनीता भारती ने की जो एक बड़े लेखक के रूप में जानी जाती है,विशिष्ट अतिथि कमलेश भट्ट कमल,सपना चमडिया, सुरेंद्र सिंघल व वरिष्ठ कवि कर्मशील भारती रहे तो वहीं मुख्य अतिथि विज्ञानवृत जी रहे। कार्यक्रम में योगेंद्र सुंदरयाल, रमेश भंगी, अजय तोमर, डा.जगदीश व्योम, संतोष पटेल,इंद्रजीत सुकुमार, रमेश प्रजापति, सुचित्रा बौद्ध ,नामदेव व दिनेश प्रधान आदि उपस्थित रहे । कार्यक्रम की समाप्ति के समय जनकवि/ बेखौफ शायर डा. नरेश सागर जी की किताब शोषण और संघर्ष का भी विमोचन किया, प्रशिद्ध लेखिका अनिता भारती ने कहा कि हमनें इससे पहले भी सागर साहब की एक किताब और पढी है जिसके लिए मैं ये कहना चाहती हूं कि हमनें पढी शब्दों के शूल।

दर्द की जिसमें उठती हूल।
अपनी और दुश्मन की भूल।
खूब हिलादी सबकी चूल।।

कवि सम्मेलन का सफल मंच संचालन वी.के.शेखर ही किया।

एक नज़र

नंगे पैरों में चप्पल पहन खिल उठे बच्ची के चेहरे

बच्चे कच्चे घड़े की तरह होते हैं जैसे ढालोगे वैसे ढलते चले जाएंगे- चेतन कुमार

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार हापुड़। साथ-साथ अन्य शहरों में भी शीत लहर के चलते कड़ाके की ठंड पड़ रही है तो वही हापुड़ शहर में तहसील चौराहे के आस पास सैकड़ो ठहरे हुए वाहनों में बैठे लोगों से कड़कड़हाटी ठंड के बीच नंगे पैर हाथो में कटोरा लेकर मांगते हुए बच्ची को देख चेतन कुमार पत्रकार से रहा नहीं गया और बच्ची को दुकान पर ले जाकर जूते ना पहनने की जिद पर पैरों में चप्पल पहनाई गई तो बच्ची का चेहरा खिल उठा। वही चेतन कुमार पत्रकार ने सभी से क्षेत्र व देशवासियों से हाथ जोड़कर विनती की कड़कड़हाटी ठंड में जरूरतमंद लोगों को अपनी इच्छा के अनुसार सहायता जरूर करें। इसीलिए आप इग्नोर मत करना हाँ, जितना हो सके उनकी मदद जरूर करें। नामुमकिन को मुमकिन करना आपका कर्तव्य कहता है। क्योंकि बच्चे कच्चे घड़े की तरह होते हैं जैसे ढालोगे वैसे ढलते चले जाएंगे।

रोजगार मेला में 80 बच्चों को मिला रोजगार का अवसर

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया

काकोरी ।विकास खंड मुख्यालय पर रोजगार मेला का आयोजन हुआ। मंगलवार को विकास खण्ड में जिला कार्यक्रम प्रबंधक इकाई,उ0प्र0 कौशल विकास मिशन एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में दीन दयाल उपाध्याय-ग्रामीण कौशल्य योजनान्तर्गत रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमे 340 प्रतिभागियों ने भाग लिया उसमे से 80 बच्चो को रोजगार हेतु अवसर प्रदान किया गया। रोजगार मेला में मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष रवि राज लोधी तथा बीडीओ अमित सिंह परिहार , एडीओ मनसुख लाल उपस्थित रहे। प्रशिक्षण प्रदाता पृथ्वी फाउंडेशन,विश्वामित्र शिक्षण संस्थान,मेधावी फाउंडेशन,द्वारा बढ़कर प्रतिभाग किया गया।

कड़कती ठंड मे शिफा नेम सेवा ट्रस्ट द्वारा वितरित किए शॉल

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार हापुड़। मंगलवार को दिल्ली रोड स्थित मौहल्ला चमरी मे शिफा नेम सेवा ट्रस्ट नेतृत्व मे कड़कती ठंड मे बचाव के लिए जरूरतमंदो को गर्म शॉल वितरित किए। संगठन के अध्यक्ष कलवा हसीन ने बताया कि जरूरतमंदो को कड़कती ठंड से बचाव के लिए हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी शाल वितरण किए गए हैं। वहीं समाजसेवी व किसान नेता नीरज गुर्जर ने बताया इस वर्ष भी जरूरतमंदो लोगों को शॉल वितरित किए गए। और सभी लोगों को आपस में सेवा धार्मिक व्यवहार मे रहना चाहिए एवं समाज के सभी धर्म का सम्मान करना चाहिए। इस अवसर निरज गुर्जर सभासद विकास दयाल, सत्येंद्र कुमार, शाहनवाज अली, नौशाद अली, नफीस फर्रुखुद्दीन, बदरुद्दीन, नीरज आजाद, इमरान अफसाना, शबाना, अजय व शोभित आदि लोग मौजूद रहे।

युवा नेता ने घर-घर किया अक्षत वितरण, श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के लिए दिया निमंत्रण

द अचीवर टाइम्स रमेश चन्द्र

लखीमपुर खीरी। श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पूर्व पूजित अक्षत घर-घर पहुंचाने का अभियान खीरी जिले के फरधान क्षेत्र के धौरहरा ग्राम पंचायत में भी जारी रहा। मंगलवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता बालमुकुंद दीक्षित भाजपा के युवा नेता अनिल मिश्रा उर्फ टोनी मिश्र ग्राम धौरहरा खुर्द प्रधान रविंदर वर्मा ने अपनी टीम के साथ घर-घर जाकर लोगों को पूजित अक्षत निमंत्रण पत्र एवं श्रीराम मंदिर का चित्र भेंट कर आमंत्रित किया। आसपास के गांव धौरहरा खुर्द, नरदवल के बूथ अध्यक्ष अंकुश मिश्रा समेत कई गांवों भ्रमण पूजित अक्षत और आमंत्रण पत्र वितरित किए। इस मौके पर आशुतोष शुक्ला, रमेशचंद, धौरहरा खुर्द बूथ अध्यक्ष अजय गुप्ता समेत कई लोग मौजूद रहे सभी ने अक्षत और पत्रक बांटे।

ड्यूटी के दौरान दरोगा की बिगड़ी हालत, मौत

बाराबंकी। पुलिस लाइन में तैनात एक दरोगा की अचानक हालत बिगड़ी और अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित का दिया गया। हार्टअटैक से मौत की संभावना है। पोस्टमार्टम कराया गया है। पुलिस के अनुसार दरोगा रणजीत बहादुर सिंह (57) बलिया जिले के बैरिया थाना क्षेत्र के नौका गांव के निवासी थे। रविवार को पुलिस लाइन की सुरक्षा निगरानी में गेट पर ड्यूटी लगी थी। अचानक उनकी तबियत खराब हुई। उन्हें अचेत होते देख साथी पुलिसकर्मी अस्पताल ले गए, जहां मृत घोषित कर दिया गया।

चलो अयोध्या धाम बुलावा श्री राम आया है श्री राम काव्य राष्ट्रीय साहित्य संस्था के तत्वाधान में विराट कवि सम्मेलन आयोजित हुआ

❖ हे राम तुम्हारा अभिनंदन भगवान तुम्हारा शत वंदन- राष्ट्रीय संयोजक श्री राम काव्य राष्ट्रीय साहित्य संस्था अयोध्याधाम

संवाददाता

पिलखुवा। श्री राम काव्य राष्ट्रीय साहित्य संस्था अयोध्या धाम के तत्वाधान में एक विराट कवि सम्मेलन पिलखुवा में आयोजित किया गया कार्यक्रम में लगभग 60 रचनाकारों ने भाग लिया कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार व श्री राम काव्य राष्ट्रीय साहित्य संस्था के संयोजक अशोक गोयल ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में निर्दोष जैन लक्ष्य कवयित्री बीना गोयल ,रितु गर्ग सिलीगुड़ी रही । कार्यक्रम की सुंदर शुरुआत प्रसिद्ध गीतकार मुनेंद्र प्रेम ने की, मां सरस्वती की वंदना वरिष्ठ कवयित्री बीना गोयल ने की । अतिथियों का स्वागत कवि रवेंद्रपाल ÷रसिक÷ मथुरा ने बहुत सुंदर गीत से किया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन रामवृक्ष बहादुरपुरी अंबेडकर नगर व रेखा गिरीश मेरठ ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में लगभग 60 रचनाकारों ने भाग लिया कार्यक्रम में सभी रचनाकारों ने अपनी राममयी रचना से पटल को अयोध्या धाम में विराजित प्रभु श्री राम को सार्थक किया।वरिष्ठ कवि अशोक गोयल ने कहा भले ही आज हम अयोध्या धाम में सशरीर नहीं है वरन मन अयोध्या धाम में और तन आज इस कार्यक्रम में विराजमान है,प्रभु श्री राम हमारे आदर्श है सभी को इससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।शुरू से अंत तक कार्यक्रम राममय तो था ही सभी रचनाकारों की रचनाओं से कार्यक्रम बहुत ऊंचाइयां को छुआ। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय संयोजक कवि अशोक गोयल ने उपस्थित सभी रचनाकारों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में झांसी से रमाशंकर चतुर्वेदी कानपुर से रज्जन राजा, महाराष्ट्र नागपुर से चंद्रकला भरतीया, प्रयागराज से डॉ शशी जायसवाल, मथुरा से रविंद्र पाल रसिक, झारखंड से डॉ राजीव कुमार दास, मथुरा से आचार्य निर्मल, धामपुर बिजनौर से श्रीमती ज्योतिराज मधुरिमा, वीणा आडवाणी, पिलखुवा से कवयित्री बीना गोयल, दिल्ली से चंचल हरेंद्र वशिष्ठ, कासगंज उत्तर प्रदेश से गीतकार मुनेंद्र प्रेम, महुआ वैशाली बिहार से प्रीतम कुमार झा, पिलखवा से बालकवि नविका गोयल, ममता श्रवण अग्रवाल, प्रयागराज से देवी प्रसाद पांडेय , गुजरात से डॉक्टर गुलाबचंद पटेल, इंदौर से डॉक्टर शशि कला अवस्थी, कवित्री अन्नपूर्णा मालवीय, बिजनौर से प्रो .पूनम चौहान, राजस्थान से कवि सुनीला नंद, गोंडा से महेश चंद्र, मेरठ से कवयित्री अरुण पवार, गाजियाबाद से कवयित्री कल्पना कौशिक, व कवि विजय ढांगे के अतिरिक्त अनेक रचनाकार की रचनाओं से श्रोताओं ने आनंद उठाया।

बिना दूल्हे की बारात की तरह चल रहा महाठगबंधन- विनीत शारदा

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। मंगलवार को प्रदेश संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ विनीत शारदा चेंबर ऑफ कॉमर्स में चण्डी रोड व्यापारी संगठन को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी ने एक नया महाठगबंधन बन कर तैयार कर लिया है लेकिन उन पार्टियों के सर्वे सर्वा गिरगिट की तरह रंग बदलते रहते हैं कोई पार्टी का मुखिया कभी कुछ कहता है तो कोई पार्टी का मुखिया उसे दूसरी बात को पलट कर कह देता है आपस में घमासान मचा हुआ है अभी तक तो महाठगबंधन का कोई ठिकाना ही नहीं है बिना दूल्हे की बारात की तरह यह महा ठगबंधन चल रहा है पहले तो विपक्षी प्रमुख रूप से कांग्रेस सरकार ने राम के अस्तित्व को मानने से इनकार ही कर दिया और अब विरोधी दल इस इंतजार में बैठे हैं कि कब उन्हें अयोध्या जाने का न्योता मिलेगा बार-बार अपना रंग बदल करके जनता को ठगने के लिए यह महाठगबंधन बनाया है लेकिन जनता जानती है कि 2024 में उनके कारनामों का जवाब वोट रूपी आशीर्वाद देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार सेवा का मौका प्रदान करेंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ विनोद गुप्ता, ललित छावनी वाले, अजय मुर्गी दाना वाले, प्रवीण सिंघल,आकाश जैन,राहुल बंसल, राजीव गर्ग व मयंक गोयल आदि लोगों उपस्थित रहे।

फरार आरोपी को गिरफ़्तारी करवाने पर कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन द्वारा दिया जाएगा 10000 हजार रुपये का इनाम

द, अचीवर टाइम्स पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश, कटनी। कटनी के थाना बहोरीबंद मे दर्ज प्रकरण धारा 302,34 भादवि में आरोपी रमेश पिता रामलाल पटेल 50 साल निवासी मझौली रोड बचैया थाना बहोरीबंद जिला कटनी घटना कारित करने के पश्चात से फरार हैं, उक्त फरार आरोपी की हरसंभव पत्तासाजी करने के पश्चात भी प्रकरण के आरोपी रमेश पटेल का कोई पता नही चला हैं। इसी क्रम मे आज दिनांक को कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन द्वारा उक्त प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एवं पुलिस रेगुलेशन के पैरा क्रमांक 80-ए मे निहित दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा की गई है कि जो कोई व्यक्ति प्रकरण के आरोपी रमेश पिता रामलाल पटेल 50 साल निवासी मझौली रोड बचैया थाना बहोरीबंद जिला कटनी के सम्बन्ध मे ऐसी सार्थक सूचना प्रदान करें, जिससे आरोपी की गिरफ़्तारी की जा सके। उस व्यक्ति को नगद 10000/- (दस हजार रूपये) के ईनाम से पुरस्कृत किया जावेगा, सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जावेगा पुरस्कार वितरण के संबंध में अंतिम निर्णय पुलिस अधीक्षक जिला-कटनी (मध्यप्रदेश) का होगा।

मेरठ व बुलंदशहर जिले सहित हापुड़ के जुआघर संचालक के मकान से जुआ व सट्टा खेल रहे 17 लोगों को हापुड़ नगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। जुआ व सट्टेबाजी का खाईबाड़ी का भंडाफोड़ करते हुए नीरज कुमार थाना हापुड़ नगर प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम उप निरक्षक हरि कुमार व उप निरीक्षक नईम अहमद ने मीनाक्षी रोड के मौहल्ला मुजफ्फरपुरा निवासी राजेंद्र उर्फ राय पुत्र प्रसाद के घर छापा मारकर मेरठ, बुलंदशहर व हापुड़ जिले के राजेन्द्र उर्फ राय पुत्र भगवत प्रसाद निवासी मो0 मुजफ्फरपुरा, शक्ति सिंह ग्राम दादरी, शोभित निवासी मो शास्त्री नगर, वेद प्रकाश, कमल व भविष्य तीनों निवासी मौ भगवतपुरा थाना ब्रह्मपुरी जनपद मेरठ, नासिर निवासी चर्च वाली गली मो0 सोफियान थाना हापुड़, कुलदीप निवासी ग्राम कैली थाना खरखौदा जनपद मेरठ, मदन लाल मो0 सुभाषनगर व ओम प्रकाश निवासी ग्राम खड़खड़ी थाना हापुड़ देहात, आबिद हसन निवासी मो0 सिकन्दर गेट मोती कालोनी थाना हापुड़ नगर, रिकू कुमार मो0 कासमपुरा थाना हापुड़ नगर,भोला निवासी जसरूपनगर मोदी नगर रोड, मुकेश कुमार निवासी न्यू श्री नगर कालोनी देवलोक, थाना हापुड़, संजीत कुमार गौतम निवासी ग्राम बढ़नपुर थाना बाबूगढ़ छावनी जनपद हापुड़ के साथ ईश्वर सिंह निवासी ग्राम सैदपुर थाना बीबीनगर जनपद बुलन्दशहर के 17 लोगों जुआरी व सट्टेबाजों को रंगो हाथ गिरफ्तार किया है जिनके कब्जे घटनास्थल से 1,14,895/- रुपये नकदी 18 मोबाईल फोन (12 टच स्क्रीन मोबाइल व 06 की-पैड मोबाइल, 05 कैलकुलेटर, 01 लैपटॉप मय चार्जर, 74 रशीद बुक, 28 रजिस्टर, 6 डेली डायरी, 537 ताश की गड्डी, 1 क्यूआर कोड, 03 फ्लैक्स बोर्ड, 2 पेन आदि बरामद हुए हैं वहीं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि उपरोक्त गिरफ्तार 17 अभियुक्तों में से राजेन्द्र उर्फ राय शातिर किस्म का अपराधी है जो मीनाक्षी रोड पर स्थित मोहल्ला मुज़फ्फरपुरा में छोटी-छोटी गलियों में बने अपने मकान में जुआ व सट्टा खिलाता है और जो तक्क कोड़ अपने मोबाइल नंबर से लिंक कर ऑनलाइन पेमेन्ट करके भी जुआ और सट्टा खिलाकर आर्थिक लाभ कमाता है। इसके खिलाफ अब से पहले भी थाना हापुड़ नगर मे सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत अनेक मुकदमे पंजीकृत है उपरोक्त गिरफ्तारी एवं बरामदगी के सम्बन्ध में थाना हापुड़ नगर पर अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

किसी भी विभाग की गलती की वजह से जनपद की रैंकिंग खराब नहीं होनी चाहिए-डीएम,हापुड़

सीएम डैसबोर्ड पर 62 वी रैंकिंग प्राप्त होने पर अधिकारियों को डीएम ने लगाई फटकार

❖ अधिकारियो का व्यक्तिगत उत्तरदायित्व तय करने का डीएम ने लिया निर्णय।

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने सीएम डैसबोर्ड पर जनपद की 62 वी रैंकिंग प्राप्त होने पर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन तथा प्रभावी अनुश्रवण करने के निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए स्थापित सीएम डैसबोर्ड पर किसी भी विभागीय योजना की रैंकिंग खराब न होने पायें। पिछले तीन माह से जनपद की रैंकिंग लगातार गिर रही जो योजनाओं के शिथिल क्रियान्वयन को दर्शाता है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए आगामी माह में श्रेणी ए में हर हालत में लाने के निर्देश दिए।समीक्षा बैठक मे पशु चिकित्सा विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, कोऑपरेटिव विभाग, विद्युत विभाग, वन विभाग, उद्योग विभाग, चिकित्सा विभाग, पंचायती राज विभाग, लोक निर्माण विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग तथा अन्य विकास विभागों के कार्यक्रमों की प्रगति सीएम डैसबोर्ड निम्न रैंकिंग होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कुछ विभागीय योजनाओं की धीमी प्रगति से जनपद की रैंकिंग पर बुरा असर पड़ रहा है। जिन विभागों का आइजीआरएस और जनसुनवाई मे खराब स्थिति है वह शिकायतों का त्वरित तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करायें साथ ही बार बार की जाने वाली शिकायतों स्पेशल क्लोज कराया जाना सुरक्षित करें साथ ही जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी से स्पेशल क्लोज की प्रत्येक सप्ताह समीक्षा करने के निर्देश दिए। अधिकतर विभागों द्वारा नान टैक्स रिवेन्यू में निम्न रैंकिंग प्राप्त किए जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग की अधिकारियों से अपने मुख्यालय से बात करके निस्तारण करने के निर्देश दिए। कुछ विभागों द्वारा उनके मुख्यालय से अधिक लक्ष्य निर्धारण करने तथा गलत डाटा फीडिंग करने की जानकारी दी गई जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियो से मुख्यालय से पत्राचार करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी विभाग की गलती की वजह से जनपद की रैंकिंग खराब नहीं होनी चाहिए यदि इस माह खराब रैंकिंग प्राप्त होती है तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक के दौरान मुख्य विकाश अधिकारी अभिषेक कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक,चेयरमैन व मंत्री धर्मपाल सिंह की मनाई जयंती, वितरित के कंबल

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। नगर पालिका से पूर्व प्रत्याशी मानवी सिंह ने अपने पिताजी पूर्व विधायक,चेयरमैन व मंत्री रहे स्वर्गीय धर्मपाल सिंह की जयंती पर शहर में जगह जगह जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किये। तो वही शाम के समय बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पूर्व नगर पालिका चेयरमैन प्रत्याशी मानवी सिंह ने अपने पिताजी की जयंती पर उनके चित्र के सम्मुख कैंडल जलते हुए नम आंखों से याद किया। तो वही मीडिया से रूबरू होते मानवी सिंह ने बताया कि उनके कार्यकाल में हापुड़ शहर में समाज हित में किए कार्य को कोई भुला नहीं सकता और उनके नक्शे कदम पर चलकर मैं तन मन धन से सेवा करने के लिए तैयार हूँ। उनकी जयंती पर बाबूराम भारती बेधड़क अरुण कुमार उर्फ राजा भैया,विक्रम कॉल, रजनीश पायलट, कैलाश कुमार व इंद्रराज प्रधान आदि लोग उपस्थित रहें।

कृषि विवि में विदेशी छात्रों में भी दिखा रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्साह

विश्वविद्यालय में लगाए जय श्रीराम के नारे, कुलपति के साथ की साफ सफाई

संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर आचार्य नरेंद्र कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में दूसरे दिन भी स्वच्छता अभियान का दौर जारी रहा। भगवान रामलला के प्रति मन में प्रेम का भाव विदेश से आए छात्र-छात्राओं के अंदर भी देखने को मिला। इन विदेशी छात्र-छात्राओं ने कुलपति के साथ जमकर फावड़े चलाए और साफ-सफाई की। इस दौरान छात्रों ने जय श्रीराम के नारे भी लगाए ।सुबह-सबह सफाई अभियान की शुरुआत गेट नंबर दो से की गई। विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, वैज्ञानिक, एनसीसी एवं एनएसएस के छात्र-छात्राएं सभी ने मिलकर सड़क के दोनों बगल जमा घासों की सफाई की। पहले से लगे हुए पौधों को रोका जा सके। एनएसएस की सभी इकाइयां एवं एनसीसी कैडेटों ने भी इस अभियान में हिस्सा लिया । इस दौरान कुलपति ने छात्र-छात्राओं से अपील किया कि वे पढ़ाई के साथ-साथ अपने छात्रावास के आसपास के पर्यावरण को भी स्वच्छ रखें। सफाई अभियान छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ डी.के द्विवेदी की देखरेख में चलाया गया। इस मौके पर समस्त अधिष्ठाता, थाला बनाकर सुरक्षित किया गया। सड़कों पर लटक रहे पेड़ों को काटकर हटाया गया, जिससे कि किसी प्रकार अप्रिय घटना को निदेशक, छात्रावास अधीक्षक, शिक्षक कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने सफाई अभियान में हिस्सा लिया।

बिजली विभाग के अधिकारी व कर्मचारी किसानों के कनेक्शन ना काटे-पवन हूण

- भाकियू अराजनैतिक का 3 सूत्रीय मांगो को लेकर बिजली घर पर धरना प्रदर्शन।
- मांग ना मानने पर बिजली विभाग के खिलाफ बड़े आंदोलन का किया ऐलान।

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। मंगलवार को सिंभावली बिजली घर पर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक कार्यकर्ताओं ने तीन सूत्रीय मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन किया। तो वही जिलाध्यक्ष पवन हूण ने बताया बिजली विभाग द्वारा किसानों के उत्पीड़न व विभिन्न समस्याओं जैसे दतियाना व धनपुरा गांव के बिजली घर से केवल से सप्लाई बड़े बिजली घर जिससे 60 से 70 गांव प्रभावित है। बड़े बिजली घर सिंभावली से दतियाना व धनपुरा का बिजली सप्लाई का एक ही केवल है इसके होने के कारण आए दिन बिजली फाल्ट होते रहते हैं जिससे किसानों को जिसकी आपूर्ति सप्लाई सही नहीं मिलती जिससे 60 से 70 गांव प्रभावित है जिसके चलते निम्न समस्याओं को देखते हुए केवल अलग-अलग होना चाहिए किसानों की है मुख्य मांग है जो लगातार संगठन के माध्यम से उठाई जा रही है जिस पर अभी तक कोई कार्य शुरू नहीं हुआ है जिसे जल्द ही कर दिया। जाए अगर यह जल्दी ही पूर्ण नहीं किया गया तो बिजली विभाग के खिलाफ बड़े आंदोलन का ऐलान किया जाएगा। किसानों के मुख्य फसल गन्ना होने के करण अभी तक करने के पेमेंट की स्थिति इतनी खराब है जिसके लिए जिले के अधिकारी हापुड़ किसानों के लिए गन्ना पेमेंट पर चुप्पी सादे हुए हैं जब किसानों को उनकी फसल का दाम व ब्याज सहित व सही समय से नहीं मिल पा रहा है तो बिजली का बिल देने में किसान थोड़ा रुक जाता है तो बिजली विभाग के अधिकारी व कर्मचारी गांव में किसानों के कनेक्शन ना काटे किसानों पर ऑफिस में बैठकर जबरदस्ती बिजली चोरी के नोटिस जारी न किए जाएं, किसानों के खेती की ट्यूबेल के कोई बिल अभी तक माफ नहीं है इस कार्य को जल्द ही धरातल पर लाया जाए। इस मौके पर रूप राम सिंह, राधे लाल त्यागी, पूनम त्यागी, मोनू त्यागी, अतुल त्यागी, जितेंद्र नागर, अनिल हूण, मनोज कुमार, पवन, शमशाद चौधरी, आमिर चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

एक नज़र

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य रोजगार मेले का आयोजन

अस्तित्व चैरिटेबल ट्रस्ट पता-मेला आलम शाह बांगरमऊ

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव द्वारा संचालित (डीडीयू जीजेवाई)केंद्र पर किया गया। मेले में जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुजीत सिंह के मुताबिक , पीएनजी हर सर्विसेज मिलियन माइंड्स लिमिटिड, शुभनील प्राइवेट लिमिटेड एमपी एंटरप्राइजेज , सहित अन्य 11 कंपनियों ने मेले में युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किये जिसमे की 98 युवाओं को चयनित कर ऑफर लेटर भी प्रदान किये गए । इस दौरान जिला कौशल प्रबंधक श्री आशीष तिवारी, ओम शांति एजुकेशनल की अध्यक्ष श्रीमती डॉ नीलम अग्रवाल द्वारा छात्रों का मार्गदर्शन किया गया । साथ ही श्री कुँवर शुभम जी, केंद्र प्रबंधक श्री योगेश कुमार मुख्य प्लेसमेंट अधिकारी अनामिका पटेल, शैलेन्द्र चौधरी, रजनीश शुक्ला, शिवेंद्र शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम मे पूर्व सांसद के पुत्र को नसीब न हुई एक भी माला

द अचीवर टाइम्स अखिलेश दास

बाराबंकी। मंगलवार को तहसील सिरौलीगौसपुर के बदोसराय कस्बे मे आये सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के कार्यक्रम मे दलित समुदाय के लोगों को काफी अपमान झेलना पड़ा। एक पूर्व सांसद के पुत्र और उनकी पुत्र वधू को मंच पर चढ़ने तक नही दिया गया। काफी जद्दोजहद के बाद पूर्व सांसद की पुत्र वधू तो मंच पर पहुंच गयी लेकिन उनके पुत्र मंच के नीचे ही खड़े रहने को मजबूर रहे। एक तरफ जहां उन्होंने स्व. अशर्फी लाल यादव की मूर्ति पर फूल माला चढ़ाई। वहीं चंद कदमों दूर बदोसराय कस्बे मे स्थित स्व. रामसेवक यादव की मूर्ति पर माला चढ़ाने की जहमत न तो राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उठाई और न ही सपा के जिले के दिग्गज नेताओं ने ही मूर्ति स्थल पर जाना मुनासिब समझा। जबकि इसी चौराहे से राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित सैकड़ो सपा नेताओं का काफिला गुजरा। मंच पर तो स्व. रामसेवक यादव का नाम अपने उद्बोधन मे सभी लोगों ने लिया लेकिन चौराहे पर स्थित उनकी मूर्ति स्थल पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करना किसी ने जरूरी नही समझा। जानकारी के अनुसार विधानसभा रामनगर के सपा विधायक फरीद महफूज किदवाई ने स्व. अशर्फी लाल यादव को श्रद्धांजलि देने के लिए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को बुलाया था। जब जनपद के सपा कार्यकर्ताओं को इस बात की जानकारी हुई तो 16 जनवरी को बदोसराय कस्बे मे अखिलेश यादव आ रहे हैं तो उनके कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सपा के दिग्गजों ने रात दिन एक कर दिया। सपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने उक्त कार्यक्रम को पार्टी कार्यक्रम न मानकर रामनगर विधायक का निजी कार्यक्रम मान करके पहले कार्यक्रम से किनारा करने की कोशिश की। उन्होंने जनपद के समर्थकों को कार्यक्रम मे आने के लिए कहा तक नही।

बाराबंकी पुलिस ने 14.50 लाख के 105 मोबाइल फोन किए बरामद

द अचीवर टाइम्स अखिलेश दास

बाराबंकी। जनपद पुलिस ने खोए हुए 105 मोबाइल फोन को बरामद किया है. इन सभी की कीमत 14.15 लाख रुपये बताई गई है. इन खोए हुए मोबाइलों को इनके मालिकों के सुपुर्द करने की कार्रवाई की गई. पुलिस लाइन में एसपी दिनेश कुमार सिंह द्वारा जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रो में खोए/कही गिर गए मोबाइल की बरामदगी करने हेतु प्रभारी सर्विलास रमाकांत भारतीय के नेतृत्व में एक मोबाइल रिकावरी टीम का गठन कर शीघ्र आवश्यक करवाई किए जाने हेतु निर्देशित किया गया था सर्विलास टीम कठिन परिश्रम करते हुए 105 मोबाइल बरामद करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की। इस पर एसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रभारी सर्विलांस रमाकांत भारतीय व उनकी टीम को इन खोए हुए मोबाइलों को बरामद करने के लिए लगाया था. बाराबंकी पुलिस ने विभिन्न व्यक्तियों के 105 एंड्रायड मोबाइलों को बरामद कर लिया. इनकी अनुमानित कीमत लगभग 14.50 लाख रुपए बताई जा रही है.जब मोबाइल फोन स्वामियों को सौंपा तो लोगों ने बाराबंकी पुलिस का शुक्रिया अदा किया.

अयोध्या जनपद के सभी विद्यालयों में हुआ अवकाश

अयोध्या। शीत लहर के चलते अयोध्या में कक्षा 1 से 12 तक के समस्त परिषदीय राजकीय अशासकीय सहायता प्राप्त निजी मान्यता प्राप्त सीबीएसई आईसीएसई बोर्ड सहित एवं केजीबीवी विद्यालयों को 20 जनवरी तक बंद किए गए । प्रयोगात्मक परीक्षाएं यथावत चलती रहेगी, शिक्षक शिक्षा मित्र अनुदेशक एवं अन्य सभी कर्मी विद्यालय में उपस्थित रहकर अन्य प्रशासनिक कार्य का दायित्व करते रहेंगे, 20 तक बंद रहेंगे स्कूल, 21 को रविवार, 22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश, 23 जनवरी को पुनः खुलेंगे स्कूल । इस बाबत जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने जारी किया आदेश।केंद्रीय विद्यालय भी 20 जनवरी तक बंद, राज्य सरकार के स्कूल बंद होने के बाद केंद्रीय विद्यालय ने भी लिया फैसला, 21 को रविवार, 22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश, 23 जनवरी को पुनः खुलेगा स्कूल।

अयोध्या में चार दर्जन एल ई डी वाहन द्वारा होगा अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह का प्रसारण

संवाददाता

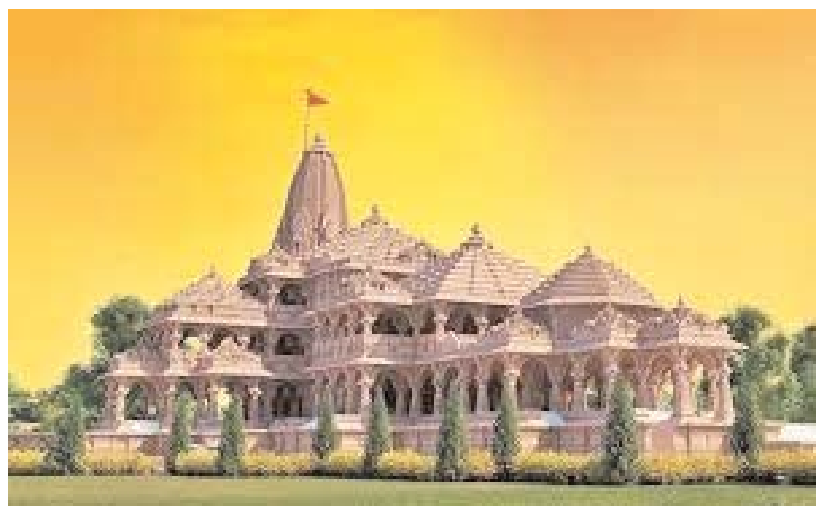

अयोध्या। मण्डलायुक्त गौरव दयाल और जिलाधिकारी नितीश कुमार एवं सूचना निदेशक लखनऊ के निर्देश पर बताया है कि उप निदेशक सूचना डॉ0 मुरलीधर सिंह ने बताया है कि सूचना निदेशक उ0प्र0 के कार्यालय से प्राप्त सूचना के आधार पर अयोध्या जनपद को दिनांक 22 जनवरी 2024 श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह आदि के लिए जनपद को चार दर्जन से ज्यादा एल0ई0डी0 वाहन आगामी 26 जनवरी 2024 तक प्राप्त हुई है जो प्रचार एजेंसियो के माध्यम से संचालित होते है, इनका मुख्य कार्य मा0 प्रधानमंत्री जी एवं मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रमो का सजीव प्रसारण तथा सांस्कृतिक एवं धार्मिक सीरियल पर आधारित कार्यकमों व शासन की योजनाओं को प्रसारित करना है, इनकी प्रसारण की अवधि लगभग 08 से 09 घंटे तक होती है। इन एल0ई0डी0 वैनो को अयोध्या शहर के विभिन्न स्थानों यथा-गुप्तारघाट, कनक भवन, कारसेवकपुरम, रामकथा संग्रहालय, भजन संध्या स्थल, तुलसी उद्यान, पूराबाजार, तारून, मयाबाजार, मिल्कीपुर, मवई, अमानीगंज, सोहावल, मसौधा, हरिग्रंटनगंज व बीकापुर ब्लाक में तथा नगर अयोध्या धाम बस अड्डा, नगर निगम कार्यालय आदि के साथ-साथ तहसील यथा-मिल्कीपुर, बीकापुर, रूदौली व गोसाईगंज में तथा ब्लाक यथा-पंचायत यथा-भरतकुण्ड, गोसाईगंज व कटरौली आदि के क्षेत्रो में प्रचार प्रसार हेतु संबंधित वाहनो को तैनात किया गया है। एल0ई0डी0 वैन के आपरेटर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियो, सत्ताधारी पार्टी के जनप्रतिनिधियो के निर्देशानुसार संचालित करेंगे तथा मा0 वरिष्ठ अधिकारियो, जनप्रतिनिधियो के निर्देश पर इसमें कोई परिवर्तन होगा तो तत्काल इस व्हाटसअप ग्रुप के माध्यम से जानकारी दी जायेगी तथा इसमें विशिष्टजनो के आगमन/प्रस्थान को ध्यान में रखते हुए किया जायेगा तथा आगामी दिनों में सूचना विभाग से और एल0ई0डी0 वाहन/एल0ई0डी0 वाल की कल दिनांक 15/16 जनवरी तक आने की सम्भावना है। शहर के अन्य स्थानों पर मा0 जनप्रतिनिधिगणों व पूज्य साधु-संतो एवं गणमान्य व्यक्तियों के मांग पर सुरक्षा बिन्दु को देखते हुये एलईडी की स्थापना की जायेगी। शहर के विभिन्न मंदिरों में सूचना एवं संस्कृति विभाग द्वारा रामायण पर आधारित लोक कलाकारों द्वारा कार्यक्रम किये जायेंगे। इस सम्बंध में उपनिदेशक सूचना के मोबाइल नम्बर 7080510637 पर जानकारी प्राप्त कर सकता है। उपनिदेशक ने यह भी बताया कि मीडिया सेन्टर की तैयारी अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय के प्रथम तल पर शुरू हो गयी है तथा यह भी 17 जनवरी 2024 को शुरू कर दिया जायेगा। सभी पत्रकार साथियों को सम्मान देने का कार्य किया जायेगा तथा सभी से सहयोग की अपील की है।

दो दिवसीय उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग प्रतियोगिता का शुभारंभ

द अचीवर टाइम्स अखिलेश दास

बाराबंकी। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग बाराबंकी द्वारा आयोजित दो दिवसीय उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग प्रतियोगिता का शुभारंभ सांसद उपेंद्र सिंह रावत जी ने स्थानीय केडी सिंह बाबू स्टेडियम बाराबंकी में शांति का प्रतीक तिरंगे गुब्बारे उड़ाकर एबमव ध्वजारोहण कर किया। श्री उपेन्द्र सिंह रावत ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल का मैदान युवाओं के लिए स्वर्णिम अवसर होता है। ऐसी प्रतियोगिता के द्वारा युवा अपनी पहचान बनाते हैं। पहले दिन सम्पन्न खेलों के विजेता इस प्रकार हैं- जूनियर बालक 200 मी अनुज कुमार प्रथम आयुष रावत द्वितीय प्रशांत कुमार तृतीय 200 मीटर बालक सीनियर परमेश्वर सिंह प्रथम राहुल यादव द्वितीय लवकुश शर्मा तृतीय सब जूनियर बालिका 800 मी आयुषी प्रथम निशि द्वितीय संजना सिंह तृतीय 1500 मी सीनियर बालिका वर्ग रूबी सिंह प्रथम अंकुल यादव द्वितीय मनीष राज तृतीय200 मी बालिका जूनियर नीतू प्रथम नंदिनी द्वितीय दिव्या काजल तृतीय200 मी सीनियर बालिका नूरी बानो प्रथम दीपा द्वितीय सोनिया तृतीय400 मी सीनियर बालिका दीपा प्रथम मधु सिंह द्वितीय रुचि तृतीय400 मीटर बालक सीनियर परमेश्वर सिंह प्रथम राहुल यादव द्वितीय आनंद सिंह तृतीय 400 मिटर जूनियर बालिका नंदनी प्रथम नीतू कुमारी द्वितीय कावेरी तृतीय400 मिटर जूनियर बालक आयुष रावत प्रथम राज्य विरोधी द्वितीय अजय कुमार तृतीय सब जूनियरबालक 800 मी सचिन प्रथम प्रवीण सिंह द्वितीय राम जी तृतीय1500 मिटर जूनियर बालक सुनील यादव प्रथम अमर बहादुर द्वितीय आकाश मिश्रा तृतीय लंबी कूद सीनियर बालक मोहम्मद जैद प्रथम राहुल यादव द्वितीय अरमान तृतीयजूनियर बालक अनुज कुमार प्रथम विजय राज द्वितीय मनीष यादव तृतीय सब जूनियर बालक कमल बहादुर प्रथम उत्कर्ष द्वितीय आशीष प्रकाश अशोक कुमार आदित्य प्रकाश सुनीता देवी अरुण कुमार अरुण कुमारी सचिन पाल तृतीय वॉलीबॉल जूनियर हैदरगढ़ विजेता रामसनेहीघाटउपविजेता इस कार्यक्रम में जिला युवा कल्याण अधिकारी श्री अरुण कुमार सिंह जी के मार्गदर्शन में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन केडी सिंह बाबू स्टेडियम में किया जा रहा है इस प्रतियोगिता में प्रतियोगिता को संचालित करने में पूर्व व्यायाम प्रशिक्षक अमर बहादुर सिंहजी तुलसीराम चौहान, व्यायाम प्रशिक्षक तरुण तिवारी, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी भूमिका सचान, स्मृति यादव, रश्मि त्रिपाठी, साक्षी सिंह, विकास तिवारी, सोहित मिश्रा, विशाल वर्मा, विक्रांत मिश्रा लोगों की सक्रिय सहभागिता रही, संचालन का कार्य राजेंद्र त्रिपाठी प्रदीप सारंग ,ने किया एवं पीआरडी के जवानों का कुशल सहयोग रहा।

पंचायती राज व्यवस्था और स्वयं सहायता समूह के बीच अभिसरण जरूरी - मुकेश दीक्षित

द अचीवर टाइम्स अमित कुमार

शाहजहांपुर। पंचायती राज संस्था और स्वयं सहायता समूह (पी0 आर0 आई0 एंव एस एच जी)के बीच अभिसरण जरूरी है । जिसके लिए दो दिवसीय अन अवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है । विकास खंड निगोही के ब्लॉक सभागार में आयोजित प्रशिक्षण दिया जा रहा है । ट्रेनर मुकेश दीक्षित एवं शिवानी वर्मा ने बताया कि आने वाले समय में यह प्रशिक्षण मील का पत्थर साबित होगा । प्रशिक्षण में 39 ग्राम पंचायतो के प्रधानों एवं स्वयं सहायता समूह के सक्रिय सदस्यों ने भाग लिया । दो दिवसीय अनआवासीय पी आर आई एंव एस एस जी के प्रति भागियों के लिए ए डी ओ पंचायत श्री धर्मेन्द्र कुमार जी द्वारा किट का वितरण किया गया । कार्यक्रम व्यवस्थापक पी सी पटेल के द्वारा प्रतिभागियों के लिए नाश्ता एवं भोजन की व्यवस्था की गई ,जो बहुत ही गुणवत्तापूर्ण थी । ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन उप निदेशक पंचायत महेंद्र सिंह जी के दिशा निर्देशन में हुआ । प्रशिक्षण में प्रस्तुती करण फिल्मों के माध्यम से कराया गया । जैसे पंचायती राज व्यवस्था , ग्राम सभा , पंचायत समितिया , ग्राम सचिवालय , सचिवालय पर उपलब्ध सेवा, योजनाओं की जानकारी , वार्षिक कार्य योजना, आदि के बारे में समझाया गया । कार्यक्रम के प्रथम दिवस में लखनऊ से आए सौरभ चौरसिया और अन्य प्रतिनिधियों का विशेष सहयोग रहा । प्रतिभागियों में ग्राम प्रधानों तथा स्वयं सहायता समूह के सदस्यों में राजीव वर्मा, सत्यपाल सिंह, मनोरमा देवी ,मंजू देवी ,सीमा देवी, वीरेश सिंह, मुकेश कुमार, पुष्प देवी, रीता देवी,आदि लोगों ने भाग लिया ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने की तैयारियो का कमिश्नर गौरव दयाल ने लिया जायजा

संवाददाता

अयोध्या। मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने अयोध्या में दिनांक 22 जनवरी 2024 को प्रस्तावित भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दृष्टिगत शासन द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये है। उन्होंने बताया कि आगामी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में श्रीरामलला के बालरूप के नूतन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा का बहुप्रतीक्षित समारोह होने वाला है। इसी माह 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन एवं 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह है। कानून व्यवस्था की दृष्टि से आने वाला समय अत्यंत संवेदनशील है। ऐसे में सभी पुख्ता इंतजाम किये जायें। 16 जनवरी से 22 जनवरी 2024, एक सप्ताह तक हर देव मंदिर में श्री राम नाम संकीर्तन तथा अखण्ड रामायण का आयोजन किया जाए। सभी सरकारी इमारतों, स्कूल/कॉलेज को सजाया जाए। मण्डल एवं जनपद के सभी कार्यालयों तथा शिक्षण संस्थानों में भी विशेष सफाई का अभियान चलाया जाये। इससे प्लास्टिक एवं गंदगी की सफाई करके परिसर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाया जाए। ऊनी वस्त्रों, कम्बलों का वितरण किया जाए तथा सायंकाल हर घर, घाट/मंदिर में दीपोत्सव का कार्यक्रम किया जाए। 22 जनवरी को लोगों को प्रेरित कर घर-घर, संस्थानों इत्यादि में ज्योति जलाया जाए। उन्होंने कहा कि मंडल के सभी जनपदो में आमजनमानस से 22 जनवरी को अयोध्या न जाने की अपील की जाए तथा पुलिस बल द्वारा विशेष सतर्कता तथा पेट्रोलिंग किया जाना सुनिश्चित किया जाए। नावों द्वारा पेट्रोलिंग की जाए तथा नाविकों व यात्रियों के लिए लाइफ जैकेट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अयोध्या आने वाले अतिथियों के आवागमन हेतु ग्रीन कोरीडोर की व्यवस्था की जाए। लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, वाराणसी से अयोध्या के राष्ट्रीय राजमार्गों को ग्रीन कोरीडोर के रुप में बनाया जाए जिससे किसी प्रकार का व्यवधान न हो। इन मार्गो पर सफाई तथा सौन्दर्याकरण एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अग्नि सुरक्षा की सुदृढ व्यवस्था करते हुये एम्बुलेंस तथा केनों की विशेष व्यवस्था की जाए। 22 जनवरी के बाद अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के दृष्टिगत प्रशासन द्वारा सुदृढ़ प्रबन्ध सुनिश्चत किये जाये। मण्डलायुक्त ने महर्षि बाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से अयोध्या मार्ग को साफ सुथरा किये जाने तथा पूरे अयोध्या शहर को प्लास्टिक रहित किये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने वर्तमान समय में मौसम के हालात को देखते हुये पर्याप्त मात्रा में रैन बसेरो को क्रियान्वित करने तथा भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों में अलाव की व्यवस्था और जरूरतमंदों के लिए कम्बल की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने बस स्टैण्ड, स्टेशन एवं एयरपोर्ट, पार्किंग स्थल सहित शहर के अन्य प्रमुख स्थलों पर में आई हेल्प यू एवं खोया पाया केन्द्र स्थापित करते हुये इनमें कुशल कार्मिकों की तैनाती करने के निर्देश दिये। लोक निर्माण विभाग/अयोध्या विकास प्राधिकरण/नगर निगम द्वारा मुख्य मार्गो पर स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था करने के लिए कहा है। निर्माण सम्बंधी कार्यो को प्रत्येक दशा में 18 जनवरी 2024 तक पूरा करें इसके बाद कोई भी निर्माण कार्य नही होगा। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां सम्बंधित विभाग पूरा करें तथा कोई भी मण्डलीय या सम्बंधित अधिकारी 22 जनवरी 2024 तक मुख्यालय नही छोड़ेगा।

जिला प्रबंधक कौशल विकास के विरुद्ध कार्य में रुचि न लेने पर सीडीओ को कार्यवाही के दिए निर्देश

डी एम ने 132 प्रशिक्षण बीसी सखी के कार्यशील न होने पर डीसी एनआरएलएम लगाई कड़ी फटकार

❖ सीडीओ को प्रभावी मॉनिटरिंग कर बीसी सखियों को क्रियात्मक करने के दिए निर्देश

❖ डीपीआरओ को ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली तत्काल सुधार के दिए निर्देश, जताई सख्त नाराजगी, लक्ष्य के सापेक्ष शौचालय निर्माण को किया निर्देशित।

संवाददाता

जनपद में 800 सामूहिक विवाह के लक्ष्य के सापेक्ष 400 सामूहिक विवाह। 27 जनवरी को 400 विवाहों को संपन्न कराए जाने को कार्य योजना बनाने के दिए निर्देश

आगरा। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में विकास कार्यों एवं सीएम डैशबोर्ड , निर्माणकार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में प्रशिक्षण प्राप्त बीसी सखी तथा कार्यरत बीसी सखी की समीक्षा की जिसमें 132 बीसी सखी ट्रेनिंग के बाद भी फंक्शनल नहीं है जिलाधिकारी ने बताया गया कि कार्य करने की अनिच्छुक है तथा कुछ प्रकरणों में बैंक संबंधी तकनीकी समस्या है, जिलाधिकारी ने इस पर डीसी रामायण सिंह यादव और एनआरएलएम के जिला प्रबंधक को कड़ी फटकार लगाई तथा सीडीओ को प्रशिक्षण प्राप्त बीसी सखियों को क्रियाशील कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। बैठक में पीएम आवास योजना ग्रामीण तथा मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा की तथा लक्ष्य के सापेक्ष शेष आवासों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराए जाने तथा नियमित समीक्षा को निर्देशित किया गया। बैठक में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की समीक्षा की तथा पोर्टल पर पुराने अपलोड डाटा को चिह्नित कर परिशुद्ध डाटा दर्ज कराने के निर्देश दिए। बैठक में जल जीवन मिशन/हर घर जल योजना की समीक्षा की गई, जिलाधिकारी ने पुरानी पानी की टंकियों की सूची तलब कर बैठक में दिए निर्देश की अनुपालन रिपोर्ट देखी जिसमें बताया गया कि पुरानी पानी की टंकी 89 हैं जिनमें पाइप लाइन मरम्मत आदि का कार्य प्रगति पर है तथा 70 का कार्य पूर्ण कर ग्रामपंचायतों को हैंडओवर किया गया है,जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगाई और डीडीओ को हैंडओवर प्रक्रिया को निरस्त कर जिलाधिकारी द्वारा गठित समिति से कार्य का सत्यापन कराने के बाद पंचायतों में जल समिति का गठन कर खुली बैठक में उन समितियों को हस्तांतरण करने तथा गुणवत्तापूर्ण समयवद्ध कार्य पूर्ण करने को निर्देशित किया। बैठक में पंचायतराज विभाग की समीक्षा की,5 वाँ राज्य वित्त तथा 15वां वित्त आयोग में लक्ष्य के सापेक्ष व्यय न होने तथा समय से लंबित भुगतान में बिलंब करने पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायतराज अधिकारी को कड़ी फटकार लगाई तथा ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली तत्काल सुधार कर प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए तथा व्यक्तिगत शौचालय में लक्ष्य के अनुरूप शौचालय निर्माण पूर्ण न होने पर अलग से बैठक कराने को निर्देशित किया। बैठक में पर्यटन विभाग की समीक्षा में पाया कि निर्माणदाई संस्था यूपीपीसीएल ने 13 प्रोजेक्ट में 03 पर कार्य प्रारंभ किया गया है, जबकि नवंबर में ही कार्यों की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है,जिलाधिकारी ने सख्त नाराजगी व्यक्त की तथा इसी माह कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।बैठक में प्राथमिक शिक्षा विभाग की समीक्षा की गई जिसमें ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण तथा पीएम पोषण की समीक्षा की मध्यान्ह भोजन तथा निपुण की अलग से समीक्षा बैठक के निर्देश दिए। माध्यमिक शिक्षा विभाग की समीक्षा में प्रोजेक्ट अलंकार की प्रगति, सेतु निर्माण निगम के अंतर्गत मरम्मत तथा सेतु निर्माण की समीक्षा कर उचित निर्देश दिए।बैठक में नई सड़कों के निर्माण, अनुरक्षण, मरम्मत की समीक्षा की गई तथा इस माह के अंत तक शतप्रतिशत कार्य पूर्ण करने को निर्देशित किया। बैठक में कौशल विकास मिशन की समीक्षा में पाया कि लक्ष्य के सापेक्ष ट्रेनिंग का कार्य पूर्ण नहीं किया गया है जिलाधिकारी ने जिला प्रबंधक कौशल विकास मिशन को कड़ी कार्य में रुचि न लेने, लापरवाही पर कड़ी फटकार लगाई तथा सीडीओ को निर्देश दिए बैठक में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की समीक्षा में बताया गया कि जनपद में 800 सामूहिक विवाह के लक्ष्य के सापेक्ष 400 सामूहिक विवाह हेतु 27 जनवरी की तिथि निर्धारित की गई है, जिलाधिकारी ने शेष 400 विवाहों को भी 14 फरबरी तक संपन्न कराए जाने को संबंधित को कार्य योजना देने के निर्देश दिए। बैठक में सांसद तथा विधायक निधि से होने वाले विकास कार्यों पर जनप्रतिनिधियों से सहमति लेने तथा समयबद्ध विकास कार्यों को पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए।बैठक में ओडीओपी टूल किट व वित्त पोषण योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, लोकनिर्माण आदि की समीक्षा कर उचित दिशा निर्देश दिए। बैठक में निर्माणदाई संस्थाओं तथा सीएमआईएस की भी समीक्षा की गई तथा सभी निर्माणकार्यों को अच्छे तरीके से होना चाहिए। इसमें कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। बैठक में आईजीआरएस, लोक शिकायत की विस्तृत जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपनी अपनी प्रोग्रेस को मॉनिटर करें,जिनका कार्य शेष है समय से पूरा करें, गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखें,सभी लोग पोर्टल समय से चैक करें , प्राप्त आवेदन गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध निस्तारण करें और जो आख्या लगाएं वह स्पष्ट होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिकारी सीएम डैशबोर्ड पर अपने विभाग की रैंकिंग में सुधार करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ए. मनिकंडन, मुख्य चिकित्साधिकारी अरुण कुमार श्रीवास्तव,जिला विकास अधिकारी राकेश रंजन, उपायुक्त मनरेगा रामायण सिंह यादव, परियोजना निदेशक रेनू कुमारी, जिला पंचायत राज अधिकारी मनीष कुमार आदि।

एक नज़र

चिराग यूथ फाउंडेशन द्वारा 17वां रक्तदान शिविर आयोजित, 21 यूनिट रक्तदान

आगरा। सामाजिक संस्था चिराग यूथ फाउंडेशन द्वारा सोमवार को मकर संक्रान्ति के उपलक्ष्य में 17वां रक्तदान शिविर केदार नगर में आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ शाहगंज थानाध्यक्ष आलोक सिंह द्वारा रक्तदान करके किया गया। संस्था के सदस्यों द्वारा 21 यूनिट रक्तदान किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष राहुल चतुर्वेदी, महासचिव रोहित वडेरा, चंद्रशेखर शर्मा, मनोज उपाध्याय, प्रतीक कथूरिया, विनोद शर्मा, प्रसून मिश्रा, डॉ अनुरंजन भारद्वाज, नीरज कांत, नरेन्द्र कुमार वडेरा, ए के त्रिपाठी, हरीश वार्ष्णेय, आकाश राणा, राजेंद्र कुमार, डॉ वी के सिंह आदि मुख्य तौर पर मौजूद रहे।

जिला कारागार में महिलाओं के लिए 6 वर्षों से निरंतर कर रहे कार्यः प्रतिमा भार्गव

कल्याणम फाउंडेशन ने महिला बैरक की बुजुर्गों के लिए भेंट किए दो गीजर एवं गर्म वस्त्र

आगरा। शहर की सामाजिक संस्था कल्याण फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने भीषण शीत लहर के चलते जिला कारागार आगरा में महिला बैरक की बुजुर्ग महिलाओं के लिए सेवा कार्य किया। संस्था कल्याणम फाउंडेशन की अध्यक्षा प्रतिमा भार्गव ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा जिला कारागार आगरा में निरन्तर छह वर्षों से सेवा कार्य कर रही है। जिसमें विशेष रूप से महिला बैरक में रह रही महिलाओं और बच्चों के लिए कार्य करती है। उसी कड़ी में कल महिला बैरिक में रह रही बुजुर्ग महिलाओं के लिये दो गिजर गर्म पानी करने के लिये, 50 ऊनी टोपी व 50 ऊनी मोज़े भेंट किये गये। इस दौरान कारागार प्रशासन ने संस्था का आभार जताते हुए भविष्य में भी संस्था से सहयोग की आशा की। इस दौरान प्रमुख रूप से कल्याणम फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रतिमा भार्गव, सचिव अलका भार्गव, संगीता जैन, प्रमिला डंग, डॉ गरिमा गुप्ता, जेल अधीक्षक हरिओम शर्मा, जेलर बृज किशोर गौतम, जेलर नागेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

पीड़ितों की मदद व उनकी समस्या के समाधान का करेंगे हर संभव प्रयासः मनोज शर्मा

जनहित में जन समाधान भारत संस्था का उदय, जरूरतमंदों का करेंगे हरसंभव सहयोग

आगरा। आज दिनांक 15 जनवरी 2024 को शहीद स्मारक, संजय प्लेस पर मकर संक्रांति के पावन अवसर पर राष्ट्र व जनहित में समर्पित जनसमाधान भारत संस्था का गठन किया गया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक सदस्यों ने आम सहमति से एक राय होकर मनोज शर्मा को संस्था का अध्यक्ष बनाया और उन्हें संस्था का अखिल भारतीय स्तर पर विस्तार और कार्यकारिणी गठन करने के लिए अधिकृत किया। इस अवसर पर मनोज शर्मा ने शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर देश के अमर शहीदों को साक्षी मानकर संस्था के अन्य संस्थापकों के साथ उपस्थित सदस्यों को संकल्प दिलाया कि हम जन समाधान भारत के माध्यम से शिक्षा, चिकित्सा, न्याय आदि से पीड़ितों की सहायता व उनकी समस्या का समाधान करने हर संभव प्रयास करेंगे। सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद पात्रों को दिलवाने और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। संस्था के नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज शर्मा ने कहा कि संस्था आगरा से उदय होने के बाद उत्तर प्रदेश तक जनता के सहयोग हेतु लिए गए संकल्प के साथ तत्पर होगी, हमारा प्रयास होगा। छोटी से छोटी जगह हमारे संस्था के लोग जनहित के कार्य में अपना पूर्ण सहयोग दें, मनोज शर्मा ने यह भी बताया कि आगामी कुछ माह में संस्था का गठन उत्तर प्रदेश सहित भारत के कई राज्यों में कर दिया जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संस्था के संस्थापक सदस्य नरेश कुमार सिंह, अभय यादव, योगेश शर्मा, हिमांशु अग्रवाल सहित टीम पापा के अमर सिंह सेंगर, अरुण भाटिया, शोभित जेटली, प्रवीण सक्सेना, दीपक वर्मा व अन्य सदस्यों में चौ. अखिल यादव, प्रवीण दीक्षित, भूरी सिंह राठौर, अर्जुन सेन, कुशल जैन, बृजेंद्र कुमार, अजय सिंह, मनीष भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

भाविप निकुंज द्वारा मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में किया गया खिचड़ी का वितरण

आगरा। भारत विकास परिषद निकुंज द्वारा मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर खिचड़ी वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। शाखा निकुंज द्वारा बेलनगंज स्थित होटल एलीवेट के सामने, यमुना किनारे रोड पर राहगीरों को खिचड़ी वितरण का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में काफी संख्या में निकुंज के सदस्यगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर पदाधिकारीयों द्वारा उपस्थित सभी का पटका पहनाकर स्वागत सम्मान भी किया गया। खिचड़ी वितरण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एसीपी छत्ता राकेश सिंह, रीजनल मंत्री तरुण शर्मा, निकुंज संस्थापक एवं क्षेत्रीय सचिव एनसीआर 1 प्रमोद सिंघल, प्रांतीय संरक्षक विनय सिंघल, सुभाष वर्मा, शाखा अध्यक्ष आशीष गर्ग, शाखा सचिव प्रवीन मित्तल, कोषाध्यक्ष अमित गर्ग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम की व्यवस्थाएं व संचालन किया गया। कार्यक्रम संयोजक कन्हैया अग्रवाल रहे। इस दौरान राजेश गर्ग, आनंद गुप्ता, पवन अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, प्रतीक गर्ग, राहुल, नितिन, अंकित अग्रवाल, रितेश गर्ग की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सत्ता के रसूख ने व्यापारी से बना दिया क्रिमिनल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिया जांच कर न्याय का आश्वासन

❖ आरोपः कैबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्य की छत्रछाया में कब्जा लिया पूरा व्यापार, नहीं मिल पा रहा पीड़ित पक्ष को न्याय।

❖ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिया जांच कर न्याय का आश्वासन, अब पीड़ित पक्ष को सता रहा जान का खतरा।

संवाददाता

आगरा। आगरा में सत्ताधारी नेता बेबीरानी मौर्य का अजब खेल चल रहा है, उन पर आरोप है व्यापारियों को क्रिमिनल बनाने का। मधुसूदन मोटर्स में रविशंकर व रमाशंकर संस्थापक निदेशक है, जिन्हें आजीवन निदेशक रहने का अधिकार है। इसी तरह मधुसूदन व्हीकल्स में दोनों भाईयों के बेटों रचित अग्रवाल व दीपेन्द्र शंकर संस्थापक निदेशक थे। परन्तु पूर्व मेयर, राज्यपाल व वर्तमान कैबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्य व उनके बेटे अभिनव मौर्य के संरक्षण में छोटे भाई रमाशंकर व उनके बेटों रचित व अनुराग ने धक्के देकर शोरूम से बाहर कर दिया और दो व्यवसायिक संस्थानों पर कब्जा करवा दिया और हीरो मोटरसाइकिल की डीलरशिप पर षड़यंत्र से योजनाबद्ध तरीके से बेबीरानी के पति व बेटे ने अपने नाम करवा ली। 2020 से चल रहे इस षड़तंत्र के तहत रविशंकर व उनके बेटे दीपेन्द्र पर चार एफआईआर की गई। बताया गया कि जब पीड़ित पक्ष ने साक्ष्यों के साथ क्रास एफआईआर कराने का प्रयास किया तो किसी थाने में सुनवाई नहीं की गई। आज कम्पनी के मालिक न्याय के लिए भटक रहे हैं और बेबीरानी मौर्य के परिवारीजन शोरूम के मालिक बने बैठे हैं। पीड़ित पक्ष ने कोर्ट के माध्यम से कई एफआईआर करवाई, लेकिन सत्ता के प्रभाव में सभी चंद माह में एफआर लगा दी जाती है। तब से पीड़ित पक्ष न्याय के लिए भटक रहा है, लेकिन पुलिस दबे शब्दों में उनसे किसी तरह का सहयोग न करने की बात कहकर लौटा देती है। अंत में पीड़ित पक्ष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले, जहां उन्हें जांच कराकर न्याय का आश्वासन दिया गया। परन्तु अब अलग-अलग माध्यम से पीड़ित पक्ष को धमकाया जा रहा है। रविशंकर जी ने आज संजय प्लेस स्थित अपने कार्यालय पर प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा कि उन्हें अपने, बेटे सहित पूरे परिवार की जान का खतरा है। हमें एक व्यापारी से क्रिमिनल बना दिया गया। जबकि हम एक सामान्य व्यापारी हैं, जो हर वर्ष लाखों का टैक्स देते हैं। बेबीरानी मौर्य के परिवार ने पहले हमारे परिवार में फूट, डलवायी फिर सत्ता के दबाव में पारीवारिक मामले को क्रिमिनल मामला बनाकर लाभ कमा रहे हैं। हम सभी साक्ष्य उपबल्ध कराते हुए मीडिया से न्याय दिवलाने के लिए सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

सर्वाधिक वोटों से विजय हुए युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद पर ताहिर हुसैन

❖ विधानसभा खेरागढ़ से सोमेश सिंह बघेल बने यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष।

संवाददाता

आगरा। पश्चिम उत्तर प्रदेश संगठनात्मक चुनाव में जिलाध्यक्ष पद पर ताहिर हुसैन एवं खेरागढ़ विधानसभा से अध्यक्ष पद पर सोमेश सिंह बघेल (निर्वाचित) विजयी हुए है। युवा कांग्रेस के चुनाव का परिणाम जारी हो चुका है। यूथ कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, जिलाध्यक्ष एवं विधानसभा अध्यक्ष पद हेतु चुनाव करवाये थे। जगनेर निवासी सोमेश सिंह बघेल ने खेरागढ़ से विधासभा अध्यक्ष पद के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र दाखिल था। विधानसभा अध्यक्ष के पद के लिए जिले में सर्वाधिक 398 वोटों से विजयी हुए है सोमेश सिंह बघेल। जिला प्रवक्ता कांग्रेस अनुज शिवहरे ने बताया की सोमेश बघेल बहुत ही मेहनती जुझारू कर्मठ कार्यकर्ता है। काफी लंबे समय से कांग्रेस के सक्रिय सदस्य हैं एवं विभिन्न पदों पर विराजमान रह कर अपनी जिम्मेदारी निभाई है। सोमेश सिंह बघेल कई धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े हैं। इस अवसर पर युवा कांग्रेस खेरागढ़ विधानसभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सोमेश सिंह बघेल ने अपने सभी कांग्रेसजनों मतदाताओं, समर्थकों एवं शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। परिणाम की घोषणा के बाद आगरा कांग्रेस जिलाध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह मीनू, प्रदेश प्रवक्ता अनिल शर्मा, जिला प्रवक्ता अनुज शिवहरे, जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस हेमन्त चाहर, सरपंच चंद्रशेखर शर्मा देवरी वाले, बुरहान शमशी, एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, सुगम शिवहरे, सचिन वर्मा, योगेश उपाध्याय, फिरोज कसान, रविंद्र जादौन, मनीष शर्मा, मासूम खान, रोहित धनगर, अजय बंसल, तुषार बिंदल, सोहिल खान, प्रशांत रावत, राजकुमार तोमर, दिव्यांश शर्मा, मोहित, प्रदीप बघेल, भूपेंद्र बघेल, शिवम कुशवाह, प्रमोद तिवारी, आकाश बघेल आदि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

निजी अस्पतालों की,अनधिकृत 02 एंबुलेंस की गई चालान कर सीज

प्राइवेट अस्पतालों की एंबुलेंस के विरुद्ध, सिटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग तथा परिवहन विभाग ने की प्रभावी कार्यवाही

❖ एसएन मेडिकल कॉलेज,जिला अस्पताल,अन्य सरकारी अस्पतालों,संस्थानों के आसपास खड़ी होने वाली प्राइवेट अस्पतालों की एंबुलेंस के विरुद्ध लगातार चलेगा अभियान।

संवाददाता

आगरा। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी ने मेडिकल कॉलेज व,अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के बाहर अनाधिकृत रूप से खड़ी होने बाली निजी अस्पतालों की एंबुलेंस को हटाए जाने के कड़े निर्देश दिए थे,जिसके अनुपालन में आज एसएन मेडिकल कॉलेज , जिला अस्पताल के आसपास सिटी मजिस्ट्रेट आनंद कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग तथा परिवहन विभाग द्वारा निजी एम्बुलेंसों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही की गई। इस अभियान के दौरान एसएन मेडिकल कॉलेज के आस-पास के क्षेत्र में अवैध रूप से खड़ी पाई गई 02 एंबुलेंस को सीज किया गया।इस कार्यवाही से प्राइवेट अस्पतालों की निजी एंबुलेंस के चालक भाग खड़े हुए। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि यह अभियान लगातार चलेगा। अभियान में सरोजनी नायडू मेडिकल कालेज,के इमरजेंसी के पास, मेडिकल कालेज के अन्दर, लेडी लायल ,जिला महिला अस्पताल के पास, प्राइवेट अस्पतालों की एंबुलेंस का निरीक्षण किया गया तथा 02 एंबुलेंस पर चालान व सीज की कार्यवाही की।

जिलाधिकारी ने मार्ग का किया औचक निरीक्षण

साफ सफाई, अतिक्रमण तथा फुटपाथ सौंदर्यीकरण व सड़क मरम्मत के दिए निर्देश

संवाददाता

आगरा। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी ने कैंट स्टेशन तथा स्टेशन मार्ग, अटल चौक मार्ग का औचक निरीक्षण किया, तथा संबंधित को साफ सफाई, अतिक्रमण तथा फुटपाथ सौंदर्यीकरण व सड़क मरम्मत के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निरीक्षण में कैंट रेलवे, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, कैंटोनमेंट बोर्ड के अधिकारियों को मौके पर तलब किया तथा कैंट रेलवे स्टेशन मार्ग की मरम्मत, फुटपाथ का सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए। मार्ग में गंदगी तथा जल भराव पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा नाली निर्माण का प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कैंट रेलवे स्टेशन की पार्किंग तथा वहां बेतरतीब पड़ी निर्माण सामग्री तथा मलबे को हटाने तथा निर्माणाधीन पाथवे की सामने की दीवार की ऊंचाई कम करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण मार्ग पर साफ सफाई न करने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा सीईओ कैंटोनमेंट बोर्ड को नोटिस देने को निर्देश दिया।जिलाधिकारी ने अटल चौक स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय की प्रतिमा की उचित साफ सफाई कराने तथा अतिक्रमण हटाने को नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया। स्टेशन मार्ग पर दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने तथा सीमारेखा तय करने तथा स्टेशन मार्ग की मरम्मत के निर्देश दिए तथा कार्यों को कराए जाने हेतु कैंटोनमेंट बोर्ड , पीडब्ल्यूडी, नगर निगम तथा कैंट रेलवे के अधिकारियों की समन्वय बैठक कर कार्य योजना बना कर अवगत कराए जाने हेतु कड़े निर्देश दिए।

तेरा नाम है आधारा

गुरुद्वारा दशमेश दरबार शहीद नगर विभव नगर में सजा भव्य कीर्तन दरबार

संवाददाता

आगरा। माघ की संक्रांति का पावन दिन, संगत का जोश और गुरबाणी की बरसती स्वर लहरियां यह नजारा था गुरुद्वारा विभव नगर शहीद नगर में हुए भव्य कीर्तन दरबार का। संक्रांति के पावन अवसर पर आयोजित इस भव्य समागम में सर्वप्रथम गुरुद्वारा के हजूरी रागी जनों द्वारा अमृतमई कीर्तन किया गया। उसके बाद सभी के हरमन प्यारे वीर महेंद्र पाल सिंह जी ने अपनी मधुर रसना से सभी को भक्ति रस से भाव विभोर कर दिया। सर्वप्रथम उन्होंने नाम की महिमा बताते हुए कहा की नाम का हुक्म संसार में हर जगह चलता है नाम के मुकाबले दुनिया में कुछ भी नहीं है उन्होंने शब्द गायन किया मैं अंधुले की टेक तेरा नाम खुंदकारा,,, उसके बाद उन्होंने नाम की महिमा का बखान करते हुए शब्द सो ऐसा हर नाम ध्याईये मन मेरे, जो सबना ऊपर हुक्म चलाए,,, का गायन करके सभी को भक्ति भाव में डुबो दिया। आखिर में उन्होंने गुरु गोविंद सिंह जी की रचना देह शिवा बर मोहे ए है शुभ करमन ते कबहूं ना टरो,,, का गायन कर माहौल में जोश भर दिया। इस अवसर पर समागम की सेवा लेने वाले परिवार किशन मस्ताना जी को परिवार सहित सम्मानित किया गया। गुरुद्वारा प्रमुख सरदार हरपाल सिंह ने सभी संगत का धन्यवाद किया। उपरांत गुरु महाराज के सुखासन के पश्चात गुरु महाराज के अटूट लंगर का वितरण हुआ जिसे सभी धर्म प्रेमियों ने बड़े श्रद्धा भाव से ग्रहण किया। इस अवसर पर हरपाल सिंह, किशन बाबू मस्ताना, राजू सलूजा, गुरु सेवक श्याम भोजवानी, मलकीत सिंह, डाक्टर गुलशन मस्ताना, इंदरजीत सिंह, गुरेंदर सिंह, सुरेंद्र सिंह लाडी, रविंद्र पाल सिंह, बलवंत कंपानी, रिंकू वीर, भूपेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह लवली, देवेंद्र सिंह जुल्का, हरजीत सिंह भसीन, हरजिंदर सिंह, अशोक अरोड़ा आदि गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

अयोध्या नाथ श्री राम मंदिर से भक्तों ने निकाली आमंत्रण यात्रा, पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

❖ श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में संगीतमय सुंदरकांड

संवाददाता

आगरा। श्री राम जन्मभूमि में श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में दिनांक 22 जनवरी 2024 को अयोध्या नाथ श्री राम मंदिर आगरा पर संगीतमय सुंदरकांड एवं विशाल भंडारे के आयोजन में सम्मिलित होने के लिए दिनांक 14 जनवरी 2024 दिन रविवार को समस्त भक्तों द्वारा आमंत्रण यात्रा निकाली गई। राम भक्त गिर्राज किशोर अग्रवाल ने बताया कि आमंत्रण यात्रा में श्री राम के जयकारों के साथ सभी को पूजित अच्छत एवं आमंत्रण पत्रिका देकर सुंदरकांड एवं भंडारे में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया गया। आमंत्रण यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत सत्कार किया गया। आमंत्रण यात्रा के दौरान अयोध्या धाम से आये कलश की जगह-जगह पुष्प वर्षा के साथ आरती उतारी गई। पूरा क्षेत्र जय श्री राम के जयकारों से गूंजायमान हो उठा। आमंत्रण यात्रा में श्री पवन शास्त्री (मंदिर महंत), अयोध्या कुंज महिला मंडल, सुरेश चंद्र शर्मा (अध्यक्ष), महेश कुशवाहा (सचिव), पवन गोयल (कोषाध्यक्ष), दीप चन्द्र शर्मा, मूल चंद्र शर्मा, अमित बंसल, दीपक गहराना, मनोज नोतनानी (मीडिया प्रभारी), ओमप्रकाश शर्मा, आकाश अग्रवाल, शिव राम सिंह चाहर, अश्वनी पचोरी, सुधीर ठाकुर, डिम्पी शर्मा, नित्य प्रकाश निमेश (पूर्व पार्षद), संदीप परिहार, अमित पंडित, सरदारा सिंह (पूर्व पार्षद), शिव कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

ऋषभ पंत ने दिए वापसी के संकेत नेट्स पर 20 मिनट तक की बल्लेबाजी

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय टीम के अभ्यास के लिए पहुंचने से पहले ऋषभ ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के स्टाफ की थ्रोडाउन पर बल्लेबाजी की। उन्होंने ऑफ साइड में कुछ अच्छे ड्राइव लगाए तथा कुछ गेंद ऑन साइड में भी खेली।

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आईपीएल से पेशेवर क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। पंत दिसंबर 2022 में हुई कार दुर्घटना के बाद से फिटनेस पर काम कर रहे हैं। पंत ने मंगलवार को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम की नेट्स पर 20 मिनट तक बल्लेबाजी की। अभ्यास करके अपनी बेहतर फिटनेस का एक और संकेत दिया। उन्होंने इसके बाद टीम इंडिया के खिलाड़ियों से मुलाकात भी की। पंत को विराट कोहली से लंबे समय तक बात करते हुए देखा गया। भारतीय टीम के अभ्यास के लिए पहुंचने से पहले ऋषभ ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के स्टाफ की थ्रोडाउन पर बल्लेबाजी की। उन्होंने ऑफ साइड में कुछ अच्छे ड्राइव लगाए तथा कुछ गेंद ऑन साइड में भी खेली। उन्होंने भारतीय टीम के %साइड आर्म% विशेषज्ञ रघु से भी बात की। पंत को कोहली के अलावा बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह से भी काफी देर तक बात करते हुए देखा गया। बीसीसीआई ने पंत की तस्वीरें भी शेयर की हैं।

ऋषभ दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में घायल होने के बाद अब एनसीए में फिटनेस हासिल कर रहे हैं। उनके इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में वापसी करने की संभावना है क्योंकि उन्हें दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान नियुक्त किया गया है। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल नवंबर में दिल्ली कैपिटल्स के अभ्यास शिविर में भी भाग लिया था। वह दिसंबर में दुबई में हुई नीलामी के दौरान भी फ्रेंचाइजी टीम के साथ उपस्थित थे।

अफगानिस्तान के खिलाफ बेंगलुरु में इतिहास रच सकते हैं विराट कोहली

एजेंसी

बेंगलुरु। कोहली अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 में छह रन बना लेते हैं तो वह वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और कीरोन पोलार्ड के अलावा पाकिस्तान के शोएब मलिक के क्लब में शामिल हो जाएंगे। गेल ने 463 मैचों में सबसे ज्यादा 14562 रन बनाए हैं।

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला बेंगलुरु में खेला जाएगा। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में टीम इंडिया सीरीज में अफगानिस्तान का सफाया करने उतरेगी। इस मैच में दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली अपने दूसरे होमग्राउंड पर उतरेंगे। दिल्ली के रहने वाले विराट रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल में खेलते हैं और चिन्नास्वामी स्टेडियम टीम का घरेलू मैदान है। कोहली अपने दूसरे होमग्राउंड पर कई रिकॉर्ड बनाना चाहेंगे। कोहली टी20 करियर में अपने 12 हजार रन पूरे कर सकते हैं। वह इससे छह रन दूर हैं। अगर कोहली तीसरे टी20 में छह रन बना लेते हैं तो टी20 में 12 हजार रन बनाने वाले भारत के पहले खिलाड़ी बन सकते हैं। ऐसे में विराट के पास इतिहास रचने का मौका है। विराट ने अब तक टी20 फॉर्मेट में चार टीमों का प्रतिनिधित्व किया है। वह भारतीय टीम के अलावा दिल्ली, इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेले हैं।

कोहली ने 2007 से इस फॉर्मेट में अब तक 375 मैच खेले हैं। उनके नाम 41.35 की औसत से 11994 रन हैं। विराट ने आठ शतक और 91 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने 1074 चौके और 371 छक्के लगाए हैं। अगर कोहली अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 में छह रन बना लेते हैं तो वह वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और कीरोन पोलार्ड के अलावा पाकिस्तान के शोएब मलिक के क्लब में शामिल हो जाएंगे। गेल ने 463 मैचों में सबसे ज्यादा 14562 रन बनाए हैं। मलिक के 525 मैचों में 12993 रन हैं। वहीं, पोलार्ड ने 639 मैचों में 12430 रन बनाए हैं।

विराट ने टी20 फॉर्मेट में अब तक 99 बार 50 या उससे अधिक रन बनाए हैं। वह सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। क्रिस गेल ने अपने टी20 करियर में 110 बार 50+ स्कोर बनाए हैं। उनके बाद दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर हैं। वॉर्नर ने 107 बार ऐसा किया है। कोहली अगर एक बार और 50 रन का आंकड़ा पार करते हैं तो वह टी20 में 100 बार 50+ स्कोर बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन जाएंगे। विराट बेंगलुरु में एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। उनके पास अंतरराष्ट्रीय टी20 में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने का मौका है। ग्लेन मैक्सवेल ने इस मैदान पर दो टी20 में एक शतक की मदद से 139 रन बनाए हैं। विराट ने पांच मैचों में 116 रन बनाए हैं। उन्होंने यहां एक अर्धशतक लगाया है। अगर कोहली तीसरे टी20 में 24 रन बना लेते हैं तो मैक्सवेल से आगे निकल जाएंगे।

12वीं सदी के जिस रामजन्म भूमि मंदिर को बाबर ने तोड़ा वह आखिर किसने बनवाया था?

पुरातत्व के सबूतों से अब यह साबित हो चुका है कि अयोध्या में इन दिनों जहां श्रीराम जन्मभूमि का भव्य मंदिर बन रहा है, वहां 12वीं सदी में एक भव्य और विशालकाय मंदिर हुआ करता था। लेकिन सदियों के विवाद और राम जन्मभूमि पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ जाने के बावजूद भारतीय इतिहासकार और पुराविद यह तय नहीं कर पाएं हैं कि 12वीं सदी का वह भव्य मंदिर किस हिंदू राजा ने बनवाया था।

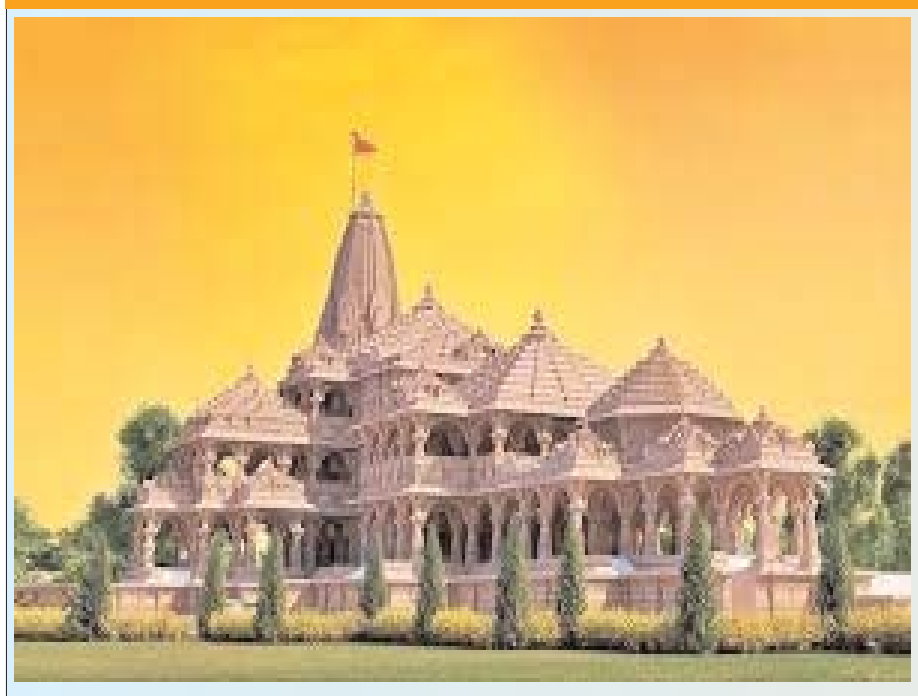

पुरातत्व के सबूतों से अब यह साबित हो चुका है कि अयोध्या में इन दिनों जहां श्रीराम जन्मभूमि का भव्य मंदिर बन रहा है, वहां 12वीं सदी में एक भव्य और विशालकाय मंदिर हुआ करता था। कहा जाता है कि इसी विशालकाय मंदिर को तोड़कर बाबर के सिपहसलार मीर बाकी ने राम जन्मभूमि पर तीन गुंबदों वाली बाबरी मस्जिद का निर्माण किया था। सदियों के विवाद और राम जन्मभूमि पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ जाने के बावजूद भारतीय इतिहासकार और पुराविद यह तय नहीं कर पाएं हैं कि 12वीं सदी का वह भव्य मंदिर किस हिंदू राजा ने बनवाया था। दरअसल, इस सिलसिले में अब तक कन्नौज के गहड़वाल वंश के राजा गोविंद चंद्र के जमाने का एक शिलालेख है, जो विवादित ढांचे को ढहाए जाने के दिन 6 दिसंबर को ढांचे के मलबे से पहली बार दुनिया के सामने आया था। लेकिन विष्णु-हरि शिलालेख के नाम से विख्यात यह शिलालेख भी दो दशकों से अब तक विवादों में घिरा है। खास बात यह है कि ये शिलालेख इस संरचना को विष्णु हरि मंदिर बताता है न कि राम जन्मभूमि मंदिर। शिलालेख इस मंदिर के निर्माता का नाम- किसी आयुष्य चंद्र को बताता है, जिसका जिक्र अब तक इतिहास के किसी अन्य दस्तावेज में प्रमुखता से नहीं मिलता। इस शिलालेख पर सुप्रीम कोर्ट में लंबी बहस हो चुकी है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट इस नतीजे पर पहुंचा कि शिलालेख यह निष्कर्ष निकालने का आधार नहीं हो सकता कि इसमें जिस विष्णु हरि मंदिर का उल्लेख किया गया है वह मंदिर ध्वस्त स्थल पर ही मौजूद था। यानी दुनिया के सामने यह पहेली अब तक बरकरार है कि जिस मंदिर के अवशेष बाबरी मस्जिद के नीचे मिले वह मंदिर किस साम्राज्य या किस सम्राट ने स्थापित किया था।

2003 में हाईकोर्ट के आदेश पर पुरातत्व विभाग सर्वेक्षण (एएसआई) ने विवादित स्थल की खुदाई की थी। इसमें पहली बार विवादित ढांचे के नीचे बारहवीं शताब्दी के किसी मंदिर के अस्तित्व का पता चला था। यह मकर पद्धति का एक गोलाकार मंदिर था। यहां 17 कतारों में कुल 85 आधार

ARCHÆOLOGICAL SURVEY OF INDIA.

THE SHARQI ARCHITECTURE OF JAUNPUR;

WITH NOTES ON ZAFARABAD, SAHET-MAHET AND OTHER PLACES IN THE NORTH-WESTERN PROVINCES AND OUDH.

By A. FÜHRER, Ph.D.,

WITH DRAWINGS AND ARCHITECTURAL DESCRIPTIONS,

By ED. W. SMITH, ARCHITECTURAL ASSISTANT.

EDITED By JAS. BURGESS, LL.D., C.I.E.,

21556

R913.012 I.D.A/F.B.

Vol II

D160

CALCUTTA: PRINTED AND PUBLISHED BY THE SUPERINTENDENT OF GOVERNMENT PRINTING, INDIA.

1889.

1899 में छपी पुस्तक द शर्की आर्किटेक्चर ऑफ जौनपुर का मुखपृष्ठ

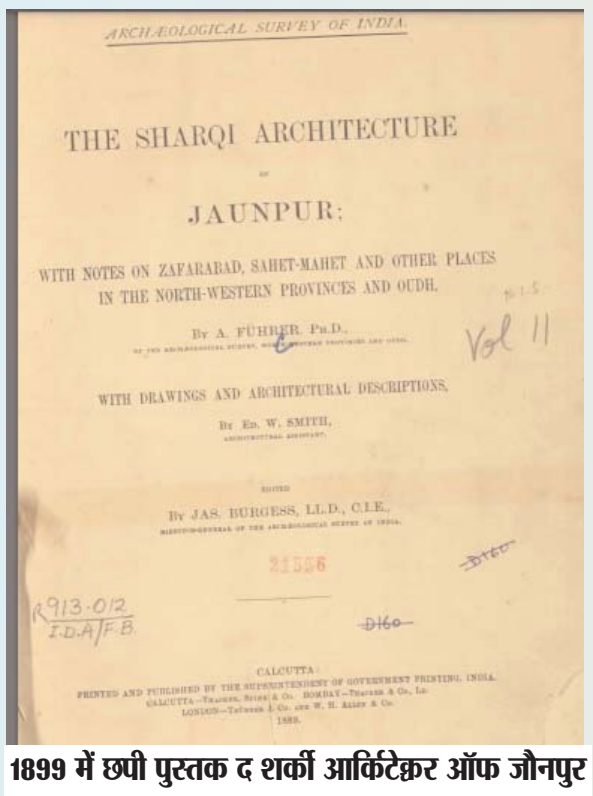

स्तंभ थे। एक तरह से यह कोई विशालकाय मंदिर रहा होगा। लेकिन एएसआई के पुराविद अब तक यह नहीं बता सके कि इस मंदिर का निर्माण कब और किस राजा ने किया था। उत्खनन में इस बारे में कोई जानकारी मिल सकी न ही एएसआई की रिपोर्ट में इसका जिक्र है। इस बारे में अब तक केवल एक सूत्र मिला है। 6 दिसंबर 1992 को ढांचे के मलबे में विष्णु-हरि शिलालेख मिलने के बाद हिंदू पक्ष ने दावा किया कि यह शिलालेख 12वीं सदी के गहड़वाल राजा गोविंद चंद्र के कार्यकाल (1114-1154) का है जिसमें यहां भव्य राम मंदिर के निर्माण का प्रमाण मिलता है।

शिलालेख मिलने की कहानी

इस शिलालेख के मिलने की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। 6 दिसंबर 1992 को कारसेवकों की भीड़ ने विवादित ढांचा गिरा दिया था। हाईकोर्ट में एक चश्मदीद गवाह ने बताया था कि-इसी दौरान उसने विवादित ढांचे की पश्चिमी दीवार के एक हिस्से का प्लास्टर टूटा हुआ देखा। इस दीवार में असमान आकार के पत्थर और ईंटें लगी थीं। विध्वंस के दौरान साढ़े तीन फीट लंबा, दो फीट चौड़ा और छह इंच मोटा एक स्लैब नीचे गिर गया। उसे लगा कि ये स्लैब किसी पुराने मंदिर का शिलालेख जैसा है। कारसेवक उठाकर इसे रामकथा कुंज ले आए जहां मलबे से निकली सामग्री एकत्र की जा रही थी। (सुप्रीम कोर्ट जजमेंट, 9 नवंबर 2019 से)

शिलालेख की बरामदगी के गवाहों में अयोध्या के मैजेस्टिक टॉकीज के मालिक भी शामिल थे जो पांचजन्य के रिपोर्टर थे और समाचार संकलन के लिए मौका-ए-वारदात पर मौजूद थे। शिलालेख की पहली तस्वीर दैनिक आज के लखनऊ संस्करण में 15 दिसंबर 1992 के अंक में छपी। उस दौरान खूब हल्ला मचा कि विवादित ढांचे में बने राम जन्म भूमि मंदिर के निर्माण की जानकारी देने वाला शिलालेख मिल गया है। विवादित ढांचे के मलबे से निकला यह शिलालेख जल्द ही इतिहासकारों में चर्चा विषय बन गया क्योंकि राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद से जुड़ा यह एक नया सबूत था जो अभी तक किसी के सामने नहीं आया था। इस पर शोध शुरू हो गए। इरफ़ान हबीब जैसे कुछ अन्य वामपंथी इतिहासकारों ने छूटते ही आरोप लगा दिया कि विष्णु-हरि शिलालेख को लखनऊ राज्य संग्रहालय से अयोध्या लाया गया और इसे बाबरी मस्जिद स्थल पर लगा दिया गया था।

यह एक गंभीर आरोप था। हबीब की थ्योरी के अनुसार विष्णु-हरि शिलालेख वास्तव में त्रेता का ठाकुर शिलालेख है जिसका जिक्र ब्रिटिश पुराविद एंटोन फ्यूहरर ने अपनी 1899 में छपी पुस्तक द शर्की आर्किटेक्चर ऑफ जौनपुर में शिलालेख संख्या XLIV के रूप में किया गया है। ये शिलालेख 19वीं सदी के अंतिम सालों में फ्यूहरर को अयोध्या में त्रेता का ठाकुर मस्जिद के खंडहरों में मिला था।

1899 में छपी पुस्तक द शर्की आर्किटेक्चर ऑफ जौनपुर का वह अंश जिसमें त्रेता के ठाकुर शिलालेख का उल्लेख है

हिंदू धर्म में समय को चार हिस्सों में बांटा गया है। सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलयुग। राम का जन्म त्रेता युग में हुआ था, इसीलिए त्रेता के ठाकुर का शाब्दिक अर्थ है- त्रेता युग का स्वामी यानी भगवान श्रीराम। इस मंदिर का जिक्र पौराणिक कथाओं में आता है। फ्यूहरर के मुताबिक ये पहले विष्णु का एक बड़ा प्रसिद्ध मंदिर हुआ करता था, जिसे औरंगजेब ने तोड़ कर उसकी सामग्री से मस्जिद बनाई थी।

जाहिर है इस मंदिर की उस दौर में बड़ी मान्यता रही होगी अन्यथा यह मंदिर औरंगजेब की नजर में नहीं आता। लेकिन वक्त के साथ यहां धीरे धीरे मस्जिद का अस्तित्व खत्म हो गया। अयोध्या के स्वर्गद्वार में त्रेता का ठाकुर मस्जिद के खंडहर आज भी मौजूद हैं। राम की पैड़ी पर त्रेता के ठाकुरजी का मंदिर भी आज जीर्ण शीर्ण अवस्था में मौजूद है।

अयोध्या में स्वर्गद्वार का वह इलाका जहां त्रेता के ठाकुर के

मंदिर के पुजारी सुनील मिश्र बताते हैं कि मान्यता है कि राम ने यही से अश्वमेध यज्ञ शुरू किया था। इसलिए प्रत्येक महीने की दोनों एकादशियों को शाम के वक्त यहां दीपक जला कर विशेष पूजा होती है।

फ्यूहरर ने अपनी किताब में इसे 20-पंक्ति वाले बलुआ पत्थर के शिलालेख के रूप में वर्णित किया था, जो दोनों सिरों से टूटा हुआ है और बीच में भी दो भागों में विभाजित है। फ्यूहरर के अनुसार, यह शिलालेख जयचंद्र (यानी गोविंदचंद्र के पोते के) शासनकाल के दौरान जारी किया गया था। शिलालेख में विष्णु मंदिर के निर्माण के लिए जयचंद की प्रशंसा की गई है। इसमें सम्वत 1241 यानी 1184 ई का जिक्र था।

6 दिसंबर1992 को विवादित स्थल पर बरामद विष्णु हरि शिलालेख की छाया प्रति

फ्यूहरर की पुस्तक में कहा गया है कि–

शिलालेख फैजाबाद स्थानीय संग्रहालय में रखा गया था।÷ * बाद में त्रेता का ठाकुर शिलालेख को फैजाबाद से लखनऊ संग्रहालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। जहां इसे शिलालेख संख्या 53.4 के रूप में चिह्नित किया गया था। (THE SHARQI ARCHITECTURE OF JAUNPUR : A. Fuhrer, 1899, पेज 68)

आईपीएस अधिकारी किशोर कुणाल ने अपनी किताब अयोध्या रिविजिटेड में मध्ययुगीन इतिहासकार इरफान हबीब की थ्योरी का खंडन किया। इस पर शोध के बाद उन्होंने नतीजा निकाला कि विष्णु-हरि शिलालेख फ्यूहरर के त्रेता का ठाकुर शिलालेख से अलग है। लखनऊ संग्रहालय में 1953 से पहले के किसी अन्य शिलालेख का कोई रिकॉर्ड नहीं है। फ्यूहरर के त्रेता का ठाकुर शिलालेख संख्या 53.4 वहां रिकॉर्ड में मौजूद है। फिर जो संक्षिप्त ब्योरा फ्यूहरर ने दिया वह भी विष्णु-हरि शिलालेख की सामग्री से मेल नहीं खाता जैसे जयचन्द्र का नाम इस शिलालेख में नहीं है। इस शिलालेख में वह संवत वर्ष भी नहीं है जिसका जिक्र फ्यूहरर ने किया है। ये बीच से नहीं बल्कि किनारे से दो भागों में विभाजित है। यानी 6 दिसंबर 1992 को ढांचे के मलबे में जो विष्णु-हरि शिलालेख मिला वह इससे अलग है। ऐसे में तीन संभावनाएं हो सकती हैं। एक यह कि शिलालेख वास्तव में बाबरी मस्जिद की दीवार में कहीं जमीन में नीचे दफन था जो तोड़फोड़ के कारण मलबे में दुनिया के सामने आ गया। दूसरी संभावना ये कि किसी काल खंड में मस्जिद की तामीर के वक्त ये किसी और मंदिर की सामग्री के साथ यहां लाकर मस्जिद में लगा दिया गया हो। तीसरी बात यह हो सकती है कि उसे 6 दिसंबर को कहीं और से लाकर वहां रख दिया गया हो जैसा कि मुस्लिम पक्ष आरोप लगा रहे थे। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह शिलालेख में साफ-साफ उस संरचना को रामजन्म भूमि मंदिर होने का संकेत नहीं देता। इस शिलालेख में तो भगवान श्रीराम का प्रत्यक्षतः नाम भी नहीं लिखा है। इसलिए भी यह आशंका गलत लगती है कि राम भक्तों ने इसे विवादित स्थल पर इरादतन रख छोड़ा हो। मजे की बात है कि इन सारे सवालों के जवाब अब तक अनउत्तरित हैं। हाईकोर्ट के जस्टिस सुधीर अग्रवाल ने भी अपने फैसले के दौरान शिलालेख की वास्तविकता और प्रामाणिकता का अवलोकन किया। उनकी ओर से भी साफ कहा गया कि शिलालेख पर संदेह नहीं किया जा सकता है। मुस्लिम पक्षकारों का कहना है कि केवल जिस तरीके से इसे बरामद करने का दावा किया गया है वह विश्वसनीय नहीं दिखता। जिससे यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि इसे विवादित स्थल पर विध्वंस से पहले इमारत में चिपकाया नहीं गया था। इसलिए उनका कहना था कि पत्थर का ये शिलालेख अपने आप में यह साबित करने का सबूत नहीं हो सकता कि यह वही विष्णु हरि मंदिर है जो कभी विवादित स्थल पर अस्तित्व में था या जिसका निर्माण किया गया था।÷ (सुप्रीम कोर्ट जजमेंट, 9 नवंबर 2019 से)

विष्णु-हरि शिलालेख में क्या है-

विष्णु-हरि शिलालेख में शुद्ध संस्कृत भाषा के छंदों के साथ 20 लाइनें हैं। यह गहड़वाल नागरी लिपि में 115× 55ष्ठ मीटर बलुआ पत्थर पर खुदा हुआ है। इसमें कुल 29 श्लोक या छंद हैं जिनकी व्याख्या कई पुरालेखविदों ने समय समय पर की। लेकिन हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पुरालेखविद् डा. केवी रमेश की व्याख्या पर ही बहस हुई। डॉ. रमेश के अनुवाद को चुनौती भी नहीं दी गई। शिलालेख भगवान शिव और वामन देवताओं की वंदना से शुरू होता है और फिर एक गौरवशाली राजवंश का वर्णन करता है। इसमें कर्ण या मामे, सल्लक्षणा और अल्हाना सहित राजवंश के सदस्यों के वीरतापूर्ण कारनामों का वर्णन है। जिनके बारे में ज्यादा ऐतिहासिक जानकारियां नहीं है। इतिहासकार इन्हें स्थानीय स्तर के सामंत बताते हैं। मंदिर के निर्माण व इसके निर्माता के बारे में केवल श्लोक 19 से 21 तक में इशारा किया गया है। इसलिए हम इसी पर चर्चा करेंगे क्योंकि बाकी श्लोक राम मंदिर के संबंध में बिलकुल अप्रासंगिक हैं क्योंकि इसमें राजवंश का ही गुणगान किया गया है। जबकि इतिहासकार इरफ़ान हबीब का तर्क है कि ÷शिलालेख की शुरुआत शिव÷ के आह्वान से होती है। इसके आधार पर, हबीब ने नतीजा निकाला कि ÷शिलालेख में उल्लिखित मंदिर एक शिव मंदिर था। श्लोक 19 में एक सामंत का वर्णन है जो ÷साकेत-मंडल (अयोध्या के आसपास का क्षेत्र) का शासक बना था। केवी रमेश के अनुसार, यह व्यक्ति मेघसुता था, जो अलहाना का भतीजा था, और उसने आयुष चंद्र नामक व्यक्ति का स्थान लिया था। अलहाना का उत्तराधिकारी साकेत-मंडल (अयोध्या के आसपास का क्षेत्र) का शासक बना। यह पृथ्वी के स्वामी गोविंदचंद्र की कृपा से हुआ।÷ (यहां ये बताना दिलचस्प है कि केवल एक बार गोविंदचंद्र का नाम आने से ही इसे कन्नौज के गहड़वाल वंश के राजा गोविंदचंद्र से जोड़ दिया गया है।)

श्लोक 20 अल्हाना के उत्तराधिकारी की युद्ध कौशल का वर्णन करता है।

केवी रमेश के अनुवाद के अनुसार- ÷उन अहंकारी योद्धाओं का अंत किया जो लगातार उनके द्वारा लड़ी गई लड़ाइयों में बेलगाम उन्माद में नाच रहे थे। श्लोक 21 में मंदिर का निर्माण का जिक्र है। जिसकी व्याख्या केवी रमेश ने इस तरह की है-÷उपरोक्त शासक (आयुष चंद्र या मेघसुता) ने ÷सांसारिक आसक्तियों के सागर÷ को पार करने (यानी मोक्ष या मुक्ति प्राप्त करने) का सबसे आसान तरीका खोजने के लिए विष्णु-हरि का यह सुंदर मंदिर बनवाया था। मंदिर का निर्माण बड़े तराशे गए पत्थरों के खंडों का उपयोग करके किया गया था, किसी भी पूर्ववर्ती राजा ने इस पैमाने पर मंदिर नहीं बनाया था। मंदिर का शिखर स्वर्ण कलश से सुशोभित था। ध्यान दें शिलालेख में केवल एक जगह ÷जन्मस्थान÷ शब्द आया है। जिसके संदर्भ को लेकर विद्वानों में मतभेद है। श्लोक 5 की पहली पंक्ति में ÷वंश-तद्-एव-कुलम÷ का जिक्र है। केवी रमेश ने ÷ कुलम ÷ शब्द का अनुवाद ÷वंश÷ या ÷परिवार÷ के रूप में किया है। उनके अनुवाद के अनुसार, कविता की पहली पंक्ति में कहा गया है कि कुलीन परिवार (उपरोक्त राजवंश) ÷वीरता का जन्मस्थान÷ था जिसने दूसरों (यानी अन्य क्षत्रिय कुलों) के कष्टों को मिटा दिया था। इस शिलालेख में प्रत्यक्ष तौर पर श्रीराम का जिक्र नहीं है। इसी कारण मुस्लिम पक्ष को यह सवाल उठाने का मौका मिल गया कि-यहां ÷वीरता का जन्मस्थान÷ जुमले का इस्तेमाल रामजन्म स्थान के लिए हुआ है या यहां आयुष चंद्र अपने कुल के जन्मस्थान के बारे में बता रहा है। सुप्रीम कोर्ट में बहस के दौरान सुन्नी वक्फ बोर्ड की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राजीव धवन का तर्क था कि इस शिलालेख को राम जन्मभूमि मंदिर से जोड़ कर नहीं देखा जा सकता। धवन कहते हैं कि- डॉ. रमेश ने श्लोक 5-पंक्ति 4 और 5 में, कुलीन परिवार का संदर्भ देते हुए उन्होंने राम का अनुवाद किया है। ÷वीरता की जन्मभूमि÷ के रूप में यहां ÷जन्मभूमि - अर्थात जन्म-स्थान राजवंश के शाही क्षत्रिय परिवार की जन्मभूमि से है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस परिवार के लोग बाद में साकेत मंडल के समय में सरदार बने। इसलिए जन्मभूमि भगवान राम का जन्मस्थान÷ नहीं बल्कि उस समय के शाही राजवंश जन्मस्थान है। श्लोक 27 में (जो आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त था) सामंत आयुष चंद्र की तुलना विष्णु के चार अवतारों से की गई है। डॉ रमेश के इसका अनुवाद इस तरह करते हैं- ÷विष्णु, जिसने राक्षस हिरण्यकश्यप को उसके कंकाल से अलग कर दिया था। जिसने युद्ध में राक्षस बाणासुर को वश में किया। जिसने राक्षस बलि की भुजाओं का दमन किया था। जिसने कई वीरतापूर्ण कार्य किए और दुष्ट दस सिर वाले राक्षस को मार डाला। शिलालेख के प्रस्तुतीकरण में भगवान राम पर कोई विशेष महत्व या फोकस नहीं किया गया है।÷ यानी उनका कहना था कि अगर यह राम जन्म भूमि से जुड़ा मंदिर है तो शिलालेख में भगवान राम को अधिक फोकस किया जाना चाहिए था। श्लोक 27 भगवान विष्णु की स्तुति में है। जिसमें भगवान राम का विशेष उल्लेख नहीं है।

17वीं शताब्दी के शिलालेख के रूप में पहचान

इतिहासकार राम शरण शर्मा और सीता राम रॉय जैसे कुछ विद्वानों का मानना है कि विष्णु-हरि शिलालेख 17वीं शताब्दी या उसके बाद का हो सकता है। पुरातत्वविद् सीता राम रॉय ने शिलालेख के नागरी लिपि वर्णों का अध्ययन करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि ये भाषा गढ़वाला राजवंश के संस्थापक चंद्रदेव के 1098 ईस्वी शिलालेख में दिखाई देने वाली संस्कृत भाषा से कहीं अधिक विकसित है। इतिहासकार राम शरण शर्मा का तर्क है कि मंदिर शब्द, जो इस शिलालेख में आता है, मूल रूप से ÷निवास÷ के अर्थ में आता था। 18वीं शताब्दी तक किसी भी संस्कृत पाठ में हिंदू मंदिर का वर्णन करने के लिए इसका उपयोग नहीं किया गया था। सबसे खास बात यह है कि 17वीं शताब्दी के संत तुलसीदास सहित किसी भी पूर्व स्रोत में राम के जन्मस्थान पर किसी भव्य मंदिर का उल्लेख नहीं है। इन तर्कों के आधार पर, शर्मा ने निष्कर्ष निकाला कि विष्णु-हरि शिलालेख 17वीं शताब्दी का शिलालेख है जो रहस्यमय तरीके से 16वीं शताब्दी की बाबरी मस्जिद की ÷ईंटों की दीवार में छिपा हुआ था। इतिहासकार राम शरण शर्मा तर्क देते हैं कि ÷विष्णु सहस्रनाम पाठ में विष्णु के एक हजार नामों की सूची दी गई है। इसमें विष्णु-हरि÷ शब्द कहीं नहीं है। हालांकि विष्णु÷ और ÷हरि÷ देवता के नाम के रूप में अलग-अलग दिखाई देते हैं। बहरहाल दोनों पक्षों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने नवम्बर 2019 के अपने ऐतिहासिक फैसले में नतीजा निकाला-÷साक्ष्यों से पता चलता है कि विवादित ढांचे से शिलालेख की बरामदगी नहीं हुई है। इस तरह सूट 5 में वादी ने शिलालेख के आधार पर जो तर्क दिए हैं उसकी महत्वपूर्ण कड़ी लापता है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले में दर्ज विष्णु हरि शिलालेख पर डा. केवी रमेश की रिपोर्ट

हालांकि शिलालेख विष्णु हरि के अस्तित्व का संकेत देता है और यह भी बताता है कि अयोध्या में विष्णु हरि मंदिर का निर्माण बारहवीं शताब्दी ई. में हुआ था लेकिन प्रश्नगत स्थल से शिलालेख की बरामदगी अविश्वसनीय है। ये शिलालेख यह निष्कर्ष निकालने का आधार नहीं हो सकता कि इसमें जिस विष्णु हरि मंदिर का उल्लेख किया गया है वह ध्वस्त स्थल पर ही मौजूद मंदिर था।÷ (सुप्रीम कोर्ट जजमेंट, 9 नवंबर 2019, पेज 650) इसका अर्थ यह है कि 12वीं सदी में यहां आयुष चंद्र या मेघसुत ने कोई भव्य मंदिर बनवाया था तो उसका दस्तावेजीय प्रमाण इतिहास के पुराने पन्नों में जरूर होना चाहिए।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्प्लवे स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एव ं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार सामाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।